गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Sunday, 7 June, 2026 वर्ष 23 अंक 38, गुवाहाटी, रविवार 7 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-7 मूल्य : दस रुपये पेज-12

श्रेयर अय्यर कप्तान वैभव को अवसर -10

पूसी रेल परिसर में गूंजी धरोहर इंजन की गड़गड़ाहट-12

सुप्रभातम्

दूसरों को बदलने से बेहतर है कि आप खुद को बदलें; दुनिया अपने आप बदल जाएगी।

फिरोजपुर में पिकअप वाहन व ट्रक की टक्कर में नौ की मौत

फिरोजपुर, 6 जून (भा)। पंजाब के फिरोजपुर में आज एक पिकअप वाहन की ट्रक से टक्कर हो जाने के कारण नौ लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी दुर्घटना फिरोजपुर-फाजिल्का सड़क पर जंगावाला मोड़ के पास हुई। पुलिस के अनुसार, जलालाबाद से 32 लोग एक रिश्तेदार की अस्थियों को ब्यास नदी में विसर्जित करने के लिए अमृतसर के ब्यास जा रहे थे कि तभी उनके वाहन की ट्रक से टक्कर हो गयी। इनमें से कई की मौके पर ही मौत हो गयी और गंभीर रूप से घायल लोगों को फिरोजपुर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। वरिष्ठ चिकित्सा शेष पृष्ठ आठ पर

प्रधान का पद पर बने रहना लाखों छात्रों का अपमान : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 6 जून (भा)। कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर आज कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पद पर बने रहना सत्ता के लिए उनकी निर्लज्ज लालसा का परिचायक तथा लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान है। मुख्य विपक्षी दल मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के पेपर लीक और ओएसएम से जुड़े विवाद को लेकर निरंतर उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक अंग्रेजी दैनिक की खबर का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि हफ्तों तक किसी भी गलत काम से इनकार करने और यह दावा करने के बाद कि उसके कोएम्पट (कॉन्ट्रेक्टर) के शेष पृष्ठ आठ पर

प्लास्टिक मुद्रा नोटों पर विचार कर रहा आरबीआई

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) पॉलिमर यानी प्लास्टिक मुद्रा नोटों को शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन इस संबंध में अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह जानकारी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दी। मल्होत्रा ने कहा कि यह प्रस्ताव अभी विचाराधीन है और फिलहाल शुरुआती चरण में है। उन्होंने कहा कि जहां तक पॉलिमर नोटों का सवाल है, यह प्रस्ताव विचाराधीन है। जैसे ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। संजय मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि हाल में पॉलिमर नोटों को लेकर जो खबरें सामने आयी हैं, उनमें कुछ सच्चाई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक अभी तक किसी अंतिम शेष पृष्ठ आठ पर

नीट री- एग्जाम से पहले पेपर लीक की अफवाह

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। आजकल सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर नीट (यूजी) 2026 री-एग्जाम को लेकर कई तरह के दावे वायरल हो रहे हैं। कुछ लोग परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने, पहले से उपलब्ध होने या पैसे लेकर बेचने जैसी बातें कर रहे हैं। इन दावों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने साफ कर दिया है कि ये सभी दावे पूरी तरह झूठे और भ्रामक हैं। एजेंसी का कहना है कि कुछ संगठित ठग गिरोह छात्रों की चिंता का फायदा उठाकर पैसे ऐंठने की कोशिश कर रहे हैं। एनटीए ने अभ्यर्थियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक शेष पृष्ठ आठ पर

लोक भवन में राज्यपाल की विशेष पहल

स्नेह मिलन कार्यक्रम में जुटे मुख्यमंत्री व सभी मंत्री, पुनर्जीवित हुई पुरानी परंपरा

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यहां लोक भवन में एक विशेष संवाद कार्यक्रम स्नेह मिलन.का आयोजन किया, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और राज्य के मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों ने भाग लिया। इस सौहार्दपूर्ण बैठक के दौरान राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के साथ लोक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और असम में शांति, प्रगति, समृद्धि

व समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई। इस आयोजन के लिए मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने राज्यपाल के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए असम के समग्र विकास और जनता के कल्याण के लिए निरंतर अथक रूप से काम करने का संकल्प साझा किया। उल्लेखनीय है कि लोक भवन में शपथ ग्रहण के बाद नये मंत्रिपरिषद की मेजबानी करने की एक शेष पृष्ठ आठ पर

मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों को दिया विकसित असम का मंत्र

विभागों में समन्वय व पारदर्शिता पर जोर

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के 100 से अधिक आईएएस अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर विकसित असम के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच सहयोग, समन्वय और साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि असम ने हाल के वर्षों में जो अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं, उन्हें न केवल बरकरार रखना है, बल्कि सभी प्रमुख क्षेत्रों, विकासात्मक संकेतकों और शासन के मानकों में असम को देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को असम के विकास में इस तरह योगदान देने के लिए प्रेरित किया जिससे हर पहल, हर सुधार और हर परिणाम भारत की आर्थिक और विकासात्मक यात्रा में राज्य की भूमिका को और मजबूत कर सके। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी डर के अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और विनम्रता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की बात कही।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच देश को सुपर फास्ट ग्रोथ देने का प्लान

पीएम मोदी ने आर्थिक धुरंधरों संग बनायी नयी रणनीति

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पीएम मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ बैठक की। बैठक में देश की आर्थिक स्थिति, ईज ऑफ लिविंग और वैश्विक संकट के प्रभावों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपनी प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न ऊर्जा आपूर्ति चुनौतियों के बीच भारत की आर्थिक विकास दर को मजबूती प्रदान करना है। सूत्रों के अनुसार बैठक में चर्चा का केंद्र देश की आर्थिक गति को बनाये रखने और विकास की संभावनाओं को बढ़ाने के उपाय रहे। पीएम मोदी ने विशेष रूप से ऐसे सुधारों पर चर्चा की, जिनसे आम नागरिकों के लिए ईज ऑफ लिविंग (जीवन की सुगमता) बेहतर हो सके और देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का माहौल और अधिक सरल बने। परिषद ने आर्थिक स्थिरता बनाये रखते हुए विकास की गति को तेज करने के रास्तों पर मंथन किया। बैठक में परिषद के सदस्यों ने बदलते अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक परिवेश और भारत पर इसके संभावित प्रभावों का आकलन किया। चर्चा में विशेष रूप से पश्चिम एशिया के संघर्ष का वैश्विक बाजारों, व्यापार प्रवाह, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक वृद्धि पर पड़ने वाले असर को प्राथमिकता दी गयी। विशेषज्ञों ने साझा किया कि कैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब पूरी दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता का सामना कर रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंका ने स्थिति को और गंभीर बना दिया शेष पृष्ठ आठ पर

एजीसीएल व एनईजीडीसीएल के नये अध्यक्ष बने बोलिन चेतिया

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर विधायक बोलिन चेतिया को असम गैस कंपनी लिमिटेड (एजीसीएल) के निदेशकों में से एक और कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस पद पर उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा (कैबिनेट रैंक) प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, राज्यपाल के आदेशानुसार उन्हें पूर्वोत्तर गैस वितरण कंपनी लिमिटेड (एनईजीडीसीएल) के निदेशक मंडल में शामिल करते हुए इसके अध्यक्ष पद की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। एनईजीडीसीएल के अध्यक्ष के तौर पर भी वह कैबिनेट रैंक के हकदार होंगे। उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग की सचिव इंदिरा आर. कलिता द्वारा जारी इस आधिकारिक आदेश के अनुसार, ये दोनों महत्वपूर्ण नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं।

नेपाल के लिए भारत नंबर वन बालेन शाह के दूत ने कहा

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। दिल्ली के होटल ताज में आज एक ऐसी मुलाकात हुई है, जिसने पूरे दक्षिण एशिया की सियासत में भूचाल ला दिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बंद कमरे में बेहद अहम मुलाकात की है। इस बैठक के बाद नेपाल की तरफ से जो बयान आया है, उसके बाद चीन का जल-भुनकर राख होना तय है। नेपाल के विदेश मंत्री ने जयशंकर के सामने साफ-साफ कह दिया, हम अतीत का कोई बोझ लेकर नहीं चल रहे हैं। उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को नेपाल के लिए नंबर 1 प्रायोरिटी बताया है। दरअसल, पिछले कुछ सालों में चीन ने नेपाल की पुरानी सरकारों को कर्ज के जाल और झूठे वादों में फंसाकर भारत के खिलाफ उकसाने की हर संभव कोशिश की थी। कभी सीमा विवाद तो कभी नक्शे का टंटा खड़ा करके दोनों देशों के सदियों पुराने रोटी-बेटी के रिश्ते में कड़वाहट घोलने शेष पृष्ठ आठ पर

भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई का बड़ा धमाका, 24 घंटे में 14 लाख लोग जुड़े

बेंगलुरू, 6 जून (एजें.)। के अन्नामलाई के भाजपा से अलग होने के बाद तमिलनाडु की राजनीति में एक नयी चर्चा शुरू हो गयी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने अपनी नयी राजनीतिक पहल की घोषणा करते ही बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन हासिल कर लिया। दावा किया जा रहा है कि उनके नए आंदोलन से पहले ही दिन करीब 14 लाख लोग जुड़ चुके हैं, जिसने राज्य की राजनीति में नई संभावनाओं को जन्म दे दिया है। अन्नामलाई ने कल भाजपा से अपना इस्तीफा सार्वजनिक किया। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से पार्टी नेतृत्व के साथ तमिलनाडु की राजनीति और भविष्य की दिशा को लेकर उनके विचारों में मतभेद थे। कई दौर की बातचीत के बाद उन्हें महसूस हुआ कि राज्य के लिए उनकी सोच और पार्टी की रणनीति एक-दूसरे से मेल नहीं खा रही हैं। इसी कारण उन्होंने अलग रास्ता चुनने का फैसला किया। राजनीति में आने से पहले अन्नामलाई भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी थे। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर वर्ष 2020 में भाजपा का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होने के कुछ ही समय बाद उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलीं और बाद में वह तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष बने। कम उम्र में मिली इस बड़ी भूमिका ने उन्हें राज्य की राजनीति का प्रमुख चेहरा बना दिया था। अपने नये अभियान की घोषणा करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि अब उनकी राजनीतिक यात्रा का नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने युवाओं, छात्रों, पेशेवरों और आम नागरिकों से इस पहल का हिस्सा बनने की अपील की। उनका कहना है कि राजनीति केवल कुछ परिवारों या चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहनी शेष पृष्ठ आठ पर

गिलगित-बाल्टिस्तान में चुनाव से भारत नाराज

कहा- इससे अवैध कब्जा वैध नहीं होगा

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 7 जून को होने वाले विधानसभा चुनावों का कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने कल जारी बयान में कहा कि पाकिस्तान जिस क्षेत्र पर अवैध और जबरन कब्जा किये हुए है, वहां चुनाव कराने की उसकी योजना पूरी तरह अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख, जिसमें गिलगित-बाल्टिस्तान भी शामिल है, भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। इसलिए पाकिस्तान को उन क्षेत्रों में किसी भी तरह की शेष पृष्ठ आठ पर

यूएन में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाक को लगायी लताड़

संरा, 6 जून (एजें.)। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर से जम्मू और कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद आयी। भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में जम्मू और कश्मीर का जिक्र करने को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा। उसने पड़ोसी देश को याद दिलाया कि वैश्विक निकाय का हिस्सा होना एक बड़ी जिम्मेदारी है और यह पक्षपातपूर्ण और झूठे बयान फैलाने का मंच नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने कल बताया कि उन्हें पाकिस्तान को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा। देश ने भारत के आंतरिक मामले का अनुचित संदर्भ दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हरीश ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से भारत के आंतरिक मामले, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का अनावश्यक जिक्र करने से मुझे जवाब देने को लेकर विवश होना पड़ा है। पाकिस्तान ने अपने विभाजनकारी राजनीतिक हितों को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित मंच का दुरुपोग करने की अपनी विशिष्ट प्रवृत्ति को जारी रखते हुए इस मंच को भी नहीं बख्शा है। रिपोर्ट के अनुसार, हरीश ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से भारत के विशुद्ध आंतरिक मामले, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का अनावश्यक उल्लेख करने से उन्हें जवाब देने के लिए विवश होना पड़ा है। पाकिस्तान की ओर से सुरक्षा परिषद में अपनी उपस्थिति का दुरुपयोग, जिसमें कई भ्रामक संदेशों का प्रसार भी शामिल है। इस शेष पृष्ठ आठ पर

मैंने यूसुफ पठान को सांसदी छोड़ने को नहीं कहा, गांगुली ने दी सफाई

कोलकाता, 6 जून (एजें.)। पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने आनंद बाजार पत्रिका की खबर का खंडन किया है। इसमें दावा किया गया था कि ममता बनर्जी ने सौरव से कहा है कि वह बहरामपुर से टीएमसी सांसद यूसुफ पठान को सीट से इस्तीफा देने के लिए मनाएं, ताकि वे यहां से उपचुनाव लड़ सकें। गांगुली ने आज सभी मीडिया हाउस को लेटर जारी कर कहा कि वे बिना सत्यता जाने खबर पब्लिश ना करें। उन्होंने लेटर में लिखा है कि 4 जून को अखबार में पब्लिश आर्टिकल में दावा किया गया था कि उन्होंने ममता का मैसेज क्रिकेटर से सांसद बने यूसुफ पठान तक पहुंचाया था। पठान से सांसदी छोड़ने को कहा, ताकि ममता बहरामपुर से उपचुनाव लड़ सकें। खबर में यह भी कहा गया था कि यूसुफ इस प्रस्ताव से सहमत नहीं थे। गांगुली ने लिखा, ये सभी बातें पूरी तरह गलत शेष पृष्ठ आठ पर

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन : अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने आज दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे। सीजेआई को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3.30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गये। अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट शेष पृष्ठ आठ पर

दिल्ली से सिलीगुड़ी अब मात्र छह घंटे में, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का एलान

कोलकाता, 6 जून (एजें.)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल के लिए एक बड़ी बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा की है। इस प्रस्तावित कॉरिडोर के जरिये दिल्ली और सिलीगुड़ी को सीधे जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन लखनऊ, वाराणसी और पटना से होकर गुजरेगी। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस सेवा के शुरू होने के बाद दिल्ली से सिलीगुड़ी तक की यात्रा का समय घटकर मात्र छह घंटे रह जाएगा। कोलकाता में सचिवालय नबन्ना में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने पूर्व और वर्तमान बजट की तुलना की। उन्होंने बताया कि यूपीए सरकार के दौरान पश्चिम बंगाल के रेलवे प्रोजेक्ट्स के लिए सालाना मात्र 4,000 करोड़ रुपये मिलते थे। वहीं, प्रधानमंत्री शेष पृष्ठ आठ पर

बीस हजार किलोमीटर दूर से भारतीय सर्जन ने रचा इतिहास

रोबोटिक तकनीक से हुई दुनिया की सबसे लंबी हृदय टेली-सर्जरी

नयी दिल्ली, 6 जून (एजें.)। भारतीय चिकित्सा विज्ञान और स्वदेशी तकनीक ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ एवं सर्जन डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में बैठकर भारत के इंदौर स्थित एक मरीज के हृदय की सफल रोबोटिक टेली-सर्जरी कर चिकित्सा जगत में इतिहास रच दिया। लगभग 20,000 किलोमीटर की दूरी से संपन्न यह प्रक्रिया दुनिया की अब तक की सबसे लंबी दूरी की रोबोट-सहायित कार्डियक टेली-सर्जरी मानी जा रही है। यह ऐतिहासिक सर्जरी गुयाना के जॉर्जटाउन पब्लिक हॉस्पिटल कॉर्पोरेशन (जीपीएचसी) और इंदौर स्थित आईआरसीएडी इंडिया के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुई। खास बात यह रही कि पूरी सर्जरी भारत में विकसित एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की सहायता से की गयी, जिसने भारत को वैश्विक रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में नई पहचान दिलायी है। जानकारी के अनुसार, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने गुयाना में स्थित टेली-सर्जन कंसोल से सर्जरी का संचालन किया, जबकि मरीज भारत में मौजूद था। रोबोटिक आर्म्स ने डॉक्टर के हाथों की गतिविधियों को वास्तविक समय में दोहराते हुए हृदय की जटिल प्रक्रिया लेफ्ट इंटरनल मैमरी आर्टरी (लीमा) टेकडाउन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। करीब 290 से 300 मिलीसेकेंड की नेटवर्क लेटेंसी के बावजूद पूरी प्रक्रिया अत्यंत सटीकता और स्थिरता के साथ संपन्न हुई। इस दौरान भारत में मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर के मुख्य कार्डियक सर्जन डॉ. ललित मलिक टेबल-साइड सर्जन के रूप में मौजूद रहे। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने इस उपलब्धि को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नये युग की शुरुआत बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक भौगोलिक दूरियों को समाप्त कर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्षम है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से गुयाना में रोबोटिक सर्जरी विशेषज्ञों की नयी पीढ़ी तैयार होगी और देश चिकित्सा नवाचार का क्षेत्रीय केंद्र बन सकेगा। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुधीर श्रीवास्तव ने शेष पृष्ठ आठ पर

अमेरिका की जासूसी कर रहा इस्राइल : रिपोर्ट में दावा

पेंटागन, 6 जून (एजें.)। दो अमेरिकी अधिकारियों और एक पूर्व अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, पेंटागन इस्राइल की तरफ से अमेरिका पर की जा रही जासूसी में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है। हाल ही में पेंटागन ने इजलायल की तरफ से खुफिया जानकारी हासिल करने के खतरे के स्तर को टॉप लेवल तक बढ़ा दिया है। मतलब इस्राइल को सबसे बड़ा खतरा बता दिया है। एनबीसी न्यूज के अनुसार, पेंटागन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) ने एक नया प्रति-खुफिया खतरे का आकलन जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि डीआईए ने एक इंटरनेल मैसेज प्रकाशित किया, जिसे एक मौजूदा अधिकारी ने देखा, जिसमें इस्राइल के लिए खतरे का स्तर गंभीर बताया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यह आकलन पेंटागन के भीतर इस चिंता से उपजा है कि इस्राइल ईरान युद्ध पर ट्रंप प्रशासन की आंतरिक चर्चाओं और निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों की शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 पाक के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये

पेज : 8 एमपी में 10 साल में 33 लाख से ज्यादा बच्चों ने छोड़ा प्राइमरी...

पेज : 9 रामराज्य में प्रकृति और पर्यावरण

प्रातः खबर
रविवार, 7 जून, 2026

ब्रिक्स देशों ने आपदा प्रबंधन में ओडिशा की उपलब्धियों की सराहना की : मंत्री

भुवनेश्वर, 6 जून (भा)। ब्रिक्स देशों ने आपदाओं के दौरान जीवन रक्षा के लिए ओडिशा सरकार की उपलब्धियों की सराहना की है और प्रमुख चक्रवातों के दौरान हताहतों की संख्या लगभग शून्य रखने की दिशा में राज्य के निरंतर प्रयासों को स्वीकार किया है। एक मंत्री ने शनिवार को यह जानकारी दी। आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने पुरी में तीन दिवसीय ब्रिक्स आपदा जोखिम न्यूनीकरण समूह (डीआरआरजी) की बैठक के समापन के बाद यहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ओएसडीएमए) के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा, ''ब्रिक्स डीआरजी बैठक की सफल मेजबानी ने आपदा से निपटने और तैयारी के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में ओडिशा की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को और बढ़ाया है। मंत्री ने कहा कि यह 'विकसित ओडिशा 2036' ढांचे में उल्लिखित ष्टिकोण के साथ निकटता से मेल खाता है, जिसका उद्देश्य आपदाओं में शून्य हताहत परिणामों को बनाए रखना, लचीले बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, ओडीआरएएफ (ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल) का आधुनिकीकरण करना और आजीविका पर आपदा के प्रभावों को कम करना है। इस बैठक से ओडिशा को प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियों का सामना करने के अपने संकल्प को मजबूत करने में भी मदद मिली। उन्होंने कहा, ''इस बैठक ने ओडिशा के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सीधे बातचीत करने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में वैश्विक अनुभवों से सीखने में सक्षम बनाया। प्रतिनिधिमंडल ने रामचंडी में ओडीआरएएफ द्वारा जल में बचाव का एक सजीव प्रदर्शन भी देखा, जिसमें बाढ़ और जल संबंधी आपात स्थितियों के लिए राज्य की परिचालन तत्परता, विशेष उपकरण और प्रतिक्रिया क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय पर आयोजित इस बैठक में आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सहयोग को मजबूत करने के लिए ब्रिक्स के आठ सदस्य देशों - चीन, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात - के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ एक साथ आए। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने चार जून को उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी ने ओडिशा सरकार को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त आपदा प्रबंधन प्रणाली को प्रदर्शित करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया है।

रामलिंगा रेड्डी ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है : कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला का दावा

बेंगलुरु, 6 जून (भा)। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक में पार्टी प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शनिवार को दावा किया कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद मंत्री पद से अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस घटना को गलतफहमी का नतीजा बताया और कहा कि वरिष्ठ नेता कांग्रेस सरकार में मंत्री के रूप में अपना कार्य जारी रखेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इस विवाद का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही थी। रेड्डी के इस्तीफे की घोषणा को लेकर सुरजेवाला ने पत्रकारों से कहा कि कुछ गलतफहमी हुई थी और वह (रेड्डी) पार्टी के एक वफादार सिपाही और मंत्री के रूप में काम करना जारी रखेंगे। रेड्डी ने कल इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग के बजाय वृहद और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गयी थी। कांग्रेस नेता ने रेड्डी को पार्टी के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक बताया और कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पार्टी के पूरे शीर्ष नेतृत्व ने हस्तक्षेप किया था। सुरजेवाला ने रामलिंगा रेड्डी को कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण नेता बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद और उन्होंने खुद रेड्डी के इस्तीफे की खबरें सामने आने के बाद उनसे बात की थी। सुरजेवाला ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्होंने (रेड्डी) आपको पहले ही सूचित कर दिया है कि उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। भाजपा पर निशाना साधते हुए सुरजेवाला ने कहा कि विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर हुए घटनाक्रम का समय से पहले ही जश्न मनाना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि भाजपा वास्तव में सदमे में है, क्योंकि उसे लगा था कि सत्ता के सुचारू हस्तांतरण में उसे कोई मुद्दा मिल गया है और वे कुछ राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद कर रहे थे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर अशोक का जिक्र करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में मतदाता विपक्ष को नकारना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मैं विजयेंद्र और अशोक दोनों को बता दूं कि जनता की अदालत में आपको बार-बार करारी हार मिलेगी, जनता का विश्वास जीतने के लिए आपको ईमानदारी, प्रतिबद्धता और जनता की सेवा की आवश्यकता है, जिसे कांग्रेस सरकार ने अपनी पांच गारंटियों के माध्यम से करके दिखाया है।

पंचांग

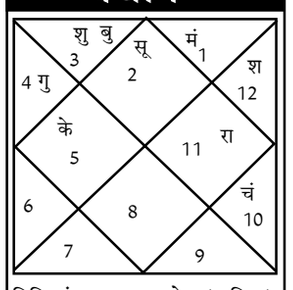

तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष सप्तमी। विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 7 जून रविवार । सूर्योदयकालीन नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 07.54 बजे तक इसके बाद शतभिषा नक्षत्र रहेगा।

योग :- वैधृति प्रातः 10.05 बजे तक इसके बाद विशकुंभ योग रहेगा। करण-विष्टि अपराह्न 3.07 बजे तक तदुपरांत बव करण रहेगा।

ग्रह विचार : (प्रातः 4.30) सूर्य-वृष, चंद्र-कुंभ, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु -कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु -कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : सायंकाल 04.30 बजे से 6 बजे तक रहेगा ।

सूर्योदय: 04:30 बजे सूर्यास्त 6:12 बजे

ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो. 9529781915

CLASSIFIED

AFFIDAVIT

I Arpana Dutta Dey, D/o Haradhan Dutta W/o Budhya Deb Dey, Resident of Manpara, Datalpara, PO & PS - Fatasil Ambari, Guwahati, in the district of Kamrup (METRO), Assam, PIN CODE - 781025, Hereby declare that ARPANA DUTTA DEY and ARPANA DUTTA are one and same person HAVING single Identity.I have declared this before the court of notary public Kamrup (M) on 2/6/26

पर्यावरण संरक्षण को लेकर गौ सेवा कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की उत्तर गुवाहाटी शाखा द्वारा आज मालीगांव गौशाला में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गौ सेवा एवं पशु-पक्षी कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा की बहनों ने गायों को हरा चारा, गुड़ आदि खिलाया तथा पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गौशाला के ग्वालों को भेंट स्वरूप चावल वितरित किये गये। शाखा द्वारा ग्वालों का विशेष आभार व्यक्त किया गया कि उनकी सेवा से ही गौ संरक्षण संभव है। कार्यक्रम की संयोजिका किरण पारीक रहीं। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष गरिमा व्यास, उपाध्यक्ष पूनम पारीक, मीना पोद्दार उषा शर्मा, उषा पारीक, किरण पारीक, कमला पारीक, श्वेता नौहाल, निवेदिता चोटिया सहित अनेक शाखा सदस्य एवं उनके परिजन उपस्थित रही। सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। शाखा अध्यक्ष इंदु पारीक ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम भी है। हमारा प्रयास रहेगा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में प्रकृति के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़े।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने शाखाअध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में बी बरुआ कैंसर हॉस्पिटल में जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाया। साथ में फल भी वितरित किये गये। इस दौरान सलाहकार सरोज मित्तल, मंजू पाटनी, शाखा उपाध्यक्ष रश्मि जैन, रेखा गोयल, कार्यकारिणी सदस्य ज्योति शर्मा, बीना चौरड़िया, पिंकी जैन, गुलाब दुगड़, खुशबू मोर, आशा जैन उपस्थित थी।

भीषण गर्मी में राहत : लायंस गौहाटी का बीट द हीट प्रकल्प

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गौहाटी द्वारा कल *बीट द हीट* अभियान चलाया गया। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी संजय संथोलिया ने बताया कि अध्यक्ष राजेश हंसारिया के नेतृत्व में आठगांव में इस विशेष कार्यक्रम के तहत जूस वितरण कर मानव सेवा का कार्य आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आठगांव फ्लाईओवर के नीचे गणेश मंदिर के पास किया गया, जहां राहगीरों, श्रमिकों एवं जरूरतमंद लोगों के बीच 1500 से अधिक कैम्पा टेट्रा पैक जूस का वितरण किया गया। क्लब के अध्यक्ष राजेश हंसारिया ने बताया कि लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को राहत प्रदान करने के लिए यह सेवा गतिविधि आयोजित की गयी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने जूस प्राप्त कर क्लब के इस प्रयास की सराहना की। इस सेवा कार्य के प्रायोजक क्लब के सदस्य आशीष अग्रवाल रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी संजय संथोलिया ने बताया कि कार्यक्रम में अध्यक्ष राजेश हंसारिया, दिलीप सराफ, भरत चौधरी, पवन हवेलिया, पवन अग्रवाल, बिजय हरलालका सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता लायंस क्लब की प्राथमिकता है तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा।

अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन, गुवाहाटी शाखा की नयी कार्यकारिणी समिति घोषित

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। समाज सेवा, सांस्कृतिक उत्थान एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन, गुवाहाटी शाखा की नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई। नवगठित समिति आगामी कार्यकाल में समाज के संगठन, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण तथा सेवा कार्यों को गति प्रदान करेगी। संस्था ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनुभवी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे हैं। नई कार्यकारिणी में राज कुमार तिवारी को अध्यक्ष, देवेंद्र जोशी एवं दिनेश पारीक को उपाध्यक्ष, रमेश शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष, सुरेन्द्र शर्मा को सचिव, संदीप शर्मा को संयुक्त सचिव, अमित शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुशील व्यास शर्मा, मुकेश भातरा, राम पारीक, कन्हैया लाल भोजक, परमेश्वर शर्मा, गोपी जोशी, रामनिवास माटोलिया, मुकेश दाधीच, मुकेश तिवारी, विजय सोती, संदीप मिश्रा, भूपेंद्र माटोलिया, आयुष बुटोलिया शर्मा एवं नानक शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष राज कुमार तिवारी ने कहा कि फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा, संस्कार, सेवा और संगठन की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। संस्था के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम के नेतृत्व में गुवाहाटी शाखा समाजहित के विभिन्न प्रकल्पों को प्रभावी ढंग से संचालित करेगी तथा युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए नए आयाम स्थापित करेगी। अष्टलक्ष्मी परशुराम फाउंडेशन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

बी. बरुवा कॉलेज (स्वा.) ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का किया आयोजन

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। गुवाहाटी स्थित बी. बरुवा कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस (7 जून 2026) के अवसर पर गुवाहाटी के रिफाइनरी हायर सेकेंडरी स्कूल में आज एक संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्य मीनाक्षी देवी ने किया। उन्होंने अपने भाषण में खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता पर प्रकाश डाला और रसायन विज्ञान विभाग द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। संगोष्ठी में रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. विजय शंकर गोस्वामी भी उपस्थित थे, जिन्होंने खाद्य असुरक्षा के विभिन्न कारकों और उनके निवारण के तरीकों के साथ खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया। इसके बाद रसायनिक परीक्षणों के माध्यम से विभिन्न दूषित खाद्य पदार्थों का पता लगाने पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला का संचालन सहायक प्रोफेसर श्यामल कर ने किया और शोध छात्र अंगराग कश्यप, कृपांकर कलिता, मिताली बोरा और बैशाली हजारिका सहायक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला के बाद छात्रों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। डॉ. प्रद्युम्न मजुमदार ने संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन किया और डॉ. दिगंत चौधरी ने विभागीय धन्यवाद ज्ञापन किया।

पारीक महिला परिषद की प्रथम कार्यकारिणी सभा संपन्न

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। पारीक महिला परिषद की वर्ष 2026-27 की प्रथम कार्यकारिणी सभा परशुराम सदन में आयोजित की गयी। सभा का शुभारंभ परिषद की सदस्य ज्योति पुरोहित द्वारा ॐ के मंत्रोच्चारण के साथ ध्यान-योग से हुआ। तत्पश्चात अध्यक्ष निशा पारीक ने स्वागत संबोधन दिया। निशा पारीक एवं सचिव जया पारीक ने अब तक हुए कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी माह के लिए चार महत्वपूर्ण सेवा-प्रकल्पों की रूपरेखा सदस्याओं के समक्ष रखी, जिस पर सार्थक चर्चा हुई। सभी सदस्याओं ने इन प्रकल्पों को सर्वसम्मति से पारित किया। कोषाध्यक्ष पूजा जोशी ने अब तक हुए कार्यों का लेखा-जोखा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। सभा में संस्थापक अध्यक्ष एवं सलाहकार सुषमा शर्मा, कार्यकारिणी अध्यक्ष दीपिका जोशी, उपाध्यक्ष निशा शर्मा, सुंदर पारीक, पुष्पा पारीक, पूनम पारीक, कमला पारीक, नेहा जोशी, उर्मी पारीक, गरिमा व्यास, उषा पारीक, सुमन पारीक, ज्योति पारीक, अंतिमा पारीक सहित 18 सदस्याएं उपस्थित रही।

शिकायतकर्ता, गवाहों के मुकरने के बाद हत्या के प्रयास-बलवा मामले में 10 लोग बरी

ठाणे (महाराष्ट्र), 6 जून (भाषा)। ठाणे की एक अदालत ने 2013 में हत्या के प्रयास और बलवा करने के मामले में 10 लोगों को बरी कर दिया है, क्योंकि शिकायतकर्ता के साथ-साथ कई गवाह हमलावरों की पहचान नहीं कर सके। दो परिवारों के 10 सदस्यों को 12 दिसंबर, 2013 को जमीन को लेकर लंबे समय से जारी विवाद पर हुई झड़प के बाद मुंब्रा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इन लोगों पर दीवा-अगासन मार्ग पर पीड़ितों के वाहनों को रोककर तलवारों, चाकुओं और लाठियों से जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, जिरह के दौरान शिकायतकर्ता राजकुमार म्हात्रे और छह अन्य घायल गवाह अभियोजन पक्ष के मामले का समर्थन करने में विफल रहे, जिसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर.एस. भाकरे ने आरोपियों को बरी कर दिया।

नेपाल के पीएम का जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए बिम्सटेक देशों से सहयोग का आह्वान

काठमांडू, 6 जून (भा)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने आर्थिक अवसरों के सृजन और जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए बिम्सटेक के सदस्य देशों के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान किया है। उन्होंने शनिवार को जारी एक बयान में क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं के गहन एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए परिवहन, व्यापार और डिजिटल नेटवर्क में संपर्कता बढ़ाने पर भी जोर दिया। बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) एक क्षेत्रीय संगठन है, जो बंगाल की खाड़ी पर निर्भर या उससे सटे देशों के बीच आर्थिक विकास, तकनीकी सहयोग और संपर्क पर ध्यान केंद्रित करता है। इसके सात सदस्य देश हैं। बांग्लादेश, थाईलैंड, नेपाल, श्रीलंका, भारत, भूटान और म्यांमार। बिम्सटेक की 29वीं वर्षगांठ के अवसर पर, नेपाल के विदेश कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने (बालेंद्र शाह ने) अर्थव्यवस्थाओं के गहन एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए परिवहन, व्यापार और डिजिटल नेटवर्क में संपर्कता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। इसमें कहा गया कि उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि बिम्सटेक की स्थायी शक्ति उसके लोगों में निहित है, तथा पर्यटन को बढ़ावा देने, युवाओं और उद्यमियों के लिए अवसर पैदा करने और जलवायु परिवर्तन तथा प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ लचीलेपन के लिए अधिक प्रयास करने का आह्वान किया। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक क्षेत्र को आपस में जुड़ा हुआ, लचीला और समृद्ध बनाने के लिए सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने की नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मालीगांव में नौ दिवसीय श्री राम कथा शुभारंभ आज

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। पुरुषोत्तम मास के मौके पर श्री राम कथा सेवा समिति मालीगांव के तत्वावधान में तथा श्रीश्री शीलादेवी मंदिर समाज, देवकोटानगर महिला समिति, उदयगिरी श्री शिव मंदिर महिला समिति, शंकरदेव नगर गोर्खा महिला समिति के सौजन्य से कल से नौ दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन मालीगांव कालीबाड़ी में किया जाएगा। कल सुबह 9.30 बजे कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ किया जाएगा। मालूम हो कि यह कथा अपराह्न 1.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक चलेगी। कथावाचक पं. गणेश उपाध्याय कथा का रसपान कराएंगे। समिति के पदाधिकारियों ने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया।

शिशु शिक्षा समिति, असम के संकुल प्रमुखों की हुई बैठक

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। विद्या भारती से संबद्ध संस्था शिशु शिक्षा समिति, असम के संकुल प्रमुखों की बैठक शंकरदेव विद्या निकेतन, जोरहाट (गढ़मूर) में आयोजित हुई। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ इस बैठक में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती, महा सचिव जगन्नाथ राजवंशी, उपाध्यक्ष अनिमा शर्मा एवं डॉ. अलकानंदा बरूवा, वरिष्ठ कार्यकर्ता योगेंद्र सिंह चिचोड़िया सहित पूर्णकालिक कार्यकर्ता तथा संकुल प्रमुखों समेत कुल 76 प्रतिनिधि उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र में डॉ. पवन तिवारी ने संकुल व्यवस्था तथा आचार्य-आचार्याओं के व्यक्तित्व विकास में संकुल की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किये। शिशु शिक्षा समिति, असम के उत्तर असम प्रांत के प्रचार विभाग संयोजक मुकुटेश्वर गोस्वामी ने गुवाहाटी के जू-रोड स्थित कार्यालय से मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि महा सचिव जगन्नाथ राजवंशी ने विद्या भारती के आधारभूत विषयों तथा विभिन्न निकेतनों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या पर चर्चा की। इसके साथ ही संकुल केंद्र निकेतन एवं संकुल के अंतर्गत आने वाले अन्य निकेतनों के विकास हेतु शैक्षिक, प्रशासनिक, आधारभूत संरचना तथा वित्तीय विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शिशु शिक्षा समिति, असम के दस विभागों के विभाग निरीक्षकों ने अपने-अपने विभागों में गत वर्ष संपन्न कार्यक्रमों की समीक्षा प्रस्तुत की तथा आगामी कार्ययोजना का विस्तृत विवरण भी रखा।

सोनापुर कॉलेज संग्रहालय के विकास के लिए आगे आयी गरिमा गर्ग

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। सोनापुर कॉलेज परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज प्रशासन ने गरिमा गर्ग के सोनापुर कॉलेज संग्रहालय में आगमन पर उनके प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया। गरिमा के इस दौरे को लेकर कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शिक्षक वर्ग में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर कॉलेज के पूरे समुदाय ने जुबिन गर्ग ट्रस्ट और कलागुरु आर्टिस्ट फाउंडेशन के प्रति भी अपना हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने सोनापुर कॉलेज संग्रहालय के विकास और इसके संरक्षण के लिए बेहद उदारतापूर्वक अपना सहयोग प्रदान किया है। इस विशेष दौरे के दौरान संग्रहालय की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। कॉलेज प्रशासन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में काम करने वाली इन संस्थाओं का सहयोग कॉलेज की इस धरोहर को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा। कॉलेज अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में जुबीन गर्ग ट्रस्ट और कलागुरु आर्टिस्ट फाउंडेशन के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से इस संग्रहालय का बड़े पैमाने पर विकास किया जाएगा, जिससे यह न केवल शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए बल्कि कला प्रेमियों के लिए भी एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर सके।

साम्राज्यवादी आक्रामक मानसिकता के बजाय वेदवाणी से चले दुनिया: सनातनी प्रमुख

नयी दिल्ली, 6 जून। विश्व शांति सुनिश्चित करने के लिए लोकतंत्र में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए आक्रामक रुख को पूरी तरह मिटाना होगा। हाल ही में ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाये गये कदमों की आलोचना करते हुए देश के एक प्रमुख सनातनी समुदाय के वरिष्ठ धर्मगुरु ने यह विचार व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान की असहज वैश्विक परिस्थितियों के कारण दुनिया भर के आम लोगों को एक असहनीय आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि गत 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले के लिए अमेरिका-इजरायल संयुक्त सैन्य बल को हरी झंडी दी थी, जिसके परिणामस्वरूप मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) के इस टकराव ने वैश्विक व्यापार में खनिज तेल (क्रूड ऑयल) की आपूर्ति के क्षेत्र में एक गंभीर वैश्विक अस्थिरता पैदा कर दी है। जादवपुर स्थित श्री श्री कैवल्यधाम के महाराज कालीपद भट्टाचार्य ने कहा कि मैं ऐसी किसी भी मानसिकता का तीव्र विरोध करता हूं जो आक्रामकता और औपनिवेशिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है। उन्होंने आगे कहा कि जब मानसिकता में आक्रामकता स्थान ले लेती है तो समाज में उसका क्या परिणाम हो सकता है, इसे हाल ही में मध्य पूर्व में अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान के युद्ध के माध्यम से पूरी दुनिया ने हमारे जीवनकाल में एक बार फिर प्रत्यक्ष देखा है। महाराज ने बताया कि यदि आम इंसान भागवत या गीता जैसे पवित्र ग्रंथों की शिक्षाओं के संपर्क में आए, तो वे जीवन में किसी भी आक्रामक दृष्टिकोण और मानसिकता को नियंत्रित करने में सक्षम होंगे। मन को शांत रखने के लिए पवित्र नाम का जाप करना भी अत्यंत सहायक होता है। उनके अनुसार एक आध्यात्मिक गुरु द्वारा निर्देशित उच्च आदर्शों से जुड़े रहना जीवन में बेहद महत्वपूर्ण है। महाराज ने उल्लेख किया कि एक आध्यात्मिक शिक्षक और एक सामान्य शिक्षक के बीच एक सूक्ष्म अंतर होता है। उन्होंने कहा कि एक आध्यात्मिक शिक्षक अपने शिष्य को दिव्य चेतना की ओर ले जाकर एक शांत मन का स्वामी बनने में सहायता करता है।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स :** 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय :** 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा
**प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।*
संपादक : परमेश्वर सिंह

नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

क्रोध, काम और लोभ
ये तीनों आत्मा के शत्रु हैं।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

रविवार, 7 जून, 2026

मौसम
अधिकतम 34°
न्यूनतम 25°

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

मंत्री बरुवा ने मां कामाख्या का लिया आशीर्वाद

कामाख्या कॉरिडोर को लेकर की बैठक

गुवाहाटी, 6 जून (ख. स.)। मंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद आज जयंत मल्ल बरुवा शक्तिपीठ मां कामाख्या धाम पहुंचे और मां की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। मौके पर मंत्री बरुवा ने प्रस्तावित कामाख्या कॉरिडोर को लेकर देवालय प्रबंधन और दलै समाज से चर्चा की। मंत्री बरुवा ने कहा कि प्रस्तावित कामाख्या कॉरिडोर कामाख्या मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाएगा और कामाख्या धाम तथा नीलाचल पहाड़ को विश्व स्तर पर नयी पहचान दिलाएगा। उन्होंने कहा कि कामाख्या मंदिर देश का एक पवित्र धार्मिक स्थल है और दुनिया भर से श्रद्धालु यहां मां के दर्शन कर आशीर्वाद लेने के लिए आये हैं। देश विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को कामाख्या कॉरिडोर के निर्माण होने से और अधिक सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा कामाख्या कॉरिडोर को लेकर प्रतिबद्ध है। यह दुनिया भर के दर्शनार्थियों के लिए एक आकर्षण का केंद्र होगा। आज की इस बैठक में दलै समाज के प्रतिनियों के अलावा स्थानीय निवासी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजद थे। मालूम को ही इस प्रोजेक्ट के लिए 498 करोड़ को राशि निर्धारित की गयी है। इसे काशी विश्वनाथ और महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर बनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सुविधाओं को बेहतर करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। मंदिर के चारों ओर का खुला स्थान 3,000 वर्ग फीट से बढ़ाकर लगभग 1,00,000 (एक लाख) वर्ग फुट किया जाएगा। कॉरिडोर की औसत चौड़ाई 8-10 फीट से बढ़ाकर 27-30 फीट की जाएगी। इसके अलावा केंद्र सरकार ने कामाख्या मंदिर तक पहुंच को और आसान बनाने के लिए कामाख्या रोपवे प्रोजेक्ट (जिसकी लागत 201.52 करोड़ रुपये है) पर भी काम चल रहा है। यह रोपवे कामाख्या रेलवे स्टेशन को सीधे मंदिर परिसर से जोड़ेगा।

वर्तमान सरकार कर रही है पूरे असम का समग्र विकास : शरणीया

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। प्रदेश भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार केवल गुवाहाटी केंद्रित विकास तक सीमित न रहकर राज्य के हर स्तर पर समग्र विकास के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री की इस दूरदर्शी सोच की एक बड़ी झलक डिब्रुगढ़ शहर को लेकर बनायी गयी उनकी नयी कार्ययोजना में देखने को मिली है। अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में पहला बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री ने डिब्रुगढ़ को राज्य की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए भारी-भरकम बजट आवंटित किया है। पार्टी प्रवक्ता मानस शरणीया ने मुख्यमंत्री के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि राजग 3.0 मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में डिब्रुगढ़ को असम की दूसरी राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण डिब्रुगढ़ (एससीआरडीए) के गठन को मंजूरी दे दी गयी है। इस नयी योजना के तहत डिब्रुगढ़ जिले के अंतर्गत राजधानी परिसर को केंद्र मानकर 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्र को कवर किया जाएगा। यहां चल रही मौजूदा विकास परियोजनाओं के अलावा बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए सरकार आगामी 5 वर्षों में कुल 500 करोड़ रुपये का विशेष फंड आवंटित करेगी। प्रवक्ता ने इसे भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री की दूरगामी और प्रगतिशील सोच का परिणाम बताया है। ऐतिहासिक डिब्रुगढ़ शहर को अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से लैस करने का उद्देश्य यह है कि ऊपरी असम के लोगों को अपने सभी प्रशासनिक काम स्थानीय स्तर पर ही मिल सकें। अब तक ऊपरी असम के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों के लिए लंबी दूरी तय कर गुवाहाटी आना पड़ता था, जिससे उनका कीमती समय और पैसा दोनों बर्बाद होते थे। डिब्रुगढ़ के दूसरी राजधानी के रूप में पूरी तरह तैयार हो जाने के बाद क्षेत्र के लोगों के समय और धन दोनों की बड़ी बचत होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा डिब्रुगढ़ के स्थानीय विधायक प्रशांत फुकन को एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने पर पार्टी ने उन्हें बधाई दी है। शरणीया ने बताया कि नवनिर्मित राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रमुख की जिम्मेदारी विधायक प्रशांत फुकन को दी गयी है। राज्य के एक बेहद अनुभवी राजनेता प्रशांत फुकन को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देने और इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी ने मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ विधायक को उचित सम्मान दिया है और यह पूरी तरह तय है कि प्रशांत फुकन के नेतृत्व में डिब्रूगढ़ शहर विकास के एक नये युग में प्रवेश करेगा।

हेरोइन समेत पांच चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। गुप्त सूचना के आधार पर फैंसी बाजार पुलिस चौकी की टीम ने उपनिरीक्षक तरुण चंद्र डेका के नेतृत्व में तीन नंबर रेल गेट इलाके में अभियान चलाया। इस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 37.73 हेरोइन, नशीले टेबलेट, नकद 895 रुपये बरामद किये गये। गिरफ्तार लोगों की पहचान सलेहा बेगम, नसीब अली के रूप में की गयी है। वहीं दूसरी ओर पान बाजार पुलिस ने दो नंबर रेल गेट इलाके में अभियान चलाकर हेरोइन समेत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पकड़े गये व्यक्ति की शिनाख्त माजीरान बेगम के रूप में की गयी है। उसके पास से 19.32 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी। वहीं दूसरी पान बाजार पुलिस ने लखटकिया इलाके में अभियान चलाकर 69.49 ग्राम हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पकड़े गये व्यक्ति की पहचान राशिद अली (29) के रूप में की गयी है। वहीं दूसरी ओर पान बाजार पुलिस ने चार नंबर रेल गेट इलाके में अभियान चलाकर अलिया बेगम नामक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से 52.41 ग्राम हेरोइन और 275 खाली कंटेनर बरामद किये गये।

विधायक गुप्ता ने रवींद्रनाथ टैगोर को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। मध्य गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय विधायक विजय कुमार गुप्ता ने महानगर के पलटन बाजार स्थित ऐतिहासिक बंगाली हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की। यह विशेष समारोह असम भाषा अल्पसंख्यक विकास बोर्ड द्वारा विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर विधायक ने अपनी अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से नयी उम्र के छात्रों में साहित्य, संगीत, संस्कृति और रचनात्मकता के प्रति गहरी जागरूकता जगाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कि वर्तमान समय में वास्तव में एक सराहनीय और आवश्यक पहल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़े रखना आज के समय की मांग है। समारोह के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। विधायक गुप्ता ने इन प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की, उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अंत में कहा कि विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर का मानवीय आदर्शों, कालजयी साहित्य और वैश्विक संस्कृति में दिया गया अद्वितीय योगदान अद्वितीय है, जो आने वाली हर नयी पीढ़ी के लिए हमेशा मार्गदर्शक और प्रेरणा का एक अटूट स्रोत बना रहेगा।

एएससीपीसीआर ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। असम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एएससीपीसीआर) बाल कल्याण और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सेवाओं की निरंतर निगरानी और सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में आयोग की सदस्य रिलंजना तालुकदार ने तकनीकी सलाहकार जयदीप फुकन के साथ मिलकर राज्य के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अभियान के तहत आयोग ने जापोरीगोग आंगनबाड़ी केंद्र और जोनाकी नगर (वीआईपी रोड) आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया था। इसके बाद आयोग की चल रही निगरानी गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए तालुकदार और फुकन ने पंजाबाड़ी आंगनबाड़ी केंद्र का भी दौरा किया। इन दौरों का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी सेवाओं के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा करना, बुनियादी ढांचे व सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन करना और पोषण, स्वास्थ्य व पूर्व-विद्यालय शिक्षा सेवाएं प्रदान कर रहे जमीनी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों से सीधा संवाद करना था। इस दौरान कार्यकर्ताओं को आने वाली चुनौतियों और सेवा वितरण तंत्र को और मजबूत करने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गयी। पंजाबाड़ी आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान आयोग की टीम को वहां का सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा, बाल-अनुकूल वातावरण और बच्चों व माताओं को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयास देखने को मिले, जिससे टीम अत्यंत प्रसन्न हुई। यह केंद्र पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र बाल विकास पर विशेष ध्यान देते हुए प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा था। यह केंद्र इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा कि कैसे प्रतिबद्धता, संसाधनशीलता, रचनात्मकता और समुदाय-उन्मुख सेवा के जरिये बच्चों के विकास के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार किया जा सकता है, जो वहां मौजूद मासूम बच्चों के खिलखिलाते चेहरों पर साफ झलक रहा था। तालुकदार ने कहा कि आंगनबाड़ी में पलने-बढ़ने वाले बच्चे एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की नींव होते हैं, जो खेल, रचनात्मकता और आपसी मेलजोल के माध्यम से जीवन के आवश्यक कौशल सीखते हैं। ये केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक पोषणकारी वातावरण प्रदान करते हैं, जहां उचित पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल बच्चों को स्वस्थ व आत्मविश्वासी बनाने में मदद करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंगनबाड़ी में हर बच्चे को प्यार, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलने चाहिए। आयोग का मानना है कि बच्चों के प्रारंभिक वर्षों में उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के लिए ये केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बाल कल्याण कार्यक्रमों के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से हासिल करने के लिए ऐसी नियमित निगरानी और रचनात्मक सहभागिता बेहद आवश्यक है। इस पूरे दौरे ने बाल-केंद्रित सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से राज्य भर में बच्चों के अधिकारों, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और समग्र विकास को बढ़ावा देने के प्रति एएससीपीसीआर की अटूट प्रतिबद्धता को एक बार फिर से दोहराया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न संगठनों ने आयोजित किया कार्यक्रम

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत व्यापक वृक्षारोपण किया। गुवाहाटी के तेजी से होते शहरीकरण के बीच वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हरित क्षेत्रों का विस्तार बेहद जरूरी हो गया है। इस पहल के माध्यम से जीएमसी का उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जगाना है ताकि आम जनता भी स्वच्छ और स्वस्थ शहर के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शहर के विभिन्न हिस्सों में पौधरोपण अभियान चलाए गये, जो एक हरित और स्वच्छ गुवाहाटी के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इसके तहत स्वच्छ हवा के लिए हरित स्कूल विषय पर स्नेहालय सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स के सहयोग से कालियाराम बरुआ गर्ल्स हाई स्कूल, इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस एमई स्कूल, मालीगांव प्रथम गेट रेलवे स्कूल और एनपीएमई स्कूल पांडु सहित कई शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता सत्र आयोजित किये गये। इस दौरान विभिन्न परिसरों में 300 पौधे लगाये गये और विद्यार्थियों को पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छ हवा, जलवायु परिवर्तन के खतरों तथा एक मजबूत व आपदा-अनुकूल गुवाहाटी के निर्माण में शहरी हरियाली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

शिशु निकेतन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी स्वीकार की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पौधों के महत्व तथा पर्यावरण संतुलन में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गयी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय मे विद्यार्थियों ने अपने विचारों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जल संरक्षण तथा जैव विविधता संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि पर्यावरण केवल प्रकृति का विषय नहीं, बल्कि हमारे जीवन और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में ऐसे छोटे-छोटे कदम उठाएं, जो पर्यावरण संरक्षण में सहायक हों, जैसे जल की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, स्वच्छता बनाये रखना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों से आग्रह करते हुए अपनी-अपनी माताओं के नाम पर एक पौधे या वृक्ष का रोपण करने की सलाह दी। प्रधानाचार्य ने इस वर्ष के पर्यावरण दिवस के खास विषय-वस्तु *प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए,* इस थीम से प्रेरित होकर लोगों में जागरूकता फैलाने की सलाह दी। विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है और अपने सकारात्मक प्रयासों से समाज में सार्थक बदलाव ला सकती है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषणमुक्त बनाये रखने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल सभा गुवाहाटी महिला समिति : अग्रवाल सभा गुवाहाटी महिला समिति ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर *प्रगति ही प्रकृति के विनाश का मूल कारण हैं* विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। दस-दस सदस्यों ने विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचारों को रखा। संयोजिका कंचन केजरीवाल ने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे बच्चों को स्वच्छ वातावरण की एहमियत बताते हुए उन्हें पृथ्वी के संरक्षण के लिए प्रेरित करें तथा जीव-जंतु की परवाह करना जरूर सिखायें। निर्णायक के निर्णय अनुसार पक्ष तथा विपक्ष में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया सीमा सराफ तथा ऋतु अग्रवाल ने।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा द्वारा मालीगांव गौशाला परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये तथा गौशाला में कार्यरत सेवादारों को मिठाइयां वितरित कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं गौशाला के चेयरमेन कैलाश लोहिया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, उपाध्यक्ष विनोद लोहिया, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, गौशाला अध्यक्ष रमेश गोयनका, मंत्री रामस्वरूप जोशी, सलाहकार पीतराम केड़िया, प्रमोद हरलालका, नारायण सिंह नरुका, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सीताराम बियानी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष शंकर बिड़ला ने सभी अतिथियों का पुष्प एवं असमिया गामोछा भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। आज जिस प्रकार जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण एवं प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधरोपण कर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। एक पौधा केवल वृक्ष नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की नींव है। इस अवसर पर सम्मेलन के सम्मानित सदस्य उपाध्यक्ष प्रदीप भुवालका, महेंद्र मित्तल, सूरज सिंघानिया (सचिव), कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप पाटनी, जितेंद्र जैन, राजेश भजनका, प्रभात चांडक एवं संजय सोनी एवं राजेश जालान सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

प्रागज्योतिषपुर लेखिका समाज : प्रागज्योतिषपुर लेखिका समाज ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधे लगाये तथा पर्यावरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं की जानकारी सोनिया भुवालका ने दी। वृक्ष की पुकार तथा मैं वृक्ष हूं विषय पर स्वरचित कविता पाठ मंजू मोदी तथा पूनम अग्रवाल ने किया। पेड़ काटने के नुकसान पर चर्चा किरण बाजोरिया ने की।

प्रातः खबर
रविवार, 7 जून 2026

नलबाड़ी में टीकाकरण दिवस को लेकर जिला आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

नलबाड़ी, 6 जून (ख.सं)। आगामी 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर 5 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान को सफल बनाने के लिए नलबाड़ी के जिला आयुक्त निबेदन दास पटवारी ने संबंधित सभी विभागों से सहयोग की अपील की है। एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह अपील की गयी। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य सलाहकार डॉ. नगेन शर्मा, नलबाड़ी के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. मानव कुमार चौधरी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मनोज काकती, जिला योजना प्रबंधक मीनाक्षी बरपुजारी सहित चिकित्सा अधिकारी, खंड योजना प्रबंधक, महिला एवं बाल

विकास विभाग, जिला परिवहन विभाग, एपीडीसीएल और श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला आयुक्त ने विशेष रूप से ईंट-भट्टों में कार्यरत श्रमिकों के बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए श्रम विभाग को निर्देश दिये। इसके साथ ही विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं के माध्यम से 28 जून को होने वाले पोलियो अभियान के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक को आवश्यक कदम उठाने को कहा ताकि प्रत्येक परिवार के 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंच सके। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने केंद्रों के बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाना सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया। पोलियो वैक्सीन के कोल्ड चेन प्रबंधन को बनाए रखने के लिए एपीडीसीएल को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गये। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य सलाहकार डॉ. नगेन शर्मा ने पूर्व पोलियो अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए 28 जून के अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी।

एसएसबी व कोकराझाड़ पुलिस ने शिकारी को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़, 6 जून (ख.सं)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी और कोकराझाड़ पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत वन्यजीवों के शिकार की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध शिकारी को अवैध देसी हथियार के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसबी की वाह्य सीमा चौकी (बीओपी) नहरानी को एक सटीक खुफिया इनपुट मिला था। सूचना मिली थी कि सरलपाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगुड़ी गांव के वन क्षेत्र में कुछ उपद्रवी अवैध शिकार की फिराक में देसी बंदूक के साथ छिपे हुए हैं। सूचना मिलने के तुरंत बाद नहरानी बीओपी के सहायक कमांडेंट महामृत्युंजय कुमार पाठक के नेतृत्व में एसएसबी की टीम हरकत में

आयी। कोकराझाड़ की डीएसपी मीतुमा बसुमतारी और सरलपारा बीओपी के कंपनी प्रभारी के साथ मिलकर एक संयुक्त नाका सह तलाशी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आमगुड़ी गांव के लक्षित इलाके की घेराबंदी (कॉर्डन) की और सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान रात लगभग 11.27 बजे सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देसी निर्मित हथियार बरामद हुआ। सुरक्षा बलों ने हथियार को जब्त कर आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। पकड़े गये आरोपी की शिनाख्त लखीराम मुर्मू के रूप में की गयी।

पावर टिलर की तस्करी करने वाले गिरोह का मुख्य सरगना गिरफ्तार

हैलाकांदी, 6 जून (ख.सं)। किसानों के लिए केंद्र सरकार की अनुदान आधारित योजना के अंतर्गत आवंटित पावर टिलरों को अवैध रूप से एकत्र कर बेचने वाले एक गिरोह के मुख्य सरगना को हैलाकांदी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चलाये गये एक विशेष अभियान में आरोपी नुरुल इस्लाम लस्कर को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से सरकारी अनुदान प्राप्त चार पावर टिलर भी बरामद किये गये। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार नुरुल इस्लाम लस्कर लाला थाना क्षेत्र के दीनानाथपुर पार्ट- का निवासी है। आरोप है कि वह लंबे समय से किसानों के नाम पर आवंटित सरकारी अनुदान प्राप्त पावर टिलरों को एकत्र कर अवैध रूप से अन्य स्थानों पर बेचने के कारोबार में संलिप्त था। जानकारी के अनुसार हैलाकांदी थाने में दर्ज मामला संख्या / की जांच के दौरान पुलिस को इस गिरोह के बारे में सुराग मिला। जांच की प्रगति के आधार पर नुरुल इस्लाम लस्कर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी, जिसमें कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आयी। उसके द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से चार पावर टिलर बरामद किये। पुलिस का कहना है कि बरामद किये गये पावर टिलर कृषि विभाग के माध्यम से वास्तविक किसानों एवं लाभार्थियों के नाम पर केंद्र सरकार की कृषि यंत्रीकरण उपमिशन योजना के तहत अनुदानित दरों पर आवंटित किये गये थे।

दो दिवसीय तेजपुर लीची महोत्सव का शुभारंभ

तेजपुर, 6 जून (ख.सं)। तेजपुर जिला पुस्तकालय और उसके सामने वाले पार्क में आयोजित दो दिवसीय तेजपुर लीची महोत्सव -2026 का शुभारंभ आज हुआ। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन सत्र में शोणितपुर के सांसद रंजीत कुमार दत्त और तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा को मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथि के रूप मे मंचासीन कराया गया। उनके साथ ही जिला आयुक्त आनंद कुमार दास, तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरेंद्र दास, होर्टिकल्चर डायरेक्टर निपेन दास, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक विश्वाजीत पॉल, अपेडा के संदीप पाल, नगरपालिका अध्यक्ष रमेन तामुली आदि को भी मंचासीन कराकर फूलाम गामोछा से स्वागत किया गया। सभा के प्रारंभ में जिला आयुक्त

आनंद कुमार दास ने वहां उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस बार करीब 400 हैक्टर मे 12 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का व्यवसाय हुआ। पहले भी तेजपुर लीची का लंदन निर्यात किया गया था, जहां उसके रसभरे स्वाद को काफी पसंद किया गया। अब कल-परसों मे तेजपुर लीची का थाईलैंड के लिए निर्यात किया जायेगा। तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा ने तेजपुर लीची की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए इसके उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर डाला। उन्होंने हर घर लीची नामक योजना की घोषणा करते हुए बताया कि इस योजना के तहत 10,000 घरों में ये उन्नत किस्म के दो पौधे यानी 20,000 लीची के पौधे दिये जायेंगे, जिन पर करीब 52 लाख रूपये खर्च किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि तेजपुर में कोलाबाड़ी में उन्नत किस्म की लीची के एक पेड़ की कीमत करीब 2 लाख रुपये से भी ज्यादा है। शोणितपुर के सांसद रंजीत कुमार दत्त ने भी मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए लीची की खेती के विकास को ध्यान में रखकर हम कृषकों की आय में वृद्धि करकर उनके जीवन में खुशहाली ला सकते हैं। उन्होंने कृषि एवं बागवानी अधिकारियों को लीची के उत्पादन मे वृद्धि लाने के लिए लीची उत्पादकों के साथ हर सम्भव सहयोग करने की अपील की। सभा में 10 लीची उत्पादकों को सम्मानित किया गया।

नौ फीट लंबे अजगर को देखकर सनसनी वन विभाग को सौंपा

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। शिशुबीतान स्कूल के पास के इलाके में एक पेड़ से लगभग 9 फीट लंबे एक विशाल बर्मी अजगर को बचाया गया, जिससे काफी सनसनी फैल गयी। हालांकि स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गयी, लेकिन अजगर को सांप बचाव दल ने सुरक्षित रूप से बचा लिया और वन विभाग को सौंप दिया। पता चला है कि आज सुबह, सांपों को बचाने वाले त्रिकाल चक्रवर्ती को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि स्कूल के पास एक पेड़ की शाखा पर एक विशालकाय अजगर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही वह और उनकी टीम तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने सबसे पहले इलाके की सुरक्षा पर विचार किया।

श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर की नयी कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद समिति के नये अध्यक्ष हरिराम क्याल की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की पहली महत्वपूर्ण बैठक मंदिर प्रांगण में आयोजित की गयी। बैठक के शुरुआती चरण में सचिव मुकेश सिकरिया द्वारा सभा के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया, जिसके बाद पुरानी समिति ने पूरी पारदर्शिता के साथ जरूरी दस्तावेज़ और प्रभार नयी समिति को हस्तांतरित किये। इस दौरान अध्यक्ष हरिराम क्याल ने उपस्थित सभी लोगों से कार्यकारिणी के नए सदस्यों का परिचय करवाया। बैठक में समिति की मजबूती और कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए इसका विस्तार भी किया गया

नगांव में वरिष्ठ पत्रकार की हिंदी पुस्तक का लोकार्पण

नगांव, 6 जून (ख.सं)। नगांव जिला साहित्य सभा के तत्वावधान में नगांव जिला साहित्य सभा के कमलादेवी तोदी भवन में वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि अजय महतो की हिंदी पुस्तक विधवा विवाह अभिशाप नहीं वरदान का लोकार्पण किया गया। पुस्तक का लोकार्पण करते हुए नगांव जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. शरत बरकटकी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम भाषाई सह-अस्तित्व और समन्वय का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह सृजनात्मक और जनोन्मुखी साहित्यिक आंदोलन का भी एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि साहित्य की कोई भाषाई सीमा नहीं होती। असम साहित्य सभा के बारे में उल्लेख करते हुए डॉ. बरकटकी ने कहा कि साहित्य सभा का मुख्य उद्देश्य असमिया भाषा और साहित्य का विकास करना है। साथ ही यह संस्था व्यापक साहित्य

और संस्कृति के लिए भी एक मंच के रूप में कार्य कर रही है। भारत एक बहुभाषी देश है इसलिए अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का सम्मान करना सांस्कृतिक उदारता का परिचायक है।उन्होंने कहा कि साहित्य मूल रूप से मानवीय भावनाओं, विचारों और ज्ञान का वाहक है। भाषा भिन्न होने के बावजूद साहित्य के मूल्य सार्वभौमिक होते हैं। साहित्य सभा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में भी अपनी भूमिका निभा रही है। हिंदी भारत की प्रमुख संपर्क भाषाओं में से एक है। हिंदी और असमिया के बीच साहित्यिक आदान-प्रदान बढ़ने से अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने आगे कहा कि असमिया साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए अन्य भाषाओं के साहित्यकारों के साथ संबंध स्थापित करना आवश्यक है। इससे असमिया साहित्य को देशभर में अधिक पहचान और प्रसार मिलने का अवसर मिलेगा। जिला साहित्य सभा ने अतीत से ही विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और चिंतकों का स्वागत किया है और यह उसी उदार परंपरा का हिस्सा है। डॉ. बरकटकी ने कहा कि हिंदी भाषा की पुस्तक का लोकार्पण भाषाओं और साहित्य के बीच एक सेतु बनाने का अवसर है। उन्होंने 1960 के दशक में नगांव में विधवा विवाह को बढ़ावा देने वाले स्वर्गीय झुमरमल खेतावत का भी उल्लेख किया।सभा का संचालन जिला साहित्य सभा के सचिव राजीव कुमार हजारिका ने किया। लेखक अजय महतो ने अपने विचार और अनुभव व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कनक हजारिका तथा नगांव प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेन बरकटकी ने भी संबोधन दिया।कार्यक्रम में जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष थगित महंत, समाजसेवी शावरमल खेतावत, संजय गाड़ोदिया, शिक्षा अधिकारी श्रुतिमाला गायन, नगांव केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अपूर्व कुमार दास, नगांव मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष प्रमोद कोठारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिलचर में एक सौ किलो गांजा समेत दो बंदी

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने आज 37 नंबर राजमार्ग पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक इलेक्ट्रिक ऑटो को रोका गया, जिसमें 100 किलो गांजा बरामद किया गया। इसके पास से 2 मोबाइल बरामद किये गये।

निचले असम में विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न संगठनों का पौधरोपण अभियान

रंगिया, 6 जून (ख.सं)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर रंगिया आंचलिक छात्र संघ (आसू) द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संगठन के कार्यकर्ताओं ने रंगिया और इसके आस-पास के इलाकों में कुल 500 पौधे लगाये। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह रंगिया आंचलिक छात्र संघ के शहीद भवन परिसर में कार्यकर्ताओं द्वारा पौधे लगाने के साथ हुई। इसके बाद अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के महासचिव तौफीकुर रहमान ने मुख्य वृक्षारोपण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। आसू कार्यकर्ताओं ने रंगिया के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर पौधे रोपे। इनमें मुख्य रूप से रंगिया कॉलेज, मानवेंद्र शर्मा गर्ल्स कॉलेज, रंगिया गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल, आरिमत्त विद्यापीठ हाई स्कूल, रंगिया टाउन हायर सेकेंडरी स्कूल, रंगिया पुलिस स्टेशन और रंगिया शिव मंदिर परिसर शामिल हैं। इसके अलावा रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अंतर्गत आने वाली विभिन्न शाखाओं में भी यह अभियान चलाया गया। इस पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अध्यक्ष पिंटू डेका और कार्यवाहक संपादक रिदुल कुमार नाथ ने किया। संगठन के पदाधिकारियों ने इस मौके पर लोगों से न केवल पौधे लगाने, बल्कि उनकी सही देखरेख करने का भी आह्वान किया। वहीं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय अभियान चलाया गया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट (कचरे से कंचन) नामक इस विशेष मुहिम के तहत शाखा की महिला सदस्यों ने घर में बेकार पड़ी

और फेंकी जाने वाली प्लास्टिक व कांच की बोतलों का इस्तेमाल कर कई बेहतरीन और बेहद खूबसूरत कलाकृतियां बनायी। इस रचनात्मक गतिविधि के अंतर्गत महिलाओं ने बेकार बोतलों को सुंदर *पॉट* (पौधे लगाने के गमले और शो-पीस) का रूप दिया, ताकि उन्हें कचरे में फेंकने के बजाय दोबारा उपयोग में लाया जा सके। सदस्यों ने अपनी कला और सूझबूझ से कबाड़ हो चुकीं इन बोतलों को नया और आकर्षक लुक दिया। शाखा की अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल ने इस अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य सिंगल-यूज और बेकार कचरे को दोबारा इस्तेमाल के योग्य बनाना है। अगर हम सभी मिलकर अपने घरों से निकलने वाले इस तरह के कचरे को रीसायकल करना शुरू कर दें, तो बढ़ते प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वहीं संस्था की सचिव संगीता सिकरिया ने सभी सदस्यों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम ही भविष्य में बड़े बदलाव का जरिया बनते हैं। वहीं दूसरी ओर रंगिया की रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के तत्वावधान में स्वयंसेवी संस्था *परमार्थ* और विद्याज्योति शिशु निकेतन के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस और बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए समर्पित विशेष *कुंही* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तोरोनी स्थित निकेतन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शुक्लेश्वर कलिता, कामरूप जिला साहित्य सभा के कोषाध्यक्ष दिलीप ठाकुरिया और विद्याज्योति शिशु निकेतन के प्रधानाध्यापक भास्कर कलिता द्वारा पौधरोपण के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश चंद्र कलिता ने दीप प्रज्ज्वलित कर असम के महान मनीषियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला, कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा, सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका और लोकप्रिय कलाकार जुबिन गर्ग की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित किये गये। इस मौके पर रूपही रंगिया के अध्यक्ष अरूप दास, रनदिया (शतदल) साहित्य सभा पूर्व सचिव उज्जवल डेका, उपाध्यक्ष सविता बर्मन मजुमदार और आजीवन सदस्या रीना कलिता महंत उपस्थित रही। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कुंही कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता हिरण्य चौधरी ने किया। कामरूप जिला साहित्य सभा की युवा संसद के संयोजक हेमंत कलिता के संचालन और पंकज पल्लव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम *रंगमेला* में 50 से अधिक बाल कलाकारों ने गीत, नृत्य, कविता पाठ और अभिनय के जरिये पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इससे पहले 31 मई को इसी उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी इस

मंच पर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के क वर्ग (कक्षा 5 तक) में ईशा शालै, रिमली डेका, कंकन दास और श्लोक वैद्यऋषि कलिता तथा ख वर्ग (कक्षा 5 से 8) में वृष्टि कलिता, महबूब अख्तर, सिया कलिता और हियाश्री कलिता ने पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कामरूप जिला साहित्य सभा के प्रभारी अध्यक्ष रमेश चंद्र मेधी, सचिव रजनी शालै, सहायक सचिव व पत्रकार तरणी चरण कलिता, सिमबायोसिस एकादमी की अध्यक्षा अशोका दत्ता, रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल (क) के अध्यक्ष जावेद जमान, अखिल असम कवि मंच के प्रधान सचिव जीतू कांचन, सेवानिवृत्त सह खंड विकास अधिकारी चंपावती दास, रनदिया की पत्रिका के संपादक तथा पत्रकार फारुख हुसैन, महेंद्र कलिता सहित कई गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। अंत में कामरूप जिला साहित्य सभा की कुंही उप-समिति की कार्यकारी अध्यक्ष भानु चौधरी ठाकुरिया, संयोजक कमल नारायण वैश्य, रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के सचिव मुस्तफा कमल अहमद और विद्याज्योति शिशु निकेतन के प्रधान शिक्षक भास्कर कलिता ने सहित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। असम के जातीय संगीत के साथ इस भव्य कार्यक्रम का समापन हुआ।

तेजपुर से हमारे संवाददाता के अनुसार पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ के संकल्प के साथ मारवाड़ी युवा मंच, तेजपुर जागृति शाखा ने विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक रूप से मनाया। इस पावन अवसर पर शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। घोड़ामारी स्थित महर्षि धर्मचंददेव गौशाला के प्रांगण में शाखा की अध्यक्ष रजनी डागा के नेतृत्व में 51 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस पुनीत कार्य में शाखा की पूर्व अध्यक्ष शर्मिला लोहिया, कार्यक्रम संयोजिका शीतल सराफ, कार्यकारिणी सदस्य अमिता गुप्ता एवं शाखा सचिव मिनिता शर्मा ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी पदाधिकारियों ने स्वयं अपने हाथों से पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रजनी डागा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान है। आज लगाये गये ये 51 पौधे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और शीतल छाया प्रदान करेंगे। सभी सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल करने एवं उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबका नैतिक दायित्व है। शाखा ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने जन्मदिन, वर्षगांठ जैसे शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएं और धरती माता को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दें। मारवाड़ी युवा मंच, तेजपुर जागृति शाखा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के अपने पांच सूत्रों पर चलते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी।

विश्वनाथ से हमारे संवाददाता के अनुसार

समग्र राज्य के साथ विश्वनाथ चारिआली शहर के बौ बाजार में स्थित कालि मंदिर के प्रांगण में नेताजी शाखा गांवरक्षा वाहिनी और ओम बजरंग वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संध्या 4 बजे से हुई, जिसमें सर्वप्रथम एक मूल सभा का आयोजन किया गया। नेताजी शाखा के स्वयंसेवक संतोष कुमार महतो के नेतृत्व में संचालित सभा की अध्यक्षता प्रचारक कार्तिक गढ़ ने की। इसके बाद मुख्य अतिथि डाइट, विश्वनाथ के सेवानिवृत्त अध्यक्षा सरला देवी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेविका समिति के तेजपुर विभाग के शांता बरठाकुर, सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास, शिक्षक अभीजीत चौधरी, समाजसेवी जया शर्मा, सुष्मिता हजारिका, शताब्दी राय को मंचासीन करवाया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उपस्थित अतिथियों को फूलाम गामोछा तथा एक पेड़ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभा की उद्देश्य व्याख्या विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास ने की। सभा में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजित किया गया। दो शाखा में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं से बारहवीं के विद्यार्थी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि सरला देवी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सारगर्भित व्याख्यान दिया और आगामी दिनों में पर्यावरण को किस तरह विनिष्ट होने से बचाएं, इस पर नागरिक का सजगता पर विचार रखी। विशिष्ट अतिथि शांता बरठाकुर ने भी पर्यावरण पर विचार रखते हुए जलवायु परिवर्तन और जल संरक्षण पर व्याख्यान दी। इसके बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रत्येक शाखा के विजयी दल प्रथम, दूसरा और तीसरा को प्रशस्ति पत्र, एक पेड़, पुस्तक, कलम और भारत माता का फोटो फ्रेम सहित पुरस्कृत किया गया।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई : तीन अपराधी गिरफ्तार

इंफाल, 6 जून (एजें)। सुरक्षा बलों और मणिपुर पुलिस ने राज्य में 4 और 5 जून को चलाए गए अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल की है। प्रतिबंधित संगठनों के दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं तंबाकू उत्पादों की तस्करी कर रहे एक युवक को भी धर दबोचा गया है। तीनों मामलों में जांच जारी है। 5 जून को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सक्रिय सदस्य हुइद्रोम बॉयबॉय सिंह (28) को गिरफ्तार किया। वह हियांगलाम थाने के वाबगाई थिंगेल लेईकाई का रहने वाला है। अधिकारियों के मुताबिक वह हथियारों की तस्करी और अलग-अलग इलाकों में संगठन के बैनर, झंडे और स्टार लगाने में शामिल था। उसके पास से कई आपत्तिजनक सामान बरामद हुए हैं। 5 जून को ही दूसरे ऑपरेशन में इंफाल पश्चिम जिले से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफए) के सक्रिय कैडर थंगजम दिया सिंह उर्फ मनिमातुम (26) को पकड़ा गया। वह लमसांग मखा लेईकाई का निवासी है। गिरफ्तारी के दौरान उससे भी आपत्तिजनक सामान जब्त किया गया। 4 जून को मणिपुर पुलिस ने थोउबल जिले के लिलोंग उकु निवासी मो. अजमल खान (26) को गिरफ्तार किया। उसे काकचिंग जिले के पलेल थाने के अंतर्गत पलेल-चंदेल रोड पर पायनियर स्कूल के पास रोका गया। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही सुपर कैरी गाड़ी सहित तंबाकू उत्पाद जब्त किए हैं।सुरक्षा एजेंसियां गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर इनके नेटवर्क और अन्य साथियों का पता लगा रही हैं।

पूर्वोत्तर के लिए एकीकृत पर्यटन नीति की वकालत

शिलांग, 6 जून (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठों राज्यों के लिए एकीकृत पर्यटन रणनीति अपनाने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों के बजाय पूरे पूर्वोत्तर को एक साझा पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रचारित किया जाना चाहिए, जिससे क्षेत्र में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ सके। यह प्रस्ताव 4 जून को शिलांग में आयोजित नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (एनईसी) की 73वीं पूर्ण बैठक में रखा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और केंद्रीय अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नॉर्थ ईस्ट विजन प्लान 2047 पर चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र को आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक प्रगति का केंद्र बनाना है। पर्यटन, बुनियादी ढांचा, कृषि, निवेश, खेल और हस्तशिल्प जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। संगमा ने कहा कि राज्यों के बीच समन्वित पर्यटन सर्किट विकसित करने से पर्यटकों को कई राज्यों की यात्रा का अवसर मिलेगा और पूरे क्षेत्र को लाभ होगा।

लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै को अर्पित की गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। असम को नयी दिशा देने वाले दूरदर्शी नेता, भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की जयंती पर गुवाहाटी हवाई अड्डे ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विशेष अवसर पर हवाई अड्डे के परिसर में पुष्पांजलि अर्पित की गयी, पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया गया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों का वितरण भी किया गया। यह आयोजन असम की समृद्ध विरासत के साथ हवाई अड्डे के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। साथ ही यह उस महान नेता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिनके नाम पर इस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम रखा गया है। मालूम हो कि केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने असम के आधुनिक निर्माता और स्वतंत्र भारत में राज्य के पहले मुख्यमंत्री, भारत रत्न गोपीनाथ बरदलै की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस अवसर पर उन्होंने जनसेवा के प्रति समर्पित और असम के लोगों के अधिकारों, संस्कृति व हितों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले लोकप्रिय बरदलै को एक दूरदर्शी नेता के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि देश के विभाजन के समय बरदलै ने असम को पूर्वी पाकिस्तान में मिलाने की एक बड़ी साजिश के खिलाफ ढाल बनकर कड़ा रुख अपनाया था, जिससे न केवल भारत की भौगोलिक अखंडता की रक्षा हुई, बल्कि असम की पहचान और अस्तित्व भी सुरक्षित रहा। देश के प्रति उनका अद्वितीय प्रेम, अनुकरणीय देशभक्ति और अटूट सेवा भाव आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के आधुनिक निर्माता, भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व हमारे इतिहास के एक बेहद निर्णायक मोड़ पर सामने आया था। उन्होंने अपने अदम्य साहस और दूरदर्शी सोच के बल पर न केवल असम के हितों की रक्षा की, बल्कि यह सुनिश्चित करने में भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि असम भारत का एक अभिन्न अंग बना रहे। देश और राज्य के प्रति उनका यह महान योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। प्रदेश कांग्रेस ने भी असम के पहले मुख्यमंत्री भारत रत्न लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस मौके पर पार्टी की ओर से उन्हें आधुनिक असम के निर्माता के रूप में याद किया गया। पार्टी ने कहा कि बरदलै ने राज्य की अनूठी पहचान की रक्षा करने, समाज में आपसी सद्भाव व भाईचारे को बढ़ावा देने और राष्ट्र को मजबूती प्रदान करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। असम की अस्मिता की रक्षा और देश के निर्माण में उनका यह महान योगदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

दापोरिजो में स्वच्छ सेवा-सह-पौधरोपण अभियान का आयोजन

इटानगर, 7 जून (एजें)। आगामी ड्री महोत्सव 2026 के उपलक्ष में अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले की अपातानी कल्याण समिति (एवीसी) के तत्वावधान में आज सुबह दापोरिजो के जारिंग ग्राउंड से सटे राजमार्ग क्षेत्र में एक साफसपाई -सह-वृक्षारोपण अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था स्वच्छ दापोरिजो, हरा-भरा दापोरिजो और इसमें अपातानी समुदाय के सदस्यों और विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में तागिन सांस्कृतिक सोसायटी (टीसीएस) के अध्यक्ष लार्जी रिगिया दुकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का नेतृत्व ऊपरी सुबनसिरी जिले के उपायुक्त ने किया। कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों ने भी वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। जिले में रहने वाले अपतानी समुदाय के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित अपतानी कल्याण समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में इस पहल का समर्थन किया। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया और निर्धारित क्षेत्र में ताड़ के पौधे लगाए, जिससे दापोरिजो कस्बे के सौंदर्यीकरण और हरियाली में योगदान मिला। इस अवसर पर बोलते हुए, गणमान्य व्यक्तियों ने पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और सतत विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सामुदायिक सद्भाव और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हुए पारिस्थितिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। वृक्षारोपण अभियान ड्री महोत्सव 2026 की व्यापक तैयारियों का हिस्सा है, जो प्रकृति के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित पर्यावरण बनाने के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संबंधी पहलों का समर्थन जारी रखने और दापोरिजो को एक आदर्श हरित कस्बा बनाने की दिशा में मिलकर काम करने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

धार्मिक संरचनाओं पर एक समान कार्रवाई की मांग

इटानगर, 7 जून (एजें)। अखिल अरुणाचल प्रदेश मस्जिद कल्याण समिति (एएपीएमडब्ल्यूसी) ने राज्य सरकार से राजधानी इटानगर क्षेत्र की उन सभी मस्जिदों को खोलने की मांग की है, जिन्हें हाल ही में इटानगर जिला प्रशासन द्वारा सील कर दिया गया था, या फिर सभी धार्मिक संरचनाओं, जिनमें मंडी और गिरजाघर को भी सील करने की मांग की है। अरुणाचल प्रेस क्लब में आज मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए एएपीएमडब्ल्यूसी की प्रवक्ता जिया लिम्पेह सुल्तान ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के मुस्लिम समुदाय के साथ अन्याय हो रहा है, क्योंकि राज्य सरकार और राजधानी जिला प्रशासन मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहे हैं।

योग शिविर का गौरवशाली 5वें वर्ष में प्रवेश

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के तत्वावधान में हिंदुस्तानी केंद्रीय विद्यालय, भंगागढ़ में संचालित योग शिविर ने समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में अपने सफल चार वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस गौरवपूर्ण अवसर पर आज एक विशेष योग सत्र एवं उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके साथ शिविर ने अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश किया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के मुख्यालय उपाध्यक्ष विनोद लोहिया, मंडलीय सहायक मंत्री निरंजन सिकरिया तथा कामरूप शाखा के अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सरिता लोहिया, उपाध्यक्ष संजय खेतान एवं कोषाध्यक्ष संजय घीडीया की उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित योग साधकों एवं अतिथियों ने शिविर की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे साधकों की निरंतर साधना, अनुशासन और अटूट इच्छाशक्ति का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में यह योग शिविर न केवल स्वास्थ्य संवर्धन का माध्यम बना है बल्कि समाज में सकारात्मक जीवनशैली और योग के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के दौरान योग एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शंकर बील, कृष्णा देब एवं उनकी धर्मपत्नी, सुब्रत मुखर्जी, ताराचंद ठोलिया तथा विनीता ओसवाल को पारंपरिक असमिया गामोछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। शाखा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने आयोजन की सफलता के लिए सभी योग साधकों, पदाधिकारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से बनवारी लाल मूंधड़ा, सुरेश अग्रवाल, जतिन हजारिका, रिंकी काकती, पिंकी घीडीया, श्रीकांत बंका, विदित बर्मन, दीपा बर्मन, ललित मिन्डा, छोटूराम कुमावत, अनिमा राजवंशी, संतोष मुंदरा, संजय अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, कामाख्या प्रसाद शर्मा, सीमा काकटी एवं पीएन आचार्य के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग शिविर का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन के माध्यम से स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करना भी है। शिविर के पांचवें वर्ष में प्रवेश के साथ इस अभियान को और व्यापक रूप देने का संकल्प लिया गया है। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ समाज, निरोग जीवन और योगमय भारत के संकल्प के साथ हुआ।

पर्यटन को बढ़ावा : मेघालय ने पेश की 2100 करोड़ की परियोजनाएं

शिलांग, 6 जून (एजें)। मेघालय सरकार ने देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन क्षेत्र में 2,100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश और नई परियोजनाओं की जानकारी राष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों के सामने रखी। राज्य पर्यटन विभाग और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के संयुक्त तत्वावधान में शिलांग में आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई। पर्यटन मंत्री टिमोथी डी. शिरा ने बताया कि उमियम सर्किट के लिए 683 करोड़ रुपये, सोहरा सर्किट के लिए 673 करोड़ रुपये, न्यू शिलांग सर्किट के लिए 538 करोड़ रुपये और तुरा सर्किट के लिए 244 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इसके अलावा गारो हिल्स क्षेत्र में भी कई पर्यटन परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों में पर्यटन कारोबार से जुड़े हितधारकों को 3.62 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है। वहीं स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी उत्सवों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पर्यटन आयुक्त एवं सचिव विजय कुमार डी. ने बताया कि राज्य सरकार ग्रामीण होमस्टे के लिए 70 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। साथ ही आतिथ्य क्षेत्र के विस्तार के तहत अगले पांच वर्षों में 10 फाइव-स्टार होटलों का लक्ष्य रखा गया है।

अरुणाचल भाजपा अध्यक्ष कलिंग मोयांग ने ताई टागक को सौंपा रास का टिकट

इटानगर, 6 जून (एजें)। अरुणाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कलिंग मोयांग ने 6 जून को राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार ताई टागक को पार्टी का नामांकन टिकट औपचारिक रूप से सौंपा। मोयांग ने टागक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे एक निष्ठावान और समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं जिन्होंने अरुणाचल प्रदेश में भाजपा को मजबूत करने के लिए दशकों तक सेवा दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी के विजन में टागक का अटूट विश्वास, कठिन समय में धैर्य और जमीनी स्तर पर अथक प्रयासों ने उन्हें राज्यसभा में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिलाया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि टागक संसद के उच्च सदन में अरुणाचल प्रदेश के लोगों की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के विकास और आकांक्षाओं से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएंगे।ताई टागक राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए भाजपा के उम्मीदवार हैं। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके संसद में अरुणाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद है।

अरुणाचल प्रदेश में सभी धार्मिक संस्थानों की समान जांच की मांग

इटानगर, 6 जून (एजें)। ऑल अरुणाचल प्रदेश मस्जिद वेलफेयर कमेटी (एएपीएमडब्ल्यूसी) ने ईटानगर कैपिटल रीजन (आईसीआर) प्रशासन से धार्मिक संस्थानों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई में समानता और पारदर्शिता बरतने की मांग की है। समिति ने हाल ही में सील की गई एक मस्जिद को दोबारा खोलने की भी अपील की है। शनिवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में समिति के सदस्य गियाह लिम्पेह सुल्तान ने कहा कि यदि प्रशासन मस्जिदों और अन्य इस्लामिक धार्मिक स्थलों के दस्तावेजों और वैधता की जांच कर रहा है, तो मंदिरों, चर्चों, गुरुद्वारों, नामघरों तथा अन्य धार्मिक संस्थानों की भी समान रूप से जांच की जानी चाहिए। समिति ने दावा किया कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न समुदायों के कुछ धार्मिक संस्थान भी आवश्यक स्वीकृतियों और दस्तावेजों के बिना संचालित हो सकते हैं। समिति ने प्रशासन से पूरे आईसीआर क्षेत्र में सभी धार्मिक संस्थानों का व्यापक सर्वेक्षण कर कानूनी स्थिति की जांच करने की मांग की। एएपीएमडब्ल्यूसी ने यह भी कहा कि किसी भी संस्थान के खिलाफ कार्रवाई कानून के तहत एक समान और निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए, न कि किसी धर्म या समुदाय के आधार पर। समिति ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत को बनाए रखने की अपील की है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में त्रिपुरा का शानदार प्रदर्शन

अगरतला, 6 जून (एजें)। राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतिष्ठित पंचायत पुरस्कार जीतकर त्रिपुरा ने एक बार फिर अपनी मजबूत स्थानीय स्वशासन व्यवस्था का परिचय दिया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री माणिक साहा ने पुरस्कार विजेता पंचायत संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह सम्मान पंचायतों की मेहनत, जनभागीदारी और विकासोन्मुखी कार्यों का परिणाम है। इस वर्ष सेपाहीजाला जिला परिषद को देश की सर्वश्रेष्ठ जिला पंचायत का पुरस्कार मिला है, जबकि कंचनबाड़ी पंचायत को सर्वश्रेष्ठ स्वस्थ पंचायत और बैकुंठपुर पंचायत को संयुक्त रूप से तीसरी सर्वश्रेष्ठ महिला-अनुकूल पंचायत का सम्मान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि त्रिपुरा में स्थानीय स्वशासन, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में हो रही प्रगति को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सफलता राज्य के 'एक त्रिपुरा, श्रेष्ठ त्रिपुरा, विकसित त्रिपुरा' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से इसी समर्पण के साथ काम जारी रखने का आह्वान किया, ताकि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

रंगचांग भीर में चट्टान गिरने से एक की मौत

गंगटोक, 6 जून (एजें)। शनिवार सुबह दीकचू-सिंगताम रोड पर रंगचांग भीर के पास पहाड़ी से चट्टानें गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सड़क के ऊपर पहाड़ी से अचानक बड़ी चट्टानें गिर गईं और नीचे से गुजर रहे व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गई।मानसून से पहले पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड और चट्टान गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि पहाड़ी रास्तों पर सफर करते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और सड़क पर गिरे मलबे को हटाने का काम जारी है।

एक माह के वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर असम सेवा समिति और पेनासिया द विलेज के संयुक्त तत्वावधान में आज सोनापुर में एक माह लंबे वृक्षारोपण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। असम की सबसे पुरानी और अग्रणी गैर-सरकारी संस्थाओं में से एक असम सेवा समिति द्वारा सोनापुर उपखंड के अंतर्गत टेपेसिया, मोरंगाबाड़ी, कलिताकुची, योगदल और एराबारी गांवों में यह हरित अभियान चलाया जाएगा। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य नारा है पेड़ लगाइये, प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण जीवन बिताइये। आज आयोजित उद्घाटन समारोह म समिति की अध्यक्ष डॉ. हेमप्रभा सैकिया, उपाध्यक्ष देवव्रत सैकिया, कार्यकारी सदस्य रमन झा और सुमन कल्याण बोरा उपस्थित रहे। इसके अलावा पेनासिया द विलेज के स्वामित्व पक्ष के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के प्राकृतिक पर्यावरण को और अधिक हरित एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से इन पांच गांवों की सड़कों के किनारे कुल 300 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा का शुभारंभ

गुवाहाटी, 6 जून (ख.सं.)। श्री राम सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आज से नौ दिवसीय संगीतमय श्री राम कथा का शुभारंभ हुआ। फैंसी बाजार के एसआरसीबी रोड स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में आज से शुरू हुए इस धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य कथा वाचक के रूप में योगी निवृत्तिनाथ कृष्णा व्यासपीठ पर विराजमान थे। कथा के पहले दिन महाराज ने श्री राम कथा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान यजमान बलराम-अनुराधा चौधरी द्वारा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना की गयी। इससे पूर्व आज सुबह भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जो फैंसी बाजार के साधना मंदिर प्रांगण से होकर आयोजन स्थल पहुंची। इस दौरान योगी निवृत्तिनाथ कृष्णा की उपस्थिति में यजमान बलराम-अनुराधा चौधरी द्वारा रामायण ग्रंथ की पूजा-अर्चना की गयी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान समूचा वातावरण जय सीयाराम के जयकारों के साथ गुंजायमान हो उठे। कथा का आयोजन रोजाना दोपहर 2.30 से शाम 6.30 बजे तक किया जाएगा।

पूसीरे ने टिकट जांच राजस्व में नया कीर्तिमान किया स्थापित

गुवाहाटी, 7 जून (ख.सं)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी की टिकट जांच अनुभाग ने मई, 2026 के दौरान 2.08 करोड़ रुपये से अधिक का अभूतपूर्व राजस्व अर्जित कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह पूसीरे के किसी भी अनुभाग द्वारा प्राप्त अब तक का सर्वाधिक मासिक टिकट जांच राजस्व है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि टिकट जांच कर्मचारियों के असाधारण समर्पण, प्रोफेशनलिज्म तथा टिकट नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, बेटिकट यात्रा को रोकने और रेल राजस्व की सुरक्षा हेतु किए गए उनके निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। यह सफलता एनएफआर द्वारा अपनाई गई परिचालन उत्कृष्टता तथा प्रभावी राजस्व संरक्षण पहलों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि यह रिकॉर्ड प्रदर्शन न्यू जलपाईगुड़ी के टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा निरंतर चलाए गए टिकट जांच अभियानों, सावधानीपूर्वक प्रवर्तन गतिविधियों तथा समन्वित टीमवर्क के माध्यम से हासिल किया गया है। माह के दौरान इस अनुभाग ने प्रतिदिन औसतन करीब 6.54 लाख से अधिक की प्रभावशाली आय अर्जित की, जबकि 09 मई को एक ही दिन में लगभग 9.65 लाख से अधिक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया गया। न्यू जलपाईगुड़ी/टीटीई लॉबी में कार्यरत समर्पित कर्मचारियों के सहयोग से प्राप्त यह उल्लेखनीय उपलब्धि पूरे टीम की अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण कार्यकुशलता तथा ईमानदार प्रयासों को दर्शाती है। इस सफलता को टिकट जांच कर्मचारियों के कई उत्कृष्ट कार्यों ने और भी मजबूत बनाया है, जिन्होंने पूसीरे में टिकट जांच आय का यह नया कीर्तिमान स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए न्यू जलपाईगुड़ी जांच टीम को बधाई दी। यह उपलब्धि एनएफआर की राजस्व संरक्षण पहलों की प्रभावशीलता तथा पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित टिकटिंग जागरूकता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। न्यू जलपाईगुड़ी टिकट जांच अनुभाग की यह उपलब्धि पूरे ज़ोन के सभी रेल अनुभागों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उन्हें सेवा और कार्य निष्पादन में और भी उच्च स्तर की उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

क्या नव-द्रविड़ राजनीति के सूत्रधार बनेंगे विजय

सी विजय जोसेफ ने तमिलनाडु में एक ऐसी विचारधारा की शुरुआत की है, जिसे कई विश्लेषक नव-द्रविड़ विचारधारा बताते हैं। सौ साल पुरानी द्रविड़ अवधारणा इस समय संकट में है। महज 27 महीने पुरानी पार्टी, तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने उन दो दिग्गज पार्टियों (द्रमुक और अन्नाद्रमुक) के राजनीतिक वर्चस्व को खत्म कर दिया है, जो पिछले 72 वर्षों से तमिलनाडु पर राज कर रही थी। विजय ने यह कमाल जेन-जी (जेनरेशन जेड) की द्रमुक-विरोधी भावना और राजशाही जैसे शासन के प्रति उनके विरोध का फायदा उठाकर किया। क्या द्रमुक की नयी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले उदयनिधि स्टालिन, विजय की सुनामी और नव-द्रविड़ युग का मुकाबला कर पाएंगे?

आने वाले 10 से 15 वर्षों में, टीवीके के तमिलनाडु की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की संभावना है। विजय द्रमुक, अन्नाद्रमुक, और जिला-स्तर की जाति-आधारित पार्टियों को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने की कोशिश करेंगे। पूर्व भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने एक अलग पार्टी बना ली है, जो उदयनिधि के अलावा यह टीवीके के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभर सकती है। विजय और टीवीके सीधे तौर पर द्रविड़ विचारधारा से मुकाबला नहीं कर रहे हैं, बल्कि पांच नेताओं के नामों का सहारा लेकर अपनी राजनीति को आकार दे रहे हैं। ये नेता हैं के. कामराज, ईवी रामासामी पेरियार, वेलू नाचियार, अंजलाई अम्माल और बीआर अंबेडकर। अक्तूबर 2024 में टीवीके को लांच करते समय विजय ने पार्टी की जाति-विरोधी और धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक विचारधारा के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि पार्टी द्रविड़ राष्ट्रवाद को तमिल राष्ट्रवाद से अलग नहीं करेगी।

फिल्म जगत के नेताओं ने पारंपरिक द्रविड़ मॉडल को कमजोर करने में खासा योगदान दिया है। यह इसका भी संकेत है कि कैसे द्रविड़ विचारधारा कई टुकड़ों में बंट गयी। द्रविड़ आंदोलन के मूल संगठन से कई शाखाओं का जन्म हुआ डीके, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, एमडीएमके, डीएमडीके और एएमएमके। तमिलनाडु में फिल्मी सितारों ने सफलतापूर्वक अपने प्रशंसक-वर्ग को राजनीतिक वोट-बैंक में बदल दिया और उन्हें कट्टर द्रविड़ अवधारणा से दूर ले गये। उन्होंने सामाजिक न्याय और आत्मसम्मान की मशाल को जलाये रखकर यह सुनिश्चित किया कि वंचितों के लिए 69 प्रतिशत तक आरक्षण बना रहे। उन्होंने इस आंदोलन की दिशा भी बदल दी। नतीजतन कई बार, द्रविड़ आंदोलन अपने रास्ते से भटक भी गया।

1972 में, एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) ने यह साबित करके एक बड़ा मोड़ ला दिया कि एक द्रविड़ नेता भी ईश्वर का भक्त हो सकता है। उन्होंने 17 अक्तूबर, 1972 को अन्नाद्रमुक की शुरुआत की और 1977 में मुख्यमंत्री बने। फिर जयललिता फिल्मों से राजनीति में आयी और 1991 में मुख्यमंत्री बनी। उनके उदय ने द्रविड़ राजनीति की दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने अपने करिश्मा से लगातार छह कार्यकालों तक राजनीतिक वर्चस्व बनाये रखा। इसी बीच एक और फिल्मी हस्ती, विजयकांत ने 2005 में डीएमडीके की शुरुआत की। उन्होंने कुछ हद तक द्रविड़ संस्कृति के क्षरण को रोकने का प्रयास किया। अब सी. विजय जोसेफ ने द्रविड़ राजनीति के सात दशकों के वर्चस्व को ललकारा है। विजय ने पेरियार और आंबेडकर की सामाजिक न्याय की विरासत की नयी व्याख्याएं प्रस्तुत की हैं, और विजयवाद का सूत्रपात किया है। टीवीके द्वारा ब्राह्मणों को जगह देना एक अहम बदलाव है। लगता है कि विजय ने जयललिता से प्रेरणा ली है, जिन्होंने सफलतापूर्वक एक द्रविड़ पार्टी का नेतृत्व किया था। उन्होंने ब्राह्मणों को मंत्री पद दिया है, जिसमें संवेदनशील हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने आठ दलितों को भी महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपे हैं। पिछले दो दशकों में द्रविड़ मूल के अस्तित्व की चुनौतियां और भी बढ़ गयी हैं। डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और अन्य तकनीकी बदलावों ने युवाओं की आकांक्षाओं को पूरी तरह बदल दिया है। तमिलनाडु अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां जेन-जी राजनीतिक विमर्श को तेजी से प्रभावित कर रहा है। भले ही यह बदलाव बेहतर के लिए हो या बदतर के लिए।

1916 में तमिलनाडु में जस्टिस पार्टी का उदय हुआ, जो 1960 के दशक के मध्य के बाद एक सामाजिक आंदोलन से विकसित होकर प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन गयी। पेरियार ने उच्च जाति विरोधी राजनीति, राज्य की स्वायत्तता, महिला सशक्तीकरण और कभी-कभी तो अलगाववादी विचारों का भी समर्थन किया। द्रविड़ आंदोलन 1967 में एक नये दौर में प्रवेश कर गया, जब सीएन अन्नादुरई ने जस्टिस पार्टी के कुछ मूल सिद्धांतों को नरम किया और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए अधिक व्यावहारिक मार्ग अपनाया। सी. राजगोपालाचारी जो एक ब्राह्मण और दक्षिणपंथी नेता थे, ने द्रमुक के उभार को पहले ही भांप लिया था और कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए उसके साथ गठबंधन कर लिया। इस गठबंधन ने द्रविड़ आंदोलन को राजनीतिक सत्ता का स्वाद चखने का अवसर दिया।

1967 के बाद से द्रविड़ राजनीति शासन के लाभों का आनंद लेते हुए अपनी कुछ मूल वैचारिक स्थितियों से दूर हटने लगी। यह कट्टर द्रविड़वाद के नरम पड़ने की दिशा में पहला कदम था। फिर करुणानिधि इस आंदोलन के केंद्रीय व्यक्तित्व के रूप में उभरे। कथित भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लेकर जनता में व्याप्त असंतोष ने अंततः एमजीआर के लिए जगह बनायी, जिन्होंने 1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना की और द्रविड़ राजनीतिक ढांचे से नास्तिकता को हटा दिया। एमजीआर ने जबर्दस्त जीत हासिल की और एक नये द्रविड़ मॉडल के निर्विवाद नेता बन गये। 1972 और 1989 के राजनीतिक घटनाक्रमों की एक समानांतर स्थिति अब 2026 में देखने को मिल सकती है। आज कोई ऐसा कद्दावर नेता नजर नहीं आता, जो विभिन्न द्रविड़ गुटों को एक ही बैनर तले एकजुट कर सके और पेरियार की विरासत को और अधिक धूमिल होने से रोक सके। डिजिटलीकरण, जेन-जी की आकांक्षाओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आकर्षण, युवा पीढ़ियों को पारंपरिक वैचारिक आंदोलनों से धीरे-धीरे दूर खींच रहा है। टीवीके नेता विजय सामाजिक न्याय के क्षेत्र में मौजूद खाली जगह को भरने की राह पर अग्रसर प्रतीत होते हैं।

आर. राजगोपालन

संपादकीय

भारतीय कंपनियों को इन पांच ताकतों का करना होगा सामना

दीपक शर्मा/रोहित प्रसाद

भारत के कॉर्पोरेट जगत के नेता अब अनिश्चितताओं से सहज महसूस करने लगे हैं। देश की संरचनात्मक वृद्धि बरकरार है। घरेलू मांग स्थिर है, उपभोक्ता वर्ग महत्वाकांक्षी है और नीतिगत माहौल व्यापक रूप से अनुकूल है। फिर भी विकास का मार्ग पहले कभी इतना जटिल नहीं, भारत के कॉर्पोरेट जगत के नेता अब अनिश्चितताओं से सहज महसूस करने लगे हैं। देश की संरचनात्मक वृद्धि बरकरार है। घरेलू मांग स्थिर है, उपभोक्ता वर्ग महत्वाकांक्षी है और नीतिगत माहौल व्यापक रूप से अनुकूल है। फिर भी विकास का मार्ग पहले कभी इतना जटिल नहीं रहा। भू-राजनीति, तकनीकी व्यवधान और स्थिरता, वार्षिक नियोजन चक्रों की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से प्रतिस्पर्द्धी गतिशीलता को नया आकार दे रहे हैं।

इस तिमाही में 25 क्षेत्रों की 1,000 से अधिक कंपनियों के कॉल के कानविक विश्लेषण से पता चलता है कि बोर्डरूम कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, बढ़ती मुद्रास्फीति और प्रीमियम उत्पादों की ओर व्यापक बदलाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। चौंकाने वाली बात इन दबावों की मौजूदगी नहीं, बल्कि इन सभी को एक साथ जिस हद तक संभालना आवश्यक है।

हर बोर्ड में एक ही मुद्दा हावी है-कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता, जिसका जिक्र तिमाही-दर-तिमाही 32 प्रतिशत बढ़ रहा है। जो कभी तेल, गैस और धातुओं तक ही सीमित था, अब उसका दायरा भी बढ़ गया है। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां सोया, पाम, गेहूं और सूरजमुखी के तेल में होने वाले उतार-चढ़ाव को उपभोक्ताओं की पसंद और मुनाफे पर सीधा असर डालने वाला कारक बता रही हैं। निर्माण कंपनियां कच्चे माल की लागत को अपनी सबसे बड़ी चिंता बता रही हैं। उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव सकल मुनाफे को नुकसान पहुंचा रहा है। धातु क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के चलते इस्पात की मांग में वृद्धि बतायी जा रही है। फिर भी इनपुट लागतों में तेजी से उतार-चढ़ाव के कारण मुनाफे का पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। एआई अब सिर्फ तकनीकी चर्चा का विषय नहीं रह गया, तिमाही दर तिमाही इसकी चर्चा में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भवन निर्माण सामग्री और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में पहली बार इतनी वृद्धि दर्ज की गयी है। वित्तीय सेवाओं में 400 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र में 240 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। सीमेंट कंपनियां एआई सक्षम केंद्रीय नियंत्रण प्रणालियों को लागू कर रही हैं। लॉजिस्टिक्स कंपनियां दस्तावेजीकरण को स्वचालित करने के लिए एजेंटिक एआई का उपयोग कर रही हैं। खुदरा क्षेत्र में बाजार की वृद्धि और उपभोक्ता विश्वास के साथ-साथ एआई चर्चा के शीर्ष तीन विषयों में शामिल हो गया है। भू-राजनीतिक उथल-पुथल : व्यापार नीति पर चर्चा स्थिर रही, लेकिन बातचीत अधिक तीखी और क्षेत्र-विशिष्ट हो गयी है। यूरोपीय बाजार इस बात का उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे एक ही भू-राजनीतिक घटनाक्रम किसी कंपनी की स्थिति के आधार पर खतरा या अवसर दोनों का रूप ले सकता है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और औद्योगिक मशीनरी के निर्यातकों के लिए यूरोप में मांग में नरमी और नयी टैरिफ संरचनाओं से मुनाफे पर दबाव पड़ रहा है। भारतीय स्पैशलिटी कैमिकल्स और फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए स्थिति उलट है, क्योंकि यूरोपीय प्रतिस्पधर्यों के संयंत्रों के बंद होने से आपूर्ति में कमी आयी है, जिसे वे पूरा कर सकते हैं। वहीं भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के चरणबद्ध कार्यान्वयन से वस्त्र, भवन निर्माण सामग्री और स्पैशलिटी मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों के लिए निर्यात के नये रास्ते खुलने की उम्मीद है। लाभ बढ़ाने की रणनीति के रूप में प्रीमियम उत्पादों पर जोर देना : उपभोक्ता व्यवहार में तिमाही-दर-तिमाही मामूली 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी, लेकिन प्रीमियम उत्पादों पर जोर देना, उच्च मूल्य वाले उत्पादों की ओर एक रणनीतिक बदलाव, लागत दबाव के सबसे व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले उपायों में से एक बनकर उभरा है। यह सभी क्षेत्रों में देखने को मिलता है। मुद्रास्फीति फिर से लौट आयी है : इस तिमाही का सबसे तीव्र मात्रात्मक संकेत मुद्रास्फीति से संबंधित उल्लेखों में 45 प्रतिशत की वृद्धि है, जो सभी विषयों में सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि महंगाई अपने शुरुआती स्तर से नीचे आ गयी, लेकिन लागत का दबाव कम नहीं हुआ। औद्योगिक उत्पाद कंपनियां लगातार बढ़ती इनपुट लागत को एक समस्या मानती हैं। वित्तीय सेवाओं में चर्चा अब उपभोक्ता ऋण की गुणवत्ता, विवेकाधीन खर्च व्यवहार और अर्थव्यवस्था के सुधार की गति जैसे कारकों पर केंद्रित हो गयी है।

इन पांचों विषयों को जोड़ने वाली बात यह है कि इनमें से कोई भी अस्थायी नहीं है। कमोडिटी की अस्थिरता, एआई व्यवधान, भू-राजनीतिक विखंडन, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और मुद्रास्फीति चक्र परिचालन परिवेश की संरचनात्मक विशेषताएं हैं, न कि चक्रीय उतार-चढ़ाव। इसके अलावा उभरते हुए देश वर्तमान अस्थिरता का अधिक बोझ झेल रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियों और व्यापारिक नेताओं के लिए आज की परिस्थितियों से निपटना कठिन हो गया है। इन चुनौतियों का अलग-अलग समाधान करना व्यर्थ साबित हो सकता है। इस परिवेश से सबसे मजबूत होकर उभरने वाली कंपनियां वे होंगी, जो इन कारकों को वैश्विक महाप्रवृत्तियों के परस्पर जुड़े आयामों के रूप में देखेंगी, जिनका समाधान एक ही रणनीतिक प्रश्न के उत्तर से किया जाना चाहिए : निरंतर अस्थिरता की दुनिया में टिकाऊ रूप से बढ़ने वाला व्यवसाय कैसे बनाया जाए?

पाक के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उसने नयी दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्चस्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वहीं तुर्किये है, जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोर्चेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखायी देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नयी सरकार अपनी विदेश नीति को नये ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आये जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नयी दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा तो नयी दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिये भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्द्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नयी शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जतायी जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नयी सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्द्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नये संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नये समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

ऐसी हत्याओं पर हम कैसा व्यवहार करें

अवधेश कुमार

राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र के सूर्य चौहान की हत्या ने फिर देश को डराया है। बकरीद के दिन खोड़ा के नवनीत विहार में असद ने सूर्य चौहान के जिस तरह पेट में चाकू घोंपकर, घुमाकर हत्या की। उसमें सामान्य अपराध का भाव था ही नहीं। आप सोचिए हत्यारे असद ने सूर्य से हत्या से पहले पूछा कि कभी बकरे को हलाल होते देखा है? यह किस तरह का प्रश्न है? उसने चाकू घोंपा और उसके पेट में घुमाया। यानी उसे चाकू घुमाने से सामने वाला जीवित नहीं बच सकेगा। इसकी पूरी जानकारी थी या फिर उसका प्रशिक्षण था। असद बाद में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। अगर वह जिंदा होता तो उसके बयान से हमें फिर उसी सोच की जानकारी मिलती, जो हमने उदयपुर के कन्हैयालाल दर्जी से लेकर कोल्हापुर के उमेश कोल्हे और इसी वर्ष राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर में तरुण बुटोलिया आदि हत्याकांड में मिली। आपको यह सुनकर हैरत होगी कि असद को उसके पिता ने हत्या के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसका काम तमाम कर दो।

इस तरह की घटनाओं और विश्व भर में बढ़ते मजहबी कट्टरवाद की प्रतिक्रिया में पूरे देश में छोटे-बड़े गैर मुस्लिम या हिंदू संगठन खड़े हो गये हैं। उनके लोग ऐसी घटनाओं पर सक्रिय होते हैं। इनसे परिवारों को थोड़ी ताकत मिलती है तथा प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ता है। खोड़ा में भी हमने ऐसे संगठनों के कार्यकर्ताओं को तुरंत सक्रिय देखा। असद की मुठभेड़ में मृत्यु हुई तथा उसके पिता सहित 2 लोग गिरफ्तार हैं। उसके घर को अवैध करार देकर गिराने का नोटिस दिया जा चुका है। उस क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे मदरसों को सील किया गया है। क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों को खंगाल कर कार्रवाई हो रही है। हालांकि यह प्रश्न बना रहता है कि इसी पुलिस प्रशासन के रहते हुए आखिर अवैध मकान व मदरसे या ऐसी गतिविधियां कैसे चलती रहती हैं? बकरीद के दिन कोई हिंदू युवक अपने मुस्लिम दोस्त से गले मिलता है, दुकान पर कोल्ड ड्रिंक पीता है और फिर धोखे में पेट में चाकुओं से वार होता है। आरंभ में कुछ समाचार पत्रों और चैनलों ने इसे सामान्य बाइक का झगड़ा करार दिया। कुछ लोगों का कहना है कि बाइक का झगड़ा भी जानबूझकर किया गया। कुल मिलाकर षड्यंत्र के तहत उस लड़के को बुलाया गया और फिर जब वह षड्यंत्र में तत्काल नहीं फंसा तो उसे तलाश कर उसकी हत्या कर दी गयी।

चार मार्च को राजधानी के उत्तम नगर में तरुण की हत्या के पीछे क्या कारण था? उसके परिवार की एक छोटी बच्ची ने होली को रंग से भरा हुआ। गुब्बारा नीचे फैंका जो कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों पर गिर गया। उसे उन्होंने मजहब के विरुद्ध बताया और हंगामा करने लगे। पहले घर पर हमले हुए लोग डर से घरों में दुबके रहे। बाद में तरुण वापस आ रहा था तो उसे घेर कर भीड़ ने हत्या कर दी। ये घटनाएं न अकेली हैं और न केवल भारत तक सीमित हैं। 28 जून, 2022 को उदयपुर में कन्हैयालाल दर्जी की गला रेत कर हत्या करते हुए वीडियो बनाकर जारी किया गया। हत्यारे ने कहा कि उसने नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट लिखा, जबकि उसके बेटे ने उसके मोबाइल से एक पोस्ट को शेयर किया था और हंगामा होने पर कन्हैयालाल ने उसे डिलीट कर दिया था। हत्यारों का कहना था कि इसने इस्लाम मजहब और पैगंबर साहब की तौहीन की है और इसकी सजा मौत है। इसी प्रकरण में उसके बाद 2 जुलाई, 2022 को महाराष्ट्र के अमरावती में एक कैमिस्ट उमेश कोल्हे की इसी तरह घेर कर हत्या की गयी और हत्या करने वाले सब उसके परिचित निकले। इन घटनाओं की जांच में बिल्कुल साफ था कि इस्लाम मजहब की सोच के तहत हत्या हुई। 18 अक्तूबर, 2019 को लखनऊ में एक हिंदू संगठन चलाने वाले कमलेश तिवारी की उसके कार्यालय में घुसकर हत्या की गयी और जब उसकी जांच हुई तो पता चला कि इस्लाम के नाम पर इनके जाल गुजरात तक फैले हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के कासगंज में चंदन गुप्ता 26 जनवरी, 2018 को तिरंगा यात्रा में शामिल थे। मुस्लिम बहुल इलाके में जलूस पर हमले हुए और उनकी मृत्यु हो गयी। 1 फरवरी, 2018 को अंकित सक्सेना की हत्या उसकी मुस्लिम लड़की दोस्त के कारण राजधानी दिल्ली के टैगोर गार्डन में सरेआम कर दी गयी। नवंबर 2019 में हैदराबाद के शमशाबाद टोल प्लाजा के पास डॉक्टर प्रीति रैड्डी के साथ मुख्य अभियुक्त मोहम्मद पाशा ने 3 साथियों के साथ गैंगरेप किया और पैट्रोल से आग लगा दी। पिछले वर्ष ही इस्लाम धर्म छोड़ चुके गाजियाबाद के यूट्यूबर सलीम वास्तविक पर उसके घर में घुसकर नकाबपोशों ने चाकू से वार किया। सलीम वास्तविक का दोष यह था कि वह इस्लाम मजहब के कुछ पहलुओं पर प्रश्न उठाते थे तथा मदरसों आदि की गतिविधियों की आलोचना करते थे।

किसी भी सभ्य समाज में असहमति और विरोध का तरीका हत्या और उसमें आनंद अनुभव करना नहीं हो सकता। प्रश्न है कि क्या इसका कोई समाधान है? अनेक घटनाओं को इस्लाम विरोधी मानकर सरेआम हजारों लोग सड़कों पर गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा, सिर तन से जुदा, सिर तन से जुदा का नारा लगाते हैं। वारदात के बाद तो कानूनी कार्रवाई संभव है, किंतु इस जहरीली मजहबी सोच और व्यवहार का उपचार कैसे हो, इसका सीधा उत्तर किसी के पास नहीं। भारत में तो लोग सामान्यतः न सड़कों पर उतरते हैं और न सामूहिक रूप से संपूर्ण देश में विरोध प्रदर्शन होता है। दुर्भाग्य से यहां कार्रवाई भी सरकारों की राजनीतिक विचारधारा पर निर्भर करती है। अगर देश सोच बदलकर सामूहिक व्यवहार करने का अभ्यस्त नहीं होगा, तो यश चौहान, तरुण बुटोलिया, अंकित सक्सेना, ध्रुव त्यागी आदि न केवल शिकार होते रहेंगे, बल्कि इसका और तेजी से विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

15 होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट की जांच, 11 में मिली खामियां

मेरठ , एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड के बाद मेरठ में दमकल विभाग ने अभियान शुरू किया है। अभियान के दूसरे दिन 15 होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट की जांच की गई। इनमें से 11 प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी खामियां पाई गईं।

बृहस्पतिवार को जिन 11 होटलों में कमियां मिली थीं, उन्हें नोटिस थमा दिए गए हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें दस जून तक प्रतिदिन निरीक्षण करेंगी। शुक्रवार को होटलों के साथ रेस्टोरेंट और ढाबों की भी जांच हुई। टीम ने अग्नि सुरक्षा उपकरण, अग्निशमन यंत्र और आपातकालीन निकास का निरीक्षण किया। 11 प्रतिष्ठानों में आग से बचाव के पर्याप्त उपकरण नहीं मिले। सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिन 11 होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट में कमी पाई गई है, उनमें अधिकांश में अग्निशमन यंत्र नहीं थे। कई जगह अग्निशमन यंत्र काम भी नहीं कर रहे थे। इन सभी को नोटिस दिए जा रहे हैं। दमकल विभाग का यह अभियान शनिवार को भी जारी रहेगा।

आगरा-इटावा हाईवे पर अंडरपास का 50 फीसदी काम पूरा, पांच लाख लोगों को मिलेगी सुविधा

आगरा, एजेंसी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने आगरा-इटावा नेशनल हाईवे पर अंडरपास बनाने का काम तेज कर दिया है। अब तक 50 फीसदी काम पूरा हो चुका है। अगले 15 महीने में सभी अंडरपास तैयार हो जाएंगे। इनके बनने से आसपास के गांवों के करीब पांच लाख लोगों की राह आसान हो जाएगी।

आगरा-इटावा नेशनल हाईवे पर आठ अंडरपास बनाए जा रहे हैं। इसमें मोहम्मदाबाद, मीठेपुर, बेनीवाल कट टूंडला, इंदुमई, नौशेहरा, उखर्रेड, मलाजनी और अरौंज में काम चल रहा है। अब तक करीब 50 फीसदी काम हो चुका है। अंडरपास बनने के बाद हाईवे को समतल किया जाएगा। इसके लिए दो-दो लेन बंद कर कार्य किया जाएगा, जिससे यातायात भी बाधित नहीं होगा।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक संदीप यादव ने बताया कि 15 महीने में सभी अंडरपास तैयार हो जाएंगे। इससे आसपास के सैकड़ों गांवों के लाखों लोगों के लिए आवागमन की बेहतर सुविधा हो जाएगी। क्षेत्रीय लोगों का कहना है अंडरपास नहीं होने से अभी पांच से आठ किमी का चक्कर लगाकर खेतों पर जाना पड़ता है। अंडरपास बनने से खेतीबाड़ी करना आसान हो जाएगा।

एनएचएआई अधिकारी ने बताया कि दिल्ली से आगरा तक हाईवे पर हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों को एनएचएआई के नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाएगा। इससे कहीं पर जाम लगने, वाहन पलटने, हादसा होने समेत अन्य की जानकारी तत्काल मिल सकेगी और रैपिड रिस्पांस टीम भेजी जा सकेगी।

शंकर पांडेय के खिलाफ गैर जमानती वारंट, कोर्ट का आदेश- किसी भी हाल में पेश करें

गाजीपुर, एजेंसी। एडीजे शक्ति सिंह की अदालत ने शुक्रवार को होटल व्यवसायी के बेटे विनीत राय हत्याकांड के मुख्य आरोपी शंकर पांडेय के खिलाफ एक अन्य मामले में गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही, पुलिस एनकाउंटर में मारे गए हत्यारोपी कमलेश चौधरी के मामले में कोतवाली पुलिस को पत्रावली दाखिल करने का आदेश दिया है। कोतवाली पुलिस को आदेश दिया है कि किसी भी हाल में आरोपी शंकर पांडेय को गिरफ्तार कर अगली तारीख पर कोर्ट में पेश किया जाए। अगली सुनवाई 29 जून को होगी।

नगर कोतवाली क्षेत्र के मिश्र बाजार स्थित दुकानदार कपड़ा व्यापारी सचिन चौरसिया का वर्ष 2024 में दिनदहाड़े अपहरण कर लिया गया था। आरोप था कि शंकर पांडेय और कमलेश चौधरी स्कॉर्पियो से आए और सचिन को जबरन उठाकर ले गए थे। परिजनों की तहरीर पर कोतवाली में दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में एडीजे कोर्ट में सुनवाई थी। सुनवाई के दौरान आरोपी शंकर पांडेय के पक्ष की ओर से कोर्ट में कोई पत्रावली या जवाब दाखिल नहीं किया गया।

इस पर नाराजगी जताते हुए न्यायालय ने आरोपी शंकर पांडेय के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। वहीं, पुलिस मुठभेड़ में ढेर कमलेश चौधरी के मामले में कोर्ट ने कोतवाली पुलिस को आदेश दिया कि कमलेश चौधरी के संबंध में पत्रावली (अबेट) दाखिल करें, जिससे मुकदमे में शेष बचे आरोपी के खिलाफ कार्रवाई आगे बढ़ाई जा सके।

बिना आधार-पहचान पत्र के नेपाल में एंट्री पर रोक

टाइट सुरक्षा व्यवस्था से नेपाल सीमा से सटे लोगों की बढ़ी परेशानी

सीतामढ़ी, एजेंसी। भारत नेपाल सीमा पर इन दिनों सुरक्षा व्यवस्था और पहचान सत्यापन को लेकर बढ़ी सख्ती का असर सीमावर्ती इलाकों की रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। एक ओर नेपाल में प्रवेश के लिए पहचान पत्र की अनिवार्यता से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है, तो दूसरी ओर बांग्लादेशी घुसपैठ की आशंका के मद्देनजर सीमांचल क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। दोनों घटनाक्रमों ने सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। नेपाल में प्रवेश को लेकर लागू किए गए नए नियमों ने भारत-नेपाल सीमा से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बालेन शाह के हालिया फैसलों और नेपाल प्रशासन की सख्ती के बाद अब भारतीय नागरिकों को नेपाल में प्रवेश के दौरान पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य किया जा रहा है। कई सीमावर्ती क्षेत्रों में बिना आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र के भारतीय नागरिकों को नेपाल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, जिसको लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी है। भारत और नेपाल के संबंधों को लेकर वर्षों से यह कहावत प्रचलित है कि दोनों देशों के बीच 'बेटी और रोटी का रिश्ता' है। दोनों देशों के नागरिकों का सामाजिक, सांस्कृतिक और

पारिवारिक जुड़ाव इतना गहरा है कि सीमा केवल नक्शे तक सीमित दिखाई नहीं देती है। खासकर सीतामढ़ी, सुरसंड, सोनबरसा, भिट्ठामोड़ और बैरगनिया जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग रोजाना नेपाल आते-जाते रहे हैं। व्यापार, रोजगार, शिक्षा, इलाज और पारिवारिक संबंधों के कारण दोनों देशों के नागरिकों का आवागमन सामान्य बात रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय नागरिक बिना किसी विशेष दस्तावेज के नेपाल जा सकते थे। कई लोग केवल मौखिक पहचान या स्थानीय स्तर पर परिचय के आधार पर सीमा पार कर लेते थे। लेकिन अब नेपाल प्रशासन द्वारा पहचान पत्र की जांच सख्ती से की जा रही है। ऐसे में जिन लोगों के पास आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र नहीं है, उन्हें सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है। सीमावर्ती इलाके के लोगों का कहना है कि नेपाल में उनके रिश्तेदार रहते हैं और कई परिवार ऐसे हैं जिनके सदस्य दोनों देशों में बसे हुए हैं। अचानक बढ़ी सख्ती के कारण लोगों को अपने रिश्तेदारों से मिलने और जरूरी कार्यों के लिए नेपाल जाने में परेशानी हो रही है। व्यापार और रोजगार पर भी असर : सीमा पर रहने वाले छोटे व्यापारियों और मजदूरों का कहना है कि वे रोजाना नेपाल जाकर अपना काम करते हैं। कई लोग नेपाल के बाजारों में खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाते हैं। नई व्यवस्था के कारण उनका काम प्रभावित हो रहा है। जिन लोगों के पास पहचान पत्र नहीं है, उन्हें बार-बार लौटना पड़ रहा है। छोटे व्यापारियों और मजदूरों को परेशानी : स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि भारत और नेपाल के बीच खुले बॉर्डर की व्यवस्था दोनों देशों के लोगों के लिए सुविधा का माध्यम रही है। लेकिन दस्तावेजों की अनिवार्यता से छोटे व्यापारियों और दैनिक मजदूरों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों का कहना है कि यह फैसला दोनों देशों के पारंपरिक संबंधों की भावना के विपरीत है। उनका मानना है कि सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है, लेकिन ऐसे नियमों को लागू करने से पहले सीमावर्ती क्षेत्रों की परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। स्थानीय ग्रामीणों को हो रही परेशानी : ग्रामीणों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोग वर्षों से बिना किसी बाधा के नेपाल आते-जाते रहे हैं। अब अचानक पहचान पत्र की अनिवार्यता से बुजुर्गों, महिलाओं और उन लोगों को कठिनाई हो रही है जिनके पास अभी तक आधार कार्ड या अन्य दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। सुरक्षा कारणों का भी दिया जा रहा हवाला : नेपाल प्रशासन की ओर से सुरक्षा और पहचान सत्यापन को लेकर सख्ती बरतने की बात कही जा रही है। सीमा पार होने वाली गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से पहचान पत्र की जांच को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग चाहते हैं कि स्थानीय निवासियों के लिए कोई सरल और व्यावहारिक व्यवस्था बनाई जाए ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी सख्ती के बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों की चर्चा शुरू हो गई है। सीमा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि दोनों देशों के बीच केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक संबंध भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में किसी भी नई व्यवस्था को लागू करते समय आम लोगों की सुविधा और पारंपरिक रिश्तों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। फिलहाल सीमा पर पहचान पत्र की जांच जारी है और बिना वैध दस्तावेज के नेपाल में प्रवेश करने वालों को रोका जा रहा है। इससे सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं और स्थानीय स्तर पर इस मुद्दे को लेकर चर्चा तथा नाराजगी लगातार बढ़ रही है।उधर, पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई के बाद सीमांचल क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियां अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं।

पुलिस पर पथराव और बवाल में कमलेश के भाई महिला प्रधान सहित 56 के खिलाफ एफआईआर

गाजीपुर, एजेंसी। विनीत राय हत्याकांड का आरोपी और एक लाख के इनामी कमलेश चौधरी की पुलिस मुठभेड़ में मौते हो गई थी। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव फुह्नपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास रखकर बवाल किया था। पथराव में सीओ सिटी सहित कई पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। मामले में देर रात पुलिस ने गोड़ा देहाती की महिला ग्राम प्रधान और कमलेश के भाई सहित छह नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उपनिरीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। साथ ही आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक राम मिलन यादव ने तहरीर देकर बताया कि अष्टभुजी कॉलोनी स्थित विनीत राय के घर और गोड़ा देहाती स्थित बिंदु होटल आसपास शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस टीम के साथ भ्रमण कर रहा था। तीन जून को विनीत राय हत्याकांड का आरोपी कमलेश चौधरी की मुठभेड़ में ढेर हो गया था।

चार जून को पुलिस ने कमलेश का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया। मृतक के परिजन संजय कुमार बिंद, अनीता बिंद, मोहित बिंद, राजकुमार बिंद, बिहार के भभुआ दड़वा कमलवता, नोनहरा थाना की विंचरिया बिंद और 50 अज्ञात महिला-पुरुष ने सड़क के बीचो-बीच शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

टीम ने जाम हटाने के लिए काफी समझाया, लेकिन वे नहीं माने और गाली देने लगे। देखते ही देखते पथराव शुरू कर दिया। पथराव में सीओ सिटी शेखर सेंगर, नंदगंज थानाध्यक्ष अतुल मिश्रा, महिला कांस्टेबल रेशमा, कांस्टेबल अभिनव कन्नौजिया, कांस्टेबल दिवाकर सिंह सहित कई पुलिस कर्मी घायल हो गए। घायल पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज जारी है।

राष्ट्रीय स्तर पर 3 प्रतिशत गिरावट के बीच यूपी का शानदार प्रदर्शन

जीएसटी संग्रह में 13 प्रतिशत बढ़ोतरी, देश में नंबर वन

लखनऊ , एजेंसी। देश भर में मई के दौरान जीएसटी संग्रह में सुस्ती रही और राष्ट्रीय स्तर पर इसमें तीन फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। वहीं, उत्तर प्रदेश ने इस चुनौतीपूर्ण माहौल में खुद को सबसे तेज बढ़ने वाला बड़ा राज्य साबित किया और जीएसटी ग्रोथ में पूरे देश में नंबर वन पर रहा। जबकि महाराष्ट्र में वृद्धि शून्य रही तो गुजरात व कर्नाटक में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। यानी जब अधिकांश बड़े राज्यों की ग्रोथ धीमी या नकारात्मक रही तो यूपी ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया।

यूपी शुद्ध जीएसटी संग्रह में देश में दूसरे स्थान पर

जीएसटी संग्रह का एक और महत्वपूर्ण पैमाना शुद्ध जीएसटी संग्रह माना जाता है। इसमें से रिफंड घटाकर वास्तविक राजस्व देखा जाता है। इसमें भी यूपी ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। एसजीएसटी व आईजीएसटी सेटलमेंट जोड़ने और केंद्र से मिले एसजीएसटी रिफंड को घटाने के बाद यूपी का शुद्ध जीएसटी संग्रह 17,169 करोड़ रुपये रहा, जिससे प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। इस सूची में महाराष्ट्र 36,825 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष पर और कर्नाटक 16,177 करोड़ रुपये के साथ तीसरे नंबर पर रहा।

राज्य कर आयुक्त ने बताया कि डॉ. नितिन बंसल ने बताया कि पहले राज्य कर विभाग की कर वृद्धि भारत सरकार की ग्रोथ के मुकाबले कम थी। इस बार जहां ऑल इंडिया ट्रेंड -3 फीसदी रहा, वहीं यूपी ने दोहरे अंकों की ग्रोथ हासिल की है। उपभोक्ता ही राज्य की बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं। विभाग उन कारोबारियों पर फोकस कर रहा है, जो टैक्स दे सकते हैं। छोटे-छोटे व्यापारियों को सहूलियतें देने पर जोर है, इसीलिए नए करदाताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एसजीएसटी संग्रह में भी मजबूत प्रदर्शन : राज्य के अपने कर संग्रह यानी एसजीएसटी में भी यूपी ने मजबूती दिखाई। मई 2026 में एसजीएसटी संग्रह 3,070 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। यह वृद्धि दर कई बड़े राज्यों से अधिक रही। एसजीएसटी संग्रह की कुल राशि के मामले में महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात आगे रहे लेकिन वृद्धि दर के लिहाज से यूपी शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल रहा।

रिचार्ज के दो घंटे के भीतर नहीं आई बिजली, पॉवर कॉर्पोरेशन पर लगा सात लाख जुर्माना; आयोग का बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी। स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज के दो घंटे बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने पर पॉवर कॉर्पोरेशन पर 7.18 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना राशि आयोग में 15 दिन के अंदर जमा करनी होगी। यह फैसला उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की दो सदस्यीय पीठ ने सुनाया है।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था लागू की गई थी। इसके तहत माइनस बिलिंग होने पर बिजली आपूर्ति अपने आप बंद हो जाती है। नियमानुसार रिचार्ज करने पर आपूर्ति दो घंटे के भीतर शुरू होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल कर प्रभावित 1.93 लाख

उपभोक्ताओं को मुआवजा दिए जाने की मांग की। इस पर आयोग ने कटने वाले कनेक्शन और जुड़ने वाले कनेक्शन से संबंधित तभी दस्तावेज तलब किए। जांच में सामने आया कि 13, 14, 16, 17, 18, 23, 25, 28 मार्च तथा 2 एवं 7 अप्रैल 2026 को निर्धारित सेवा मानकों का पालन नहीं हुआ।

95 फीसदी अनुपालन अनिवार्य

अनुपालन स्तर घटकर 77 फीसदी पहुंच गया, जबकि न्यूनतम 95 फीसदी अनुपालन अनिवार्य है। जवाब में कॉर्पोरेशन ने स्वयं स्वीकार किया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति निर्धारित समय सीमा में बहाल नहीं हो सकी।

इस पर आयोग ने प्रति उल्लंघन एक लाख रुपये और प्रत्येक दिन की देरी पर अतिरिक्त छह हजार रुपये को शामिल करते हुए 7.18 लाख का जुर्माना लगाया है। आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक से 15 दिनों में विस्तृत जवाब तलब किया है।

उपभोक्ताओं को मुआवजे की मांग

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का दावा है कि किसी राज्य के नियामक आयोग द्वारा डिस्कॉम पर इतनी बड़ा जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है। 193143 उपभोक्ताओं को प्रतिदिन 50 रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया जाए।

सीएम कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जारी हुई अस्पतालों की सूची

लखनऊ, एजेंसी। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों, विशेष शिक्षकों और केजीबीवी वार्डेन सहित 10 लाख से अधिक कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को जल्द कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसके लिए विभाग ने पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विभाग ने पहले नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया था। अब मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और खंड शिक्षा अधिकारियों को भी पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने निर्देश दिए हैं कि 6 जून तक अभियान चलाकर पंजीकरण कार्य पूरा कराया जाए। शिक्षक और कर्मचारी पोर्टल पर अपनी तथा आश्रितों की जानकारी अपलोड करेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी और बीएसए के अनुमोदन के बाद फैमिली आईडी तैयार होगी। इसके पश्चात कर्मचारी निर्धारित मोबाइल नंबर से लॉगिन कर कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे। विभाग ने सीएम शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड का नमूना भी जारी किया है और अगले सप्ताह कार्ड वितरण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

हरियाली का महाअभियान, एक दिन में रोपे गए लाख पौधे, आगरा में गूंजा एक पेड़ मां के नाम

आगरा, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आगरा मंडल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 24.67 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, रेलवे, विश्वविद्यालय और विभिन्न संस्थानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरियाली के महाभियान में शुक्रवार को 7.94 लाख पौधे लगाए गए। एक पेड़ मां के नाम अभियान के दौरान आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, सांसद राजकुमार चाहर, महापौर हेमलता दिवाकर, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप समेत कई जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने पौधे लगाए।

ताज नेचर वॉक में छावनी विधायक जीएस धर्मेश व मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप ने पौधरोपण किया। इस दौरान प्रभागीय निदेशक राजेश कुमार, पर्यावरणविद हरविजय सिंह बाहिया आदि मौजूद रहे। पौधरोपण अभियान में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, विधायक पक्षालिका सिंह, भगवान सिंह कुशवाह, चौधरी बाबूलाल ने भी पौधे लगाकर लोगों को प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के अपील की। डीएम मनीष बंसल ने पौधे लगाने की अपील की। जयपुर हाउस स्थित श्रीराम मंदिर पार्क में आयोजित पौधरोपण अभियान से पहले एमएलसी विजय शिवहरे, डॉ. जीएस धर्मेश, लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गर्ग, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता व अन्य ने पदयात्रा निकाली। इसके बाद पार्क में पौधे लगाए। इस दौरान महेश शर्मा, नीतेश शिवहरे, रोहित कत्याल, अनीता खरे, डॉ. निधि शर्मा, अनिल सारस्वत आदि मौजूद रहे।

डीवीवीएनएल मुख्यालय में लगाए पौधे : दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय पर अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक पौधा मां के नाम अभियान में भाग लिया।

परिसर में पौधे लगाकर आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और हरित भविष्य प्रदान करने के लिए लगातार ऐसे प्रयास करते रहने की शपथ ली।

मंडल में लगाए गए 24.67 लाख पौधे : विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को मंडल में 24.67 लाख पौधे रोपे गए। अभियान में ग्राम्य विकास विभाग ने करीब 14 लाख 96 हजार पौधे लगाकर लक्ष्य का बड़ा हिस्सा पूरा किया। इसके अलावा कृषि विभाग ने 3 लाख 76 हजार, उद्यान विभाग ने 2 लाख 9 हजार, वन विभाग ने 1 लाख 99 हजार, पंचायती राज विभाग ने 99 हजार और नगर विकास विभाग ने 48 हजार पौधे लगाए। वन संरक्षक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि पौधरोपण के साथ संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों को नियमित निगरानी और देखरेख के निर्देश दिए गए हैं, जिससे रोपे पौधों की जीवित रहने की दर बेहतर बनी रहे।

रेलवे ने लगाए 20 हजार पौधे : मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल ने अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। ईदगाह रनिंग रूम के पास पौधारोपण किया और स्काउट एवं गाइड की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई। पीआरओ संजय गौतम ने बताया कि 50 स्टेशनों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 20 हजार से अधिक पौधे लगाए गए। कोसीकलां और आगरा कैंट स्टेशन को विभिन्न श्रेणियों में सम्मान मिला।

हाथी अस्पताल के पास रोपे 2 हजार पौधे : वाइल्ड लाइफ एसओएस ने चुरमुरा के हाथी संरक्षण केंद्र एवं अस्पताल में दो हजार पौधे लगाए। विद्यार्थियों को चित्रकला और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया। बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, पंकज प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी मथुरा डॉ. पूजा गुप्ता, डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल मौजूद रहे।

विवि में 150 पौधे लगाकर दिया हरित संदेश : डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह पार्क में सिंदूर, चंपा, गुड़हल और अशोक सहित करीब 150 पौधे लगाए। सावित्रीबाई फुले भवन महिला छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। इस दौरान मनोज कुमार, डॉ. प्रीति सिंह और वार्डन डॉ. रत्ना पांडे मौजूद रहीं। स्वामी विवेकानंद खंदारी परिसर में जागरूकता रैली निकाली गई। कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि पौधरोपण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। इस दौरान कुलसचिव अजय मिश्रा, कैलाश बिंद, प्रो. बीएस शर्मा, प्रो. आरके अग्निहोत्री मौजूद रहे।

अगले पांच वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नयी पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी : वैष्णव

कोलकाता, 6 जून (भा)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि अगले पांच वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नयी पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि राज्य में डबल इंजन सरकार बनने पर पश्चिम बंगाल की रेलवे परियोजनाओं को नयी गति मिलेगी। राज्य सचिवालय नबान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के केवल 28 किलोमीटर हिस्से का निर्माण 42 वर्षों में पूरा हुआ था, जबकि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किलोमीटर नयी मेट्रो लाइन जोड़ी गयी है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में कोलकाता मेट्रो के लिए नयी पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी। आज मैंने कोलकाता मेट्रो में यात्रा की। हम इसका कायाकल्प करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन सेवाओं का उद्देश्य यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी लाना है। उन्होंने कहा कि ये हाई-स्पीड कॉरिडोर सिलीगुड़ी को नयी दिल्ली से मात्र छह घंटे में जोड़ देंगे।

उत्तराखंड में एसआईआर 8 जून से शुरू

***देहरादून, 6 जून (एजें.)।** उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम 8 जून से शुरू हो जाएगा। इस दौरान कोई मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं है तो बीएलओ तीन बार घर पर विजिट करेंगे। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदण्डे ने बताया कि प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आयोग द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ का तीन चरणों में प्रशिक्षण, गणना फार्मों की शत प्रतिशत प्रिंटिंग पूर्ण हो गयी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड राज्य में 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर एसआईआर प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। 8 जून से 7 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फार्म का वितरण एवं संकलन किया जाएगा। इसी एक माह के दौरान मतदाताओं के गणना फार्मों को बीएओ एप्प के माध्यम से डिजिटिलाइज कर अपलोड किया जाएगा।*

आरोपपत्र का हिस्सा बने दस्तावेज आरोपी को उपलब्ध कराना जरूरी : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, 6 जून (भा)। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि किसी आरोपी को आरोपपत्र का हिस्सा रहे दस्तावेजों तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि ऐसा करने से उसके निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदूरकर की पीठ ने की। पीठ ने निर्देश दिया कि 1923 के शासकीय गोपनीयता अधिनियम के तहत 2007 में दर्ज एक मामले में मुकदमे का सामना कर रहे सेवानिवृत्त मेजर जनरल वी के सिंह को कुछ अत्यंत गोपनीय दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रतियां उपलब्ध करायी जाएं। न्यायालय ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का मामला यह नहीं है कि सिंह द्वारा मांगे गये दस्तावेज मुकदमे के लिए अप्रासंगिक हैं। इसने कहा कि अभियोजन पक्ष की एकमात्र आपत्ति यह थी कि ये दस्तावेज राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत गोपनीय हैं और उनकी प्रतियां उपलब्ध कराने से उनके सार्वजनिक होने की आशंका है। सिंह देश की खुफिया एजेंसी रॉ के अधिकारी भी रह चुके हैं। पीठ ने 18 मई के अपने आदेश में कहा कि यह स्थापित कानून है कि किसी आरोपी को आरोपपत्र का हिस्सा बने दस्तावेजों, जिनमें सामान्य डायरी के दस्तावेज भी शामिल हैं, तक पहुंच से वंचित नहीं किया जा सकता, यदि वे दस्तावेज सद्भावना में प्राप्त किये गये हों, अभियोजन के मामले से संबंधित हों और लोक अभियोजक द्वारा न्याय तथा निष्पक्ष सुनवाई के हित में उनके प्रकटीकरण को आवश्यक माना गया हो। इसने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि ऐसे दस्तावेजों को रोके रखने से आरोपी के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को गंभीर क्षति पहुंच सकती है। न्यायालय ने यह आदेश सिंह की उस याचिका पर दिया, जिसमें उन्होंने पिछले वर्ष सितंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिये गये आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के दिसंबर 2009 के उस आदेश में संशोधन किया था, जिसमें अभियोजन पक्ष को सिंह द्वारा मांगे गये दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। सिंह ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 207 के तहत अधीनस्थ अदालत में आवेदन दाखिल कर अभियोजन पक्ष को कुछ ऐसे दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था, जो आरोपपत्र का हिस्सा थे लेकिन उन्हें नहीं दिये गये थे। सीआरपीसी की धारा 207 आरोपी को पुलिस रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों की प्रति उपलब्ध कराने से संबंधित है। सीबीआई ने सितंबर 2007 में सिंह के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था।

पुणे में बेची जा रही मेड इन पाकिस्तान बेडशीट

पुणे, 6 जून (एजें.)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में एक बेडशीट पर मेड इन पाकिस्तान का टैग मिलने से हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गयी है। एक स्थानीय महिला ने दावा किया है कि उसने संकष्टी चतुर्थी मेले से यह बेडशीट खरीदी थी। बेडशीट को घर पर धोने के बाद उसने उस पर लगा टैग देखा। इस टैग में मेड इन पाकिस्तान लिखा हुआ था। इसके बाद महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर सवाल उठाया कि पाकिस्तान में निर्मित उत्पाद स्थानीय बाजारों तक कैसे पहुंच रहे हैं। महिला ने यह बेडशीट चिंचवड़ स्थित मोर्या गोसावी मंदिर परिसर के पास आयोजित संकष्टी चतुर्थी मेले से खरीदी थी।

एमपी में 10 साल में 33 लाख से ज्यादा बच्चों ने छोड़ा प्राइमरी स्कूल

भोपाल, 6 जून (एजें.)। मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा को लेकर एक बेहद चिंताजनक रिपोर्ट सामने आयी है। नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 202425 के ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश पिछले एक दशक में प्राथमिक स्कूली बच्चों के दाखिले के मामले में देश के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। आंकड़े बताते हैं कि एक दशक पहले मध्य प्रदेश का प्राइमरी स्कूल एनरोलमेंट रेशियो करीब 109.3% हुआ करता था, जो अब लगभग 30 फीसदी गिरकर महज 76.3% पर सिमट गया है। देश के किसी भी बड़े राज्य में यह गिरावट सबसे बड़ी और चौंकाने वाली है। इस मामले में मध्य प्रदेश की स्थिति केवल बिहार (77.2%),गुजरात (79.6%), उत्तर प्रदेश (83.1%) और राजस्थान (88.3%) जैसे राज्यों के समकक्ष या उनसे भी बदतर हो चुकी है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य प्रदेश जैसे बड़ी आबादी वाले राज्य में इस स्तर की गिरावट का मतलब है कि लाखों बच्चे औपचारिक प्राथमिक शिक्षा प्रणाली से बाहर हो चुके हैं। इसके पीछे स्कूलों तक पहुंच की कमी, बीच में पढ़ाई छोड़ना, परिवारों का पलायन या फिर डेटा एंट्री में लापरवाही जैसे गंभीर कारण हो सकते हैं। मध्य प्रदेश देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक है, इसलिए यहां प्रतिशत में मामूली बदलाव का असर भी लाखों बच्चों पर पड़ता है। इस भारी गिरावट के असली कारणों की पहचान करना बेहद जरूरी है। अगर बच्चे सच में स्कूल छोड़ रहे हैं, तो हमें मिड-डे मील को मजबूत करने, मुफ्त परिवहन, इंफ्रास्ट्रक्चर और कैश ट्रांसफर जैसी योजनाओं पर तुरंत काम करना होगा। इसके विपरीत, देश के छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस मोर्चे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

निर्देशक सना ने जाह्नवी से विवाद के बीच मांगी माफी

मुंबई, 6 जून (भा)। फिल्म निर्देशक बुची बाबू सना ने हाल में रिलीज हुई अपनी फिल्म पेद्दी में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार के चित्रण को लेकर हो रही आलोचनाओं के बाद आज सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि फिल्म की टीम ने दर्शकों की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लिया है और इसमें आवश्यक बदलाव किये जाएंगे। खेल की पृष्ठभूमि पर बनी इस एक्शन फिल्म में अभिनेता राम चरण मुख्य भूमिका में है। यह तेलुगु फिल्म उस समय विवादों से घिर गयी जब दर्शकों के एक वर्ग ने आलोचना करते हुए कहा कि इसके फिल्मांकन, संवाद तथा चरण व जाह्नवी के बीच के रूमानी श्यों के माध्यम से महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश किया गया है। फिल्म के एक खास श्य की तीखी आलोचना हो रही है, जिसमें राम चरण का किरदार बिजली चले जाने की आड़ में जाह्नवी कपूर के किरदार अचियम्मा के साथ अनुचित व्यवहार करता दिख रहा है। इंटरनेट पर लोगों ने इस श्य को यौन उत्पीड़न करार दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किये गये एक बयान में बाबू सना ने कहा कि सिनेमा वह है जो दर्शकों का मनोरंजन करे, उन्हें प्रेरित करे और उनसे जुड़े तथा इससे कोई भी असहज या अपमानित महसूस नहीं करे। निर्देशक ने कहा कि टीम ने दर्शकों की प्रतिक्रिया की समीक्षा की और विवादित श्यों में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इससे पहले उप्पेना जैसी फिल्म बनाने वाले सना ने जिम्मेदारपूर्ण तरीके से कहानियां पर्दे पर लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। हालांकि, अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह फिल्म 1980 के दशक की ग्रामीण आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है। पेद्दी में एक निचली जाति के ग्रामीण के संघर्ष और यात्रा को दिखाया गया है, जो अपने समुदाय को पहचान और सम्मान दिलाने के लिए कुश्ती का सहारा लेता है। फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बमन ईरानी सहायक भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म चार जून को रिलीज हुई थी।

मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेतृत्व के बीच बैठक के नतीजे का इंतजार रहेगा : रामलिंगा रेड्डी

बेंगलुरु, 6 जून (भा)। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने आज संकेत दिया कि वह अपने इस्तीफे को लेकर कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच होने वाली चर्चा के नतीजे का इंतजार करने को तैयार हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी किसी विशेष विभाग की मांग नहीं की, बल्कि उन्हें केवल इस बात से निराशा हुई कि जो आश्वासन उन्हें दिया गया था, वह पूरा नहीं किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रेड्डी ने कल इस्तीफे की घोषणा की थी, क्योंकि उन्हें बेंगलुरु विकास विभाग के बजाय बड़े और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गयी थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवकुमार और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव रणदीप सुरजेवाला समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे का समाधान निकालने के प्रयास में लगे हुए हैं। रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि सुरजेवाला ने मुझसे अपना इस्तीफा वापस लेने की अपील की है। साथ ही उन्होंने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह भी कहा है कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कल एक होटल में उनकी शिवकुमार के साथ विस्तृत चर्चा हुई थी और इस संबंध में आगे भी बातचीत जारी है। रेड्डी ने कहा कि कल शिवकुमार ने कहा था कि वह मेरे घर आएंगे, लेकिन मैं घर पर नहीं था। बाद में हम एक होटल में मिले। हमने सभी मुद्दों पर चर्चा की। आज भी मैंने सुरजेवाला से उन सभी विषयों पर बात की, जिन पर कल चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री और सुरजेवाला बैठक करेंगे। वे कल हमारी बातचीत के सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उसके बाद वे क्या फैसला लेते हैं, देखते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कोई वैकल्पिक प्रस्ताव दिया गया है, उन्होंने कहा कि वह पहले ही पार्टी नेतृत्व के सामने अपना पक्ष रख चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब कल हमारी बातचीत हुई, तब मैंने अपनी राय स्पष्ट कर दी थी। मैं कभी कुछ मांगने नहीं गया। प्रस्ताव उन्होंने स्वयं दिया था। बाद में कुछ अपरिहार्य कारणों से स्थिति बदल गयी। वरिष्ठ नेता ने दोहराया कि उन्होंने कभी मंत्री पद या किसी विशेष विभाग के लिए पैरवी नहीं की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी इसकी मांग नहीं की। प्रस्ताव उन्होंने खुद दिया था। सिर्फ अभी नहीं, बल्कि 1993 में जब मैं पहली बार मंत्री बना था, तब भी मैंने कोई पैरवी नहीं की थी। मैंने कभी किसी मुख्यमंत्री से किसी विशेष विभाग की मांग नहीं की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें शिवकुमार और सुरजेवाला के बीच होने वाली चर्चा से सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है, तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता। मैं फोन करके पता करूंगा। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि दोनों नेताओं ने उनसे इस्तीफे पर अड़े न रहने का आग्रह किया है।

पृष्ठ 1 का शेष

फिरोजपुर में ...

अधिकारी डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि गंभीर हालत वाले मरीजों को फरीदकोट स्थित गुरु गोबिंद सिंह सरकारी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। फिरोजपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भूपिंदर सिंह अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सिंह ने कहा कि पुलिस दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। दुर्घटना में अंशप्रीत सिंह (12) को मामूली चोटें आयी हैं। उसने बताया कि वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपनी दादी पूरू बाई (62) की अस्थियां विसर्जित करने जा रहा था। अंशप्रीत ने कहा कि हम तड़के साढ़े तीन बजे निकले थे। सबकुछ सामान्य था और हम ईंधन भरवाने के लिए भी रुके थे। जैसे ही हम जंगावाला मोड़ के पास पहुंचे, हादसा हो गया। मृतकों की पहचान करनैल सिंह, लक्ष्मी रानी, सुखविंदर कौर, भागो रानी, माया बाई, सुरिंदर सिंह, राजकुमार, दर्शन सिंह और विद्या रानी के रूप में हुई है।

प्रधान का पद...

ऑन मार्क पोर्टल पर सबकुछ ठीक है, सीबीएसई को आखिरकार कोएम्पट की अक्षमता को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत डेटा उल्लंघन की सार्वजनिक स्वीकृति के साथ हुई और यह 19 वर्षीय निसर्ग अधिकारी द्वारा साइबर सुरक्षा कमजोरियों की रिपोर्ट किये जाने के महीनों बाद हुआ। रमेश ने कहा कि अब यह और भी स्पष्ट हो गया है, क्योंकि रिपोर्ट सामने आ रही हैं कि सीबीएसई ने आईआईटी विशेषज्ञों और स्वयं निसर्ग द्वारा दी गयी जानकारी का उपयोग करके 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा की पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए अपना खुद का प्लेटफॉर्म बनाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मंत्री प्रधान को इन गलतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। रमेश ने दावा किया कि यह सब उनकी निगरानी में, या तो उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण, या उनकी अपनी अक्षमता और शासन के प्रति उदासीन रवैये के कारण हुआ है। किसी भी तरह, उनका पद पर बने रहना लाखों छात्रों और उनके परिवारों का अपमान है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि मंत्री प्रधान समझौतावादी मंत्रालय चलाने वाले एक अहंकारी और अक्षम व्यक्ति के रूप में बेनकाब हो गये हैं।

प्लास्टिक मुद्रा...

निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हम इसके फायदे और नुकसान दोनों का अध्ययन कर रहे हैं और यह भी देख रहे हैं कि इसे लागू करना कितना लाभदायक होगा। फिलहाल यह प्रक्रिया शुरुआती स्तर पर है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केंद्रीय बैंक फिलहाल पॉलिमर मुद्रा के संभावित लाभों और उससे जुड़ी चुनौतियों का मूल्यांकन कर रहा है। इसके बाद ही यह तय किया जाएगा कि देश में प्लास्टिक नोटों को लागू किया जाए या नहीं। इस दौरान आरबीआई गवर्नर ने यह भी भरोसा दिलाया कि बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त मात्रा में नकदी उपलब्ध है और यदि किसी क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर नकदी की कमी होती है तो केंद्रीय बैंक तुरंत आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कहीं नकदी की कमी होती है तो हम निश्चित रूप से उस कमी को पूरा करेंगे। मल्होत्रा ने कहा कि एटीएम और बैंक शाखाओं के लिए पर्याप्त मुद्रा भंडार उपलब्ध है। जहां भी जरूरत होगी, वहां तेजी से नकदी पहुंचाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि यदि किसी एक-दो स्थानों पर एटीएम में नकदी की कमी होती है, तो वहां तुरंत और तेज गति से मुद्रा पहुंचाई जाए। आरबीआई गवर्नर की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है, जब केंद्रीय बैंक पॉलिमर नोटों की व्यवहार्यता की समीक्षा कर रहा है। हालांकि आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल पूरे बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और आम लोगों को नकदी की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पीएम मोदी...

है। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उन्होंने कल ईरान के चार ड्रोन को मार गिराया, जो होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद, अमेरिकी बलों ने ईरान के तटीय निगरानी रडार ठिकानों पर हमले किये। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ये ड्रोन समुद्री यातायात के लिए खतरा थे। इस क्षेत्र से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तेल और प्राकृतिक गैस का आयात-निर्यात करता है। इस ताजा टकराव ने संघर्ष विराम के टूटने और दोनों देशों के बीच फिर से सीधी जंग शुरू होने के डर को बढ़ा दिया है।

नीट री- एग्जाम...

सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। एनटीए के अनुसार सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और संदेश यह दावा कर रहे हैं कि नीट यूजी 2026 री-एग्जाम का प्रश्नपत्र पहले से उपलब्ध है या उसे पैसे देकर खरीदा जा सकता है। एजेंसी ने इन सभी दावों को पूरी तरह फर्जी बताया है। एनटीए का कहना है कि ऐसे संदेश छात्रों और उनके परिवारों को गुमराह करने के लिए फैलाये जा रहे हैं। परीक्षा से पहले इस तरह की अफवाहें फैलाकर कुछ लोग आर्थिक फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा प्रक्रिया की सुरक्षा में किसी तरह की कमी नहीं है और सभी जरूरी सुरक्षा उपाय लागू हैं।

स्नेह मिलन...

स्थापित परंपरा रही है, जिसे कोविड महामारी के दौरान बंद कर दिया गया था, लेकिन इस बार राज्यपाल की विशेष पहल पर इस ऐतिहासिक परंपरा को दोबारा पुनर्जीवित किया गया है। इस यादगार और अनौपचारिक कार्यक्रम के अंत में एक स्मृति समूह चित्र भी लिया गया।

नेपाल के लिए...

की साजिश रची गयी थी, लेकिन नेपाल की नयी सरकार ने दिल्ली आते ही ये साफ कर दिया है कि वो चीन के पुराने बोझ तले दबकर भारत के साथ रिश्ते खराब नहीं करने वाला है। होटल ताज में हुई इस हाई-प्रोफाइल बैठक में सीमा मसले से लेकर दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा के तमाम मुद्दों पर खुलकर बात हुई। विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि मैं नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की तरफ से भारत के लोगों और यहां की सरकार को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। नेपाल की नयी सरकार को जनता का जो स्पष्ट बहुमत मिला है, वो देश में गुड गवर्नेंस लाने और रिजल्ट ड्रिवन कूटनीति के लिए है। चीन का नाम लिए बिना नेपाल के विदेश मंत्री ने एक बहुत बड़ा बयान दे डाला। उन्होंने कहा कि हम कोई अतीत का बोझ लेकर आगे नहीं चल रहे हैं। पुरानी सरकारों ने क्या किया, क्या विवाद रहे, बालेन शाह उन कड़वाहटों में नहीं फंसना चाहते। बल्कि अपने सबसे करीबी पड़ोसी और महत्वपूर्ण साझेदार भारत के साथ एक नये युग के संबंध के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। भारत को सबसे ऊंची प्राथमिकता: नेपाल के विदेश मंत्री ने जयशंकर के सामने ये बात बिल्कुल साफ कर दी कि नेपाल की नजर में भारत हमेशा नंबर-1 रहेगा। उन्होंने कहा कि नेपाल, भारत के साथ अपने संबंधों को सबसे अधिक प्राथमिकता देता है। हमलोग इस नयी सरकार में भारत के साथ हर उच्च स्तर पर संपर्क और बातचीत करने को पूरी तरह तैयार हैं।

भाजपा छोड़ते...

चाहिए, बल्कि समाज के हर वर्ग को नेतृत्व का अवसर मिलना चाहिए। उनके नये आंदोलन का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर नेतृत्व तैयार करना बताया जा रहा है। अन्नामलाई का मानना है कि राजनीति में बदलाव तभी संभव है जब आम लोग निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने ऐसे राजनीतिक मॉडल की बात की, जिसमें स्थानीय समस्याओं के समाधान और जनता की भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए।

गिलगित-बाल्टिस्तान...

राजनीतिक प्रक्रिया चलाने का कोई अधिकार नहीं है। चुनाव कराने जैसी गतिविधियां वहां की जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकतीं। गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को 10 जिलों की 24 सीटों पर मतदान कराया जाएगा। यह भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का हिस्सा है। हालांकि, यह पाकिस्तान के कब्जे में है। इसी वजह से वहां होने वाले हर चुनाव या राजनीतिक कदम पर भारत आमतौर पर आपत्ति दर्ज कराता है।

बीस हजार...

कहा कि 20,000 किलोमीटर की रिकॉर्ड दूरी पर सफल कार्डियक टेली-सर्जरी भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा तय करती है। उन्होंने कहा कि अब दुनिया के किसी भी कोने में बैठे मरीज तक विशेषज्ञ सर्जिकल सेवाएं पहुंचाना संभव हो सकेगा। यह उपलब्धि गुयाना के राष्ट्रीय रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ दर्ज की गयी। उद्घाटन दिवस पर तीन सफल रोबोटिक सर्जरियां भी की गईं। उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि गुयाना की 60वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के अवसर पर हासिल की गयी। एसएसआई मंत्रा की टेली-सर्जरी तकनीक को विशेष रूप से लंबी दूरी और उच्च नेटवर्क लेटेंसी वाले वातावरण में भी सटीक प्रदर्शन के लिए विकसित किया गया है। कंपनी के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से अब तक विश्वभर में 173 से अधिक टेली-सर्जरियां सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। गौरतलब है कि एसएसआई मंत्रा रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम को भारत सहित 14 देशों में नियामकीय स्वीकृति मिल चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि न केवल भारतीय चिकित्सा क्षेत्र बल्कि मेड इन इंडिया तकनीक की वैश्विक स्वीकार्यता का भी महत्वपूर्ण प्रमाण है।

यूएन में ...

प्रति-उत्पादक दृष्टिकोण का प्रमाण है। वे पाकिस्तान को याद दिलाना चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य होना एक बड़ी जिम्मेदारी की तरह है। उन्होंने आगे कहा कि यह पक्षपातपूर्ण और झूठे बयान फैलाने का मंच नहीं है। हरिश की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर से कल संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर अपने संबोधन के दौरान जम्मू और कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद आयी। अपने संबोधन में भारतीय राजदूत ने यह भी स्पष्ट किया कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। पाकिस्तान के खोखले बयान और झूठे दावे इस मूलभूत वास्तविकता को बदल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के व्यापक सदस्यों के हित में मैं इस विषय पर और अधिक चर्चा नहीं करूंगा।

मैंने यूसुफ ...

हैं। ममता ने मुझे कभी भी यूसुफ तक कोई संदेश पहुंचाने के लिए नहीं कहा। न ही मैंने यूसुफ से इस तरह के किसी मैसेज को लेकर कभी संपर्क किया। मुझे राजनीति से कभी मतलब नहीं रहा। मीडिया से अपील है कि फैक्ट कन्फर्म किये बिना अफवाहों और अटकलों पर बनी खबरें पब्लिश न की जाएं। युसुफ पठान की जुड़ी खबर पब्लिश करने से पहले आरोपों की सत्यता की जांच की जानी चाहिए थी। यूसुफ पठान ने 2024 में टीएमसी के टिकट पर कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से हराया था। अधीर रंजन 2019 से 2024 तक लोकसभा में कांग्रेस सांसद दल के नेता था। यूसुफ पठान ने 2024 में टीएमसी के टिकट पर कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर लोकसभा सीट से हराया था। अधीर रंजन 2019 से 2024 तक लोकसभा में कांग्रेस सांसद दल के नेता था। 2024 के लोकसभा चुनावों में यूसुफ पठान ने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को 85 हजार वोटों से हराया था। अधीर उस सीट से लगातार 5 बार चुनाव जीतते आ रहे थे। इसके बाद से इस सीट को टीएमसी के लिए एक सेफ सीट की तरह देखा जाने लगा क्योंकि यहां 50-52% मुस्लिम आबादी के वोट हैं, जो बंगाल में टीएमसी के कोर वोटर माने जाते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता और मौजूदा सीएम शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर 15 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। तीन बार बंगाल की मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुकीं ममता बनर्जी अब विधायक भी नहीं हैं। शुभेंदु ने लगातार दूसरी बार ममता को विधानसभा चुनाव हराया था। 2026 से पहले 2021 में भी उन्होंने ममता को नंदीग्राम विधानसभा से हराया था। ममता इस समय राज्यसभा जाने की भी स्थिति में नहीं हैं। उनके 80 में से 58 विधायकों ने पार्टी से बगावत करके अलग गुट बना लिया है। टीएमसी के बागी विधायक पार्टी सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से नाराज बताये जा रहे हैं। टीएमसी के बागी विधायक पार्टी सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से नाराज बताये जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर चल रहे राजनीतिक संकट के बीच, पार्टी से निकाले गये नेता संदीपन साहा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर किसी को भी अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बोलने की इजाजत नहीं थी। टीएमसी की हार के बावजूद, नेताओं को डायमंड हार्बर के सांसद की तारीफ करने का निर्देश दिया गया था।

दिल्ली में कॉकरोच...

से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे। अभिजीत दीपके सुबह अमेरिका से दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वे डेढ़ घंटे बाद बाहर निकले। अभिजीत सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ जंतर-मंतर के लिए रवाना हुए। हाथ अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी थी। अभिजीत जंतर-मंतर पहुंचे। यहां समर्थकों ने स्वागत किया और लोगों से बातचीत की। दीपके ने अपने समर्थकों के बीच 5 बार छोटी-छोटी स्पीच दी। इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाये गये। दीपके की तबीयत बिगड़ गयी। उन्हें गाड़ी में बैठाया गया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। वे सोनम वांगचुक के साथ रवाना हो गये। प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, सीपीआई नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं। सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गयी थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किये गये थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाये रखने की हिदायत दी गयी थी। अभिजीत ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा। शिवेसना (उद्धव) के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी। अखिलेश यादव ने सीजेपी प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा है कि गुरूरमंद हुक्मरानों तक पहुंचे ये आवाज, अब नौजवानों ने भी कर दिया है इंकलाब। एनसीपी (एपसी) के महासचिव रोहित पवार ने कहा कि सीजेपी मिल रहा समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है। 30 साल के अभिजीत महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल, अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशंस से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक आम आदमी पार्टी (आप) के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत आप के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर अभिजीत अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

दिल्ली से ...

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2026-27 के वित्तीय वर्ष के लिए राज्य को 14,205 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। रेलवे मंत्री ने बताया कि डबल-इंजन सरकार के तहत राज्य में बुनियादी ढांचे को तेजी से विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में, आगामी पांच वर्षों के भीतर कोलकाता मेट्रो में 60 नयी नेक्स्ट-जेनरेशन ट्रेनें शामिल की जाएंगी। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान कोलकाता में 45 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल को देश के अन्य राज्यों से पहले वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत ट्रेनें उपलब्ध करायी गयी हैं। भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, जो साबरमती (अहमदाबाद) और मुंबई के बीच बन रही है, पर भी अपडेट दिया गया है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर ट्रेन 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। यह परियोजना 2017 में शुरू हुई थी, लेकिन भूमि अधिग्रहण और अन्य तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई। मंत्री ने बताया कि अब इसका उद्घाटन रन अगस्त 2027 में सूरत और वापी के बीच 100 किलोमीटर की दूरी पर होगा। साबरमती-मुंबई कॉरिडोर के संबंध में मंत्री ने बताया कि यदि ट्रेन चार स्टेशनों पर रुकती है, तो वह मुंबई से अहमदाबाद की दूरी 1 घंटे 58 मिनट में तय करेगी। सभी 12 स्टेशनों पर ठहराव के साथ यह समय 2 घंटे 17 मिनट होगा। इसके अतिरिक्त, सिग्नलिंग सिस्टम को लेकर भी काम चल रहा है। साथ ही, रेलवे मंत्रालय ने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को एक स्वदेशी हाई-स्पीड ट्रेन विकसित करने का निर्देश दिया है, जो 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम होगी।

अमेरिका की...

निगरानी करने का विशेष प्रयास कर रहा है। अमेरिका के एक मौजूदा अधिकारी के अनुसार, डीआईए के आकलन में सात पेज का एक दस्तावेज और एक चार्ट शामिल है। अधिकारी के मुताबिक, दस्तावेज में कहा गया है कि इस्राइल की मानव जासूसी और तकनीकी डेटा संग्रह करने की क्षमता गंभीर स्तर पर है। अधिकारी ने यह भी बताया कि इसमें कई विशिष्ट घटनाओं का उल्लेख है, जिनसे अमेरिका की चिंताएं बढ़ गयी हैं। वाशिंगटन डीसी स्थित इजरायली दूतावास के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह कहना पूरी तरह गलत है कि इस्राइल अमेरिका की जासूसी करता है। प्रवक्ता ने कहा कि इस्राइल अमेरिकी संस्थाओं, यहां तक कि अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की भी खुफिया जानकारी इकट्ठा नहीं करता है। इस्राइल की खुफिया जानकारी जुटाने की कोशिशें उसके दुश्मनों पर केंद्रित हैं, ना कि उसके सहयोगियों पर। इसके विपरीत कोई भी दावा या तो गलत जानकारी पर आधारित है या राजनीतिक रूप से प्रेरित है। पेंटागन ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि यह पूरी कहानी झूठी है और इसका स्रोत वह व्यक्ति है, जिसे इस मामले की कोई जानकारी नहीं है।

महाभारत के संजय का पुनर्जन्म थे स्वामी रामसुखदास जी महाराज?

मनोज चांडक नायाब
मो.न.-9859913535

महाभारत में गीता का ज्ञान जब श्रीकृष्ण ने दिया तो उसको भगवान श्रीमुख से प्रत्यक्ष रूप में सिर्फ 5 लोगों ने सुना, अर्जुन, संजय, अर्जुन के रथ पर पताका के रूप में हनुमान एवं बर्बरीक ने, इसके अलावा 5वें व्यक्ति थे धृतराष्ट्र, मगर धृतराष्ट्र ने सीधे श्रीकृष्ण के मुख से गीता नहीं सुनी अपितु संजय ने उनकी दिव्य दृष्टि के माध्यम से सुनाई थी और यह बात विद्यार्थी जानते हैं कि कोई चैप्टर सुनकर उसका बोलकर वाचन किया जाए तो वह स्मृति में स्थायी रूप से स्थान बना लेती है।

अब जो कहने जा रहा हूं, यह बात प्रथम दृष्टि में अविश्वसनिय लगेगी हालांकि यह बात पूर्ण रूप से प्रामाणिक तो नहीं मगर अविश्वसनीय भी नहीं क्योंकि हर वो बात जो प्रमाणित नहीं की जा सकती व असत्य ही है यह आवश्यक नहीं। वो बात यह है कि क्या स्वामी श्री रामसुखदास जी संजय का ही पुनर्जन्म है क्योंकि गीता की इतनी सूक्ष्म व्याख्या किसी ने नहीं की।

अधिकतर संतों ने इसका शाब्दिक अर्थ ही समझाया है मगर उन शब्दों में छुपी सूक्ष्म बातों को विस्तारपूर्वक और एक अलग दृष्टिकोण से समझाया है तो स्वामी रामसुखदास जी महाराज ने और यह विलक्षण कार्य कोई साधारण मनुष्य नहीं कर सकता, कोई दिव्य पुरुष ही कर सकता है ऐसा मेरा मानना है।

यह बात मुझे एक बार में विश्वसनीय नहीं लगी मगर जैसे ही मैंने स्वामी राजेन्द्र दास जी देवाचार्य के मुंह से यह सुना तो मुझे सोचने हेतु विवश अवश्य किया, पंजाब की होशियारपुर में पंडित अमृतानंद भृगु शास्त्री का कहना है कि स्वामी रामसुखदासजी महाराज महाभारत के संजय ही है उन्हीं का पुनर्जन्म है। यह बात सिर्फ उनको ही समझ में आएगी जिनको ऐसा लगता हो कि ईश्वर और आध्यात्म महसूस करने की चीज़ है।

भौतिक रूप से हर चीज़ को प्रमाणित नहीं किया जा सकता। आस्था और विज्ञान दो अलग-अलग क्षेत्र हैं। आस्था एक सॉफ्टवेयर है जो भौतिक रूप से दिखता नहीं मगर *सब कॉन्शियस माइंड* में डाउनलोड रहती है अथवा करनी पड़ती है और संतों के प्रवचन के माध्यम से इस सॉफ्टवेयर को *इंस्टाल* और *एक्टिव* करना होता है।

स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज गीता के मर्मज्ञ थे। उन्होंने पूरा जीवन गीता के प्रचार-प्रसार में खपा दिया था उन्होंने स्वयं यह बात कही कि वह जितनी बार गीता की व्याख्या करते हैं उतनी बार कोई न कोई नई बात होती है, इसलिए यदि आपको गीता को विस्तृत एवं सम्पूर्ण रूप से समझना हो तो स्वामी जी के सिर्फ एक गीता उपदेश को सुन लेना पर्याप्त नहीं है।

वो हर बार कोई न कोई नई बात बताते हैं क्योंकि गीता एक जटिल अर्थों वाला आध्यात्मिक साहित्य है। किसी *गूगल* में ऐसी क्षमता नहीं की उसके गूढ़ अर्थों को ट्रांसलेट कर समझा सके, इसके लिए तो आपको स्वामी जी के साहित्य को ही पढ़ना होगा क्योंकि मेरा ही नहीं बल्कि उन सबका मानना है जिन्होंने स्वामीजी को ज़रा भी पढ़ा-सुना है कि ऐसे विलक्षण संत निकट समय में नहीं हुए हैं जिन्होंने कोई सरकारी पुरस्कार या सम्मान नहीं लिया, जो प्रचार की लालसा से सदैव दूर रहे, जिनका बैंक तो था ही नहीं बल्कि कैश इन हैंड भी शून्य था।

शून्य का मतलब वाकई शून्य जिनकी कोई तस्वीर ही न हो जिन्होंने न तो कोई आश्रम खोला न ही कोई शिष्य बनाया न ही कोई गुरु अब आप तपाक से प्रश्न करेंगे की ईश्वर की प्राप्ति एवं मार्गदर्शन के लिए गुरु तो होना ही चाहिए फिर स्वामीजी के कोई गुरु क्यों नहीं है तो पुनः यह बात प्रमाणित होती है कि स्वामीजी स्वयं एक विलक्षण पुरुष थे। उन्होंने गीता को ही अपना गुरु मान लिया था।

इस कलयुग में कौन ऐसा व्यक्ति है जो स्वामी रामसुखदास जी महाराज का गुरु बनने की पात्रता रखता हो क्योंकि जिसने स्वयं कृष्ण को अपना गुरु मान लिया हो उसका कोई और गुरु कैसे होगा।

हमारे में और स्वामीजी के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि हम आज भी यह चाहते हैं कि स्वामीजी की फ़ोटो मंदिर में लगा लें, यदि मिल जाए तो, स्वामीजी के लिए सरकार से भारत रत्न की मांग करें, स्वामीजी के नाम पर पुरस्कार रखें जाएं, स्वामीजी के नाम पर संस्था बनाएं, स्वामीजी की जीवनी लिखें, मगर स्वामीजी ने अपनी वसीयत में इन सब चीजों पर प्रतिबंध लगा दिया, कितनी दूर दृष्टि थी उनकी अन्यथा हम यही सब करते।

सिर्फ स्वामीजी जी को भगवान बना कर पूजने लगते और इस चक्कर में भगवान से ही विमुख हो जाते और स्वामीजी के वचनों और प्रवचनों को छोड़कर सिर्फ स्वामीजी का ही प्रचार करते। आप यह बात एक लाइन में जान लिजिए कि स्वामीजी का तात्पर्य यह था की संत रामसुखदास महत्वपूर्ण नहीं है, उनके विचार, उनकी वाणी उनका आध्यात्मिक ज्ञान महत्वपूर्ण है।

रंग, राग और रचना : जीवन में कला का उत्सव

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।

कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है।

खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है। कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सुदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं।

इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।

इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।

यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है।

डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन-फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं।

इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डेलडई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डेलडई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है।

वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं।

वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है।

अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

श्री बालकृष्ण जी कुमावत

रामराज्य में प्रकृति और पर्यावरण

पर्यावरण दो शब्दों का संयोजन है-परि तथा आवरण। *परि* का आशय चारों ओर तथा *आवरण* का ढकना या आच्छादन करना है। आकाश, वायु, जल, अग्नि एवं पृथ्वी- इन पांचों तत्वों की विशुद्धि और पवित्रता से संपूर्ण परिवेश परिशुद्ध हो जाता है और इनमें विकार आ जाने से वातावरण दूषित हो जाता है।

हमारी प्राचीन संस्कृति अरण्य-संस्कृति या तपोवन-संस्कृति के नाम से जानी जाती रही है, पर आज के विकासवाद से उसका रूप प्रायः अस्तित्व-विहीन-सा हो रहा है। जिस प्रकार शरीर में वात-पित्त कफ का असंतुलन हमें रुग्ण कर देता है, उसी प्रकार भूमि, जल, वायु आदि में असंतुलन होने पर प्रत्येक जीव-जंतु, पेड़-पौधे और मानव पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रदूषित पर्यावरण अनेक रोगों को जन्म देता है। इसे नियति न समझकर मानव द्वारा प्रस्तुत विकृति कहना अधिक ठीक होगा। इसके लिए सचेष्ट रहने की आवश्यकता है।

श्रीरामचरितमानस में तुलसीदास जी ने इस बात पर पर्याप्त प्रकाश डाला है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के सिंहासन पर आसीन होते ही सर्वत्र हर्ष व्याप्त हो गया, सारे भय-शोक दूर हो गए एवं दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति मिल गई। इसका प्रमुख कारण यह है कि रामराज्य में किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं था। इसीलिए कोई भी अल्पमृत्यु, रोग-पीड़ा से ग्रस्त नहीं था, सभी स्वस्थ, बुद्धिमान, साक्षर, गुणज्ञ, ज्ञानी तथा कृतज्ञ थे।

राम राज बैठे त्रैलोका। हरषित भए गए सब सोका॥ बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोई॥ दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा॥ अल्पमृत्यु नहिं कवनिउ पीरा। सब सुंदर सब बिरुज सरीरा॥ नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना। नहिं कोउ अबुध न लच्छन हीना॥ सब गुनग्य पंडित सब ग्यानी। सब कृतज्ञ नहिं कपट सयानी॥ राम राज नभगेस सुनु, सचराचर जग माहिं। काल कर्म सुभाव गुन कृछुत, दुख काहुहि नाहिं॥ (रा.च.मा. 7।20।7-8; 21।1, 5-6, 8; 21)

वाल्मीकि रामायण में श्रीभरत जी रामराज्य के विलक्षण प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहते हैं, राघव! आपके राज्य पर अभिषिक्त हुए एक मास से अधिक समय हो गया। तब से सभी लोग निरोग दिखाई देते हैं। बूढ़े प्राणियों के पास भी मृत्यु नहीं फटकती है। स्त्रियां बिना कष्ट के प्रसव करती हैं। सभी मनुष्यों के शरीर हृष्ट-पुष्ट दिखाई देते हैं। राजन! पुरवासियों में बड़ा हर्ष छा रहा है। मेघ अमृत के समान जल गिराते हुए समय पर वर्षा करते हैं। हवा ऐसी चलती है कि इसका स्पर्श शीतल एवं सुखद जान पड़ता है। राजन नगर तथा जनपद के लोग इस पुरी में कहते हैं कि हमारे लिए चिरकाल तक ऐसे ही प्रभावशाली राजा रहें।

पाप से पापी की हानि ही नहीं होती अपितु वातावरण भी दूषित होता है, जिससे अनेक रोग उत्पन्न हो जाते हैं। रामराज्य में पाप का अस्तित्व नहीं है, इसलिए दुःख लेशमात्र भी नहीं है। पर्यावरण की शुद्धि तथा उसके प्रबंधन के लिए रामराज्य में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाती रहीं। वृक्षारोपण, बाग-बगीचे, फल-फूलवाले पौधे तथा सुगंधित वाटिका लगाने में सब लोग रुचि लेते थे। नगर के भीतर तथा बाहर का दृश्य मनोहारी था-*सुमन बाटिका सबहिं लगाईं। बिबिध भांति करि जतन बनाईं॥ लता ललित बहु जाति सुहाईं। फूलहिं सदा बसंत कि नाईं॥* (रा.च.मा. 7।28।1-2)

बापीं तड़ाग अनूप कूप मनोहरायत सोहहीं। सोपान सुंदर नीर निर्मल देखि सुर मुनि मोहहीं॥ बहु रंग कंज अनेक खग कूजहिं मधुप गुंजारहीं। आराम रम्य पिकादि खग रव जनु पथिक हंकारहीं॥ रमानाथ जहं राजा सो पुर बरनि कि जाइ। अनिमादिक सुख संपदा रहीं अवध सब छाइ॥ (रा.च.मा. 7।29।छ.29)

अर्थात सभी लोगों ने विविध प्रकार के फूलों की वाटिकाएं अनेक प्रकार के यत्न करके लगा रखीं हैं। बहुत प्रकार की सुहावनी ललित बेलें सदा बसंत की भांति फूला करती हैं। नगर की शोभा का जहां वर्णन नहीं किया जा सकता, वहां बाहर चारों ओर का दृश्य भी अत्यंत रमणीय है। रामराज्य में बावलियां और कूप जल से भरे रहते थे, जलस्तर भी काफ़ी ऊपर था। तालाब तथा कुओं की सीढ़ियां भी सुंदर और सुविधाजनक थीं।

जल निर्मल था। अवधपुरी में सूर्य-कुंड, विद्या-कुंड, सीता-कुंड, हनुमान-कुंड, वसिष्ठ-कुंड, चक्रतीर्थ आदि तालाब थे, जो प्रदूषण से पूर्णतः मुक्त थे। नगर के बाहर-अशोक, संतानक, मंदार, पारिजात, चंदन, चंपक, प्रमोद, आम्र, पनस, कदंब एवं ताल-वृक्षों से संपन्न अनेक वन थे।

गीतावली में भी सुंदर वनों-उपवनों के मनोहारी दृश्यों का वर्णन मिलता है-*बन उपबन नव किसलय, कुसुमित नाना रंग। बोलत मधुर मुखर खग, पिकबर, गुंजत भृंग॥* (गीतावली उत्तरकांड 21।3)

अर्थात अयोध्या के वन-उपवनों में नवीन पत्ते और कई रंग के पुष्प खिलते रहते थे, चहचहाते हुए पपीहा और सुंदर कोकिल सुमधुर बोली बोलते हैं और भौंरें गुंजार करते रहते थे।

रामराज्य में जल अत्यंत निर्मल एवं शुद्ध रहता था, दोषयुक्त नहीं। स्थान-स्थान पर पृथक-पृथक घाट बंधे हुए थे। कीचड़ कहीं भी नहीं होता था। पशुओं के उपयोग हेतु घाट नगर से दूर बने हुए थे और पानी भरने के घाट अलग थे, जहां कोई भी व्यक्ति स्नान नहीं करता था। नहाने के लिए राजघाट अलग से थे, जहां चारों वर्णों के लोग स्नान करते थे- *उत्तर दिसि सरजू बह निर्मल जल गंभीर। बांधे घाट मनोहर स्वल्प पंक नहिं तीर॥ दूरि फराक रुचिर सो घाटा। जहं जल पिअहिं बाजि गज ठाटा॥ पनिघट परम मनोहर नाना। तहां न पुरुष करहिं अस्नाना॥* (रा.च.मा. 7।28; 29।1-2)

रामराज्य में शीतल, मंद तथा सुगंधित वायु सदैव बहती रहती थी-*गुंजत मधुकर मुखर मनोहर। मारुत त्रिबिध सदा बह सुंदर॥* (रा.च.मा. 7।28।3)

पक्षी-प्रेम रामराज्य में अद्वितीय था। पक्षी के पैदा होते ही उसका पालन-पोषण किया जाता था बचपन से ही पालन करने से दोनों ओर प्रेम रहता था। बड़े होने पर पक्षी उड़ते तो थे किंतु कहीं जाते नहीं थे। पक्षियों को रामराज्य में पढ़ाया और सुसंस्कारित किया जाता था। *सुक सारिका पढ़ावहिं बालक। कहहु राम रघुपति जनपालक॥* (रा.च.मा. 7।28।7)

रामराज्य की बाजार-व्यवस्था भी अतुलनीय थी। राजद्वार, गली, चौराहे और बाजार स्वच्छ, आकर्षक तथा दीप्तिमान रहते थे। विभिन्न वस्तुओं का व्यापार करनेवाले कुबेर के समान संपन्न थे। रामराज्य में वस्तुओं का मोलभाव नहीं होता था। सभी दुकानदार सत्यवादी एवं ईमानदार थे-*बाज़ार रुचिर न बनइ बरनत, बस्तु बिनु गथ पाइए* (रा.च.मा. 7।28)

रामराज्य में तो यहां तक ध्यान रखा जाता था कि जो पौधे चरित्र-निर्माण में सहायक हैं, उनका रोपण अधिक किया जाना चाहिए। पर्यावरण-विशेषज्ञों तथा आयुर्वेदशास्त्र की मान्यता है कि तुलसी का पौधा जहां सभी प्रकार से स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है वहां चरित्र-निर्माण में भी सहायक है। यही कारण है कि रामराज्य में ऋषि-मुनि नदियों के तथा तालाबों के किनारे तुलसी के पौधे लगाते थे-*तीर तीर तुलसिका सुहाईं। बृंद बृंद बहु मुनिन्ह लगाईं॥* (रा.च.मा. 7।29।6)

रामराज्य में सब लोग सत्यप्रिय का अनुशीलन करते थे। चरित्रवान और संस्कारवान थे। सबके घरों में सुखद वाता-वरण था और सभी लोग शासन से संतुष्ट थे। जहां राजा अपनी प्रजा का पालन पुत्रवत करता हो वहां का समाज निश्चित ही सदा प्रसन्न एवं समृद्ध रहता है। उन अवधपुरवासियों की सुख-संपदा का वर्णन हज़ार शेष जी भी नहीं कर सकते, जिनके राजा श्रीरामचंद्र जी हैं-*सब के गृह गृह होहिं पुराना। रामचरित पावन बिधि नाना॥ नर अरु नारि राम गुन गानहिं करहिं दिवस निसि जात न जानहिं। अवधपुरी बासिन्ह कर सुख संपदा समाज। सहस सेष नहिं कहि सकहिं जहं नृप राम बिराज॥* (रा.च.मा. 7।26।7-8; 26)

इस प्रकार रामराज्य में किसी भी प्रकार का दूषित परिवेश नहीं था। राजा तथा प्रजा में परस्पर अटूट स्नेह, सम्मान और सामंजस्य था। मनुष्यों में जहां वैरभाव नहीं रहता वहां पशु-पक्षी भी अपने सहज वैरभाव को त्याग देते हैं। हाथी और सिंह एक साथ रहते हैं-परस्पर प्रेम रखते हैं। वन में पक्षियों के अनेक झुंड निर्भय होकर विचरण करते हैं। उन्हें शिकारी का भय नहीं रहता। गौएं कामधेनु की तरह मनचाहा दूध देती हैं।

रामराज्य में पृथ्वी सदा खेती से हरी-भरी रहती थी। चंद्रमा उतनी ही शीतलता और सूर्य उतना ही ताप देते थे जितनी ज़रूरत होती थी। पर्वतों ने अनेक प्रकार की मणियों की खानें प्रकट कर दी थीं। सब नदियां श्रेष्ठ, शीतल, निर्मल, स्वादिष्ट और सुख देनेवाला जल बहाती थीं। जब जितनी ज़रूरत होती थी, मेघ उतना ही जल बरसाते थे-*फूलहिं फरहिं सदा तरु कानना। रहहिं एक संग गज पंचानना॥ खग मृग सहज बयरु बिसराई। सबन्हि परस्पर प्रीति बढ़ाई॥ कूजहिं खग मृग नाना बृंदा। अभय चरहिं बन करहिं अनंदा॥ लता बिटप मागें मधु चवहीं। मनभावतो धेनु पय स्रवहीं॥ बिधु महि पूर मयूखन्हि रबि तप जेतनेहि काजा। मागें बारिद देहिं जल रामचंद्र के राजा॥* (रा.च.मा. 7।23।1-3, 5; 23)

रामराज्य का वर्णन करते हुए गोस्वामी श्री तुलसीदासजी ने सूत्र रूप में यह संकेत दिया है कि पर्यावरण-संतुलन तथा पर्यावरण-प्रबंधन में शासक और प्रजा का संयुक्त उत्तरदायित्व होता है। दोनों के परस्पर सहयोग, स्नेह, सम्मान, सौहार्द तथा सामंजस्य से ही समाज एवं राष्ट्र को दोषमुक्त किया जा सकता है।

पर्यावरण-चेतना का शासक और प्रजा दोनों में पर्याप्त विकास होना चाहिए। राज्य की व्यवस्था में प्रजा का पूर्ण सहयोग हो और प्रजा की सुख-सुविधा का शासक पूरा-पूरा ध्यान रखे-यही रामराज्य का संदेश है।

व्यंग्य

हर आईना एक ही सवाल पूछे

चंचला बोरा

इंसानों का आइनों के प्रति आकर्षण सहज है। यह खिंचाव सभी संस्कृतियों, महाद्वीपों, और आयवर्गों में देखा जाता है। नॉर्वे में कहीं, एक व्यक्ति कैफे के बाथरूम के शीशे में अपनी दाढ़ी उसी गंभीरता से संवार रहा है, जितना भारत में सड़क किनारे खड़ी स्विफ्ट के साइड मिरर में कोई अपने बाल देख रहा है। यह सहज प्रवृत्ति सार्वभौमिक है। ट्रैफ़िक सिग्नल की लाल बत्ती सिर्फ़ ट्रैफ़िक नियंत्रण प्रणाली नहीं है। यह एक तरह का ब्रेक भी है। गाड़ियां रुकते ही लोग अपना चेहरा शीशे में चेक करने लगते हैं, चश्मा ठीक करने लगते हैं। स्कूटर सवार ऐसे बाल संवारता है मानो धनिया खरीदने नहीं, शैम्पू का विज्ञापन शूट करने जा रहा हो। कोई महिला ऑटो के साइड मिरर में अपना काजल देखती है, उसी ऑटो का चालक रियरव्यू मिरर में अपनी मूंछ देखता है कि कहीं सफ़र के दौरान हिल ना गई हो।

बच्चों को भी इस रस्म में शामिल कर लिया जाता है। पारंपरिक कपड़ों में एक छोटे लड़के को रिश्तेदार आईने के सामने खड़ा कर के बोलते हैं- देखो कितना सुंदर है! बच्चा खुद आश्वस्त नहीं दिखता।

लिफ्ट भी आत्म-जागरूकता का एक अहम केंद्र बन जाती है। लिफ्ट का दरवाजे बंद होते ही सन्नाटा छा जाता है। किसी को समझ नहीं आता कि कहां देखें। कहते हैं कि आंखें कहती है दिल की जुबां इसलिए कोई अजनबियों की ओर देखना नहीं चाहता। दस सेकंड तक फ्लोर का नंबर देखते रहने से सब अस्थिर हो जाते हैं। स्वाभाविक रूप से, सबकी नज़रें शीशे पर टिक जाती हैं। इसके बाद नाटक शुरू होता है। चुपचाप खुद को देखते हुए ये दिखाने का कि हम खुद को नहीं देख रहे हैं। छोटी-छोटी कमियां ठीक करने का सिलसिला तुरंत शुरू हो जाता है। बाल, दुपट्टे ठीक किए जाते हैं। कमीज़ की इस्त्री ठीक करने की कोशिश होती है। कोई पेट अंदर खींच लेता है।

शादियों में हर शीशा कब्ज़ा क्षेत्र बन जाता है। लोग सैन्य अभियानों की योजना बनाने जैसी गंभीरता से आइनों के पास इकट्ठा हो जाते हैं। चाची नौवीं बार साड़ी ठीक कर रही होती है। चचेरी बहन नेचुरल मुस्कान का अभ्यास कर रही होती है। ताऊजी, जिन्होंने 1987 से एक ही हेयरस्टाइल रखी है, अचानक बालों की वॉल्यूम और साइड-पार्टिंग को लेकर अपनी राय देने लगते हैं। हर पांच मिनट में आवाज़ आती है-*देखना ज़रा, ये ठीक है कि नहीं?* कोई नहीं बताता कि ये क्या है। इसका मतलब बाल, गहने, आईलाइनर, दुपट्टा, शेरवानी का कॉलर कुछ भी हो सकता है। बच्चों को भी इस रस्म में शामिल कर लिया जाता है। पारंपरिक कपड़ों में एक छोटे लड़के को रिश्तेदार आईने के सामने खड़ा कर के बोलते हैं-*देखो कितना सुंदर है!* बच्चा खुद आश्वस्त नहीं दिखता।

स्मार्टफोन का फ्रंट कैमरा सिर्फ फोटो खींचने के काम नहीं आता। लोग बीच-बीच में खुद को यूं ही देखने के लिए भी इसका इस्तेमाल करते हैं। देखने का भी कोई स्पष्ट उद्देश्य नहीं होता। चालीस सेकंड पहले ही चेहरा देखा था, तब से चेहरे में कोई बदलाव नहीं आया होता। फिर भी, इंसानी दिमाग यह सोचता है कि कुछ तो हुआ होगा। शायद बाल झड़ गए हों। शायद चेहरा तैलीय हो गया हो। शायद एक भौंह अपनी मनमर्ज़ी से हिल गई हो।

इन सब के बावजूद, कोई भी कभी पूर्णता तक नहीं पहुंच पाता। हर सुधार के बाद एक और शीशा और एक और गड़बड़ी। एक व्यक्ति अपने रूप-रंग से पूरी तरह संतुष्ट होकर घर से निकलता है। फिर वह शीशे वाली किसी इमारत के पास से गुजरता है और अचानक पाता है कि उसके पूरे अस्तित्व को पुनर्व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। यह प्रक्रिया कितनी आशापूर्ण है।

हर छोटा-सा सुधार विश्वास जगाता है। यह विश्वास कि इस एक अड़ियल बाल को सीधा करने से दिन बेहतर हो जाएगा, या कॉलर सीधा करने से गरिमा वापस मिल जाएगी या कि हमारे मन में बसी हमारी छवि और समाज को दिखाई देने वाली हमारी छवि अंततः एक बन सकती है। मनुष्य केवल घमंड के कारण दर्पण नहीं देखते। वे इसलिए देखते हैं क्योंकि प्रत्येक प्रतिबिंब मौन रूप से वही प्रश्न पूछता है : *देखना ज़रा, ये ठीक है कि नहीं?*

संक्षिप्त समाचार

प्रज्ञानंद ने रच दिया इतिहास

नॉर्वे चेस टाइटल जीतने वाले पहले भारतीय बने, विंसेंट कीमर को हराया

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। 20 साल के इस चेस स्टार ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर अपने अभियान का यादगार अंत किया। प्रज्ञानंद शुरुआत में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे सही समय पर आगे आए और अपना क्लासिकल गेम जीतकर तीन अहम अंक हासिल किए। इससे उनके कुल अंक 18 हो गए और उन्हें एलीट चेस के सबसे प्रतिष्ठित खिताबों में से एक जीतने में मदद मिली।

प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ चेन्नई में जन्मे इस स्टार खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश भी हासिल नहीं कर पाए थे। नॉर्वे चेस में दूसरी बार हिस्सा लेने वाले प्रज्ञानंद की शुरुआत छह खिलाड़ियों वाले इस बड़े टूर्नामेंट में धीमी रही, लेकिन इवेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने अपनी लय पकड़ ली। उनके इस सफर की सबसे बड़ी उपलब्धि नॉर्वे चेस के सात बार के चैंपियन और दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल चेस में दो बार हराना रहा। इस इवेंट में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश जब आखिरी दौर में मुकाबले से बाहर हो गए तो प्रज्ञानंद ने भारत की उम्मीदों को बनाए रखा और आखिरकार खिताब अपने नाम किया। यह तब संभव हुआ जब अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो, जो आखिरी राउंड से पहले 15.5 पॉइंट्स के साथ सबसे आगे थे, अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म करने को मजबूर हुए, जिससे उनका मुकाबला आर्मागेडन टाई-ब्रेक तक पहुंच गया। इस रिजल्ट ने प्रज्ञानंद के लिए रास्ता खोल दिया क्योंकि उन्हें पता था कि कीमर के खिलाफ क्लासिकल जीत उन्हें स्टैंडिंग में सबसे ऊपर पहुंचा देगी और एक यादगार खिताब दिला देगी।

फ्रेंच ओपन 2026

माजा च्वालिंस्का ने रचा इतिहास फाइनल में पहुंचने वाली बनीं पहली क्वालिफायर खिलाड़ी

पेरिस। पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही वह रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) के इतिहास में महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में अब तक कुल नौ मुकाबले जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग दौर और छह मैच मुख्य ड्रॉ में शामिल हैं। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली सिर्फ दूसरी क्वालिफायर बना दिया है। इससे पहले, यह कारनामा ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू ने 2021 यूएस ओपन में किया था, जहां उन्होंने खिताब भी जीता था।

सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने स्पिन, गति और शॉट्स की दिशा में लगातार बदलाव करते हुए श्नाइडर पर दबाव बनाए रखा। इसके साथ ही उनकी बेहतरीन फिटनेस, तेज मूवमेंट और मजबूत डिफेंस ने जीत में अहम भूमिका निभाई। च्वालिंस्का और श्नाइडर के बीच हुआ सेमीफाइनल मुकाबला दो घंटे 10 मिनट तक चला।

आयरलैंड-इंग्लैंड टी20 सीरीज और एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का ऐलान

श्रेयस अय्यर कप्तान वैभव को अवसर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। वहीं, तिलक वर्मा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। आईपीएल 2026 में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाले 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को दोनों सीरीज और एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह दी गई है। हर्षित राणा और रवि बिश्नोई की टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव को भी इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह दी गई है। हालांकि, उन्हें एशियन गेम्स के लिए टीम में जगह नहीं दी गई है। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जिताने वाले सूर्यकुमार यादव को किसी भी टीम में जगह नहीं दी गई है।

आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में रखा गया है। वहीं, ईशान किशन और शिवम दुबे को भी टीम में जगह दी गई है। अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालते नजर आएंगे, तो तिलक को उपकप्तान बनाया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी और अक्षर पटेल को भी टीम में शामिल किया गया है। वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती भी टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज के हाथों में सौंपी गई है, जबकि उनका साथ अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रिंस यादव देते हुए नजर आएंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टी20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, वैभव सूर्यवंशी, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और वैभव सूर्यवंशी।

जुरेल श्रीलंका ए के खिलाफ 2 चार दिवसीय टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए के कप्तान होंगे

आकिब नबी को भी मिली टीम में जगह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए टीम के खिलाफ होने वाली 2 चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान कर दिया है। 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में होने वाले 2 मैचों के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ईंडिया ए टीम की कप्तानी करेंगे। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार गेंदबाजी करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में जगह मिली है। देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है।

जुरेल और पडिक्कल के अलावा, बल्लेबाजी लाइन-अप में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीसन शामिल हैं। विदर्भ के बल्लेबाज अमन मोखाड़े और आंध्र के बल्लेबाज शेख रशीद को भी पहली बार इंडिया ए टीम में जगह मिली है। इस दौरे पर भारतीय बल्लेबाजों का मुख्य लक्ष्य स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में ढलना और लाल कूकाबुरा गेंद के साथ खेलने की आदत डालना होगा।

गेंदबाजी आक्रमण में नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ चल रहे एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टेस्ट टीम में भी बुलाया गया था। आकिब का चयन अहम है, क्योंकि उन्होंने इस साल की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी और 60 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे।

लेग-स्पिनर जीशान अंसारी और ऑफ-स्पिनर सारांश जैन के साथ ऑलराउंडर आयुष बडोनी स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

2 चार दिवसीय टेस्ट के लिए भारत की ए टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान, विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष बडोनी, देवदत्त पडिक्कल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीसन, अमन मोखड़े, शेख रशीद और जीशान अंसारी।

संकटमोचक बनकर उभरे केएल राहुल

मुल्लांपुर टेस्ट में जड़ा धमाकेदार शतक

मुल्लांपुर (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे एकमात्र ऐतिहासिक टेस्ट मैच से भारतीय फैंस के लिए एक बेहद शानदार खबर सामने आई है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के सस्ते में आउट होने के बाद, टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने मोर्चा संभाला और मुश्किल परिस्थितियों में एक बेहतरीन शतकीय पारी खेल डाली है। सीनियर खिलाड़ियों के बिना उतरी इस नई भारतीय टीम में केएल राहुल ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया और टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है।

दबाव में खेली दमदार पारी, मुल्लांपुर में गूंजा राहुल का नाम- मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में जब कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, तो शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। यशस्वी जायसवाल केवल 24 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। ऐसे समय में क्रीज पर उतरे केएल राहुल ने न सिर्फ एक छोर संभाला, बल्कि अफगानी गेंदबाजों की क्लास लगाते हुए अपने टेस्ट करियर का एक और यादगार शतक पूरा किया। राहुल ने अपनी इस पारी में क्लासिक शॉट्स और बेहतरीन रक्षात्मक खेल का नजारा पेश किया।

उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजों दोनों के खिलाफ मैदान के चारों तरफ रन बटोरे। उनके इस शतक की बदौलत भारतीय टीम मैच के पहले ही दिन अफगानिस्तान पर अपना शिकंजा कसने में कामयाब रही है।

कप्तान शुभमन गिल की धैर्यशील पारी, भारत के 335 पर 3 विकेट गिर चुके थे

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मैच का पहला दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही टीम इंडिया ने पहली पारी में 3 विकेट पर 335 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल 90 रन और ऋषभ पंत 36 रन क्रीज पर थे। गिल फिफ्टी पूरी कर चुके थे। राहुल 12वां शतक पूरा करने के बाद आउट हो गए। उन्हें जियाउर रहमान शरीफी ने रहमानुल्लाह गुरबाज के हाथों कैच कराया। राहुल ने घरेलू मैदान पर तीसरी सेंचुरी लगाई। टी-ब्रेक से पहले मोहम्मद सलीम ने साई सुदर्शन (81 रन) और यशस्वी जायसवाल (24 रन) को पवेलियन भेजा।

पाकिस्तान को हरा 18 एशिया कप के फाइनल में भारत

आशीष के 'चौके' से बदली देश की किस्मत

नई दिल्ली। जापान के शहर काकमिगाहारा में जारी अंडर 18 एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शुक्रवार (5 जून 2026) को टीम इंडिया ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने इस हाईवोल्टेज मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराया। भारतीय टीम अंतिम क्वार्टर तक 2-3 से पिछड़ रही थी। फिर अंतिम 15 मिनट में तीन गोल करते हुए भारत ने वापसी ही नहीं की, बल्कि फाइनल का टिकट भी पक्का कर लिया।

भारत के लिए इस जीत के हीरो रहे आशीष तनी पूर्ति जिन्होंने चार गोल इस मैच में किए। उन्होंने अंतिम क्वार्टर में तीन गोल करते हुए भारत को हार से बचाया ही नहीं बल्कि जिताकर फाइनल में भी पहुंचा दिया। अब फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की भिड़ंत 6 जून (शनिवार) को होम टीम जापान से होगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा।

मैच में दिखी कांटे की टक्कर- मैच की शुरुआत बेहतरीन थी और दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाया। भारत और पाकिस्तान दोनों के खिलाड़ियों ने पहले 11 मिनट तक एक भी गोल अपने खिलाफ नहीं होने दिया। फिर 12वें मिनट में भारत को पाकिस्तान की गलती से पेनल्टी स्ट्रोक मिला और आशीष पूर्ति ने इसे गोल में तब्दील कर दिया। भारत को पहले क्वार्टर में इस तरह 1-0 से बढ़त मिल गई।

आशीष ने आखिरी 15 मिनट में बदली किस्मत

आशीष तनी पूर्ति ने आखिरी 15 मिनट में भारतीय हॉकी टीम की किस्मत बदल दी। 46वें मिनट से पाकिस्तान की किस्मत खराब होना शुरू हुई और भारत की जीत की तरफ बढ़ने लगा। भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। 49वें मिनट में आशीष ने गोल दागा और स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। उसके बाद 53वें मिनट में आशीष ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत को 4-3 से बढ़त दिला दी। 56वें मिनट में आशीष का चौथा गोल आया और भारत ने 5-3 से लीड बना ली।

मलिंगा के साथ खेला क्रिकेट, अब जैवलिन में तोड़ा नीरज का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। रोम डायमंड लीग में श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरागे का जलवा देखने को मिला है। एक समय श्रीलंका की अंडर 18 क्रिकेट टीम में मौजूदा इंटरनेशनल गेंदबाज इशान मलिंगा के साथ गेंदबाजी करने वाले रुमेश ने अब एथलेटिक्स में अपना जलवा दिखाया है। रुमेश ने रोम में 92.62 मीटर की दूरी पर भाला फेंकते हुए नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

वह मौजूदा डायमंड लीग में पहले 90 मीटर से ज्यादा दूरी तक जैवलिन फेंकने वाले खिलाड़ी हैं।

रुमेश थरंगा ने नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग 2025 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम से वह पीछे रह गए। उनके नाम श्रीलंका का नेशनल रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। जबकि एशिया में वह सबसे दूरी तक जैवलिन फेंकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं ओवरऑल जैवलिन के इतिहास में वह 8वें बेस्ट जैवलिन थ्रोअर बन गए हैं।

डिलीवरी पार्टनर्स के लिए फ्लिपकार्ट ने लांच किया ईवी असिस्ट

नयी दिल्ली, 6 जून (ख.सं.)। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने डिलीवरी पार्टनर्स के लिए ईवी असिस्ट नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म लांच किया है। इस पहल के तहत डिलीवरी एग्जीक्यूटिव और विशमास्टर्स अपनी जरूरत और बजट के अनुसार किराये पर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्राप्त कर सकेंगे। फिलहाल यह सेवा 20 से अधिक शहरों में शुरू की गई है और दिल्ली-एनसीआर, पटना तथा बेंगलुरु में इसे लेकर सबसे अधिक रुचि देखी जा रही है। फ्लिपकार्ट का कहना है कि यह पहल 2030 तक अपनी लास्ट-माइल डिलीवरी फ्लीट को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाने के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी द्वारा 6,000 से अधिक डिलीवरी पार्टनर्स पर किये गये अध्ययन में पाया गया कि 46 प्रतिशत पार्टनर्स इलेक्ट्रिक वाहन अपनाना चाहते हैं, लेकिन वित्तीय सहायता, चार्जिंग सुविधाओं और भरोसेमंद विकल्पों की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती है। ईवी असिस्ट प्लेटफॉर्म पर डिलीवरी पार्टनर्स 1,000 से 2,000 रुपये प्रति सप्ताह के बजट में विभिन्न ईवी रेंटल विकल्प चुन सकते हैं। प्लेटफॉर्म के जरिये उन्हें सत्यापित मोबिलिटी प्रदाताओं से सीधे जुड़ने की सुविधा मिलेगी। वाहन की सर्विसिंग, रखरखाव और अन्य तकनीकी सहायता भी उपलब्ध करायी जाएगी। फ्लिपकार्ट ग्रुप के मुख्य कॉरपोरेट मामलों के अधिकारी रजनीश कुमार ने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को किफायती और सुलभ बनाकर लाखों डिलीवरी पार्टनर्स को इसका लाभ पहुंचाना कंपनी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल परिचालन लागत कम करेगी, बल्कि टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को भी बढ़ावा देगी।

आरएसपीएल ग्रुप ने पूरे किये 50 वर्ष

नयी दिल्ली, जून (ख.सं.)। देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में शामिल आरएसपीएल ग्रुप ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह मनाया। कंपनी ने इस अवसर पर अपनी पांच दशक लंबी यात्रा को भारत की विकास गाथा से जोड़ते हुए एक विशेष शॉर्ट फिल्म भी जारी की, जिसे अभिनेता एवं फिल्म निर्माता रजत कपूर ने स्वर दिया है। कानपुर से शुरू हुई आरएसपीएल की यात्रा आज देशभर में 24 से अधिक विनिर्माण इकाइयों तक पहुंच चुकी है। कंपनी का प्रमुख ब्रांड घड़ी डिटर्जेंट भी 50 वर्ष पूरे कर चुका है और वर्तमान में देश के लगभग 32 प्रतिशत घरों तक इसकी पहुंच है। आरएसपीएल ने कहा कि उसने हमेशा भारत में बना, भारतीयों के लिए बना की सोच को प्राथमिकता दी है। साबुन और डिटर्जेंट से शुरुआत करने वाला समूह आज हाइजीन, पर्सनल केयर, डेयरी, आइसक्रीम, खाद्य एवं पेय पदार्थ, फैशन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। समूह के निदेशक मनोज ज्ञानचंदानी ने कहा कि कंपनी गुणवत्ता, नवाचार और उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संयुक्त प्रबंध निदेशक राहुल ज्ञानचंदानी ने कहा कि करोड़ों उपभोक्ताओं का विश्वास ही आरएसपीएल की सबसे बड़ी पूंजी है। कंपनी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में अपने सामाजिक योगदान को भी आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

भेल और सेल के 'महारत्न' स्टेटस पर खतरा

सरकार ने दिया 1 साल का अल्टीमेटम

नई दिल्ली एजेंसी।: केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को उनके खराब वित्तीय प्रदर्शन को लेकर एक साल का अल्टीमेटम दिया है। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, अगर एक साल के भीतर इनके प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ, तो इनसे महारत्न का प्रतिष्ठित दर्जा छीनकर इन्हें नवरत्न कैटेगरी में डाल दिया जाएगा।

यह देश में पहला ऐसा मामला है जब किसी महारत्न कंपनी को दर्जा घटाने की चेतावनी के साथ नोटिस पर रखा गया है। कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन की अध्यक्षता वाली समिति ने यह सख्त सिफारिश की है।

क्यों आई ऐसी नौबत

एक सरकारी मूल्यांकन के अनुसार भेल और सेल पिछले तीन वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का औसत वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज करने के अनिवार्य नियम को पूरा करने में विफल रही हैं। इस कारण इन

कंपनियों से 'महारत्न' स्टेटस छिनने का खतरा मंडराया है।

14 में से सिर्फ 2 खरी उतरीं- देश की कुल 14 महारत्न कंपनियों में से केवल यही दो कंपनियां इस पैमाने पर खरी नहीं उतरीं।

सरकार ने नियमों को किया कड़ा- सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए वार्षिक प्रदर्शन नियमों को और कड़ा कर दिया है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (दायित्वों को पूरा न करने के भुगतान में देरी करने या सक्सेशन प्लान तैयार न करने पर भारी पेनाल्टी लगाई जाएगी और पूरे नंबर काट लिए जाएंगे। ये नियम वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे।

'रत्न' मानदंडों की होगी नई समीक्षा

बैठक में शामिल नीति आयोग के प्रतिनिधियों का मानना है कि महारत्न के लिए तय टर्नओवर, नेटवर्थ और लाभ के मानदंड वर्ष 2010 से अपरिवर्तित हैं और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं। इसी वजह से समिति ने लोक उद्यम विभाग को निर्देश दिया है कि वह साल 2025 की कीमतों के आधार पर इन मानकों की दोबारा समीक्षा करे।

दर्जा घटने से कंपनियों पर क्या असर पड़ेगा

यदि इन कंपनियों का महारत्न का दर्जा घटाकर नवरत्न किया जाता है, तो इनके बोर्ड की स्वायत्तता काफी कम हो जाएगी : महारत्न कंपनियां सरकार की मंजूरी के बिना 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकती हैं। वहीं नवरत्न कंपनियों के लिए यह सीमा केवल 1,000 करोड़ रुपये है।

सुधार के लिए मंत्रालयों की क्या है योजना

भारी उद्योग मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे मुनाफे को बढ़ाने के लिए एक विस्तृत टर्नअराउंड प्लान यानी सुधार योजना पेश करें। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि सेल का औसत वार्षिक टर्नओवर पिछले 4 वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक और औसत नेटवर्थ 53,976 करोड़ रुपये रही है। हालांकि, तीन साल के औसत मुनाफे का 5,000 करोड़ रुपये वाला पैमाना कंपनी ने आखिरी बार 2022-23 में छुआ था, जिसके बाद स्टील की कीमतों में उतार-चढ़ाव से मुनाफा घटा। नीति आयोग ने पाया कि भेल की मानव संसाधन नीतियां उसकी ग्रोथ में सबसे बड़ी बाधा हैं, जिनमें बड़े सुधार की जरूरत है। भारी उद्योग मंत्रालय ने भरोसा दिया है कि भेल के वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए एक नई योजना पर काम शुरू कर दिया गया है और इसके मुनाफे में सुधार भी दिखने लगा है।

5 साल में 1.44 लाख की गारंटी

● नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक है। यह ऐसे निवेशकों में काफी लोकप्रिय है जो कम जोखिम लेना चाहते हैं। साथ ही जो सरकार समर्थित निवेश विकल्प की तलाश में हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो और बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की दरें कम हों तो एनएससी उन निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें देता है जो लंबे समय के निवेश का विकल्प ढूंढ रहे हैं।

एनएससी पर अभी 7.7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। कई बैंकों की ओर से पांच साल की एफडी पर दी जाने वाली दरों से यह ज्यादा है। चूंकि एनएससी में निवेश करने पर पूरी अवधि के लिए ब्याज दर तय रहती है। इसलिए निवेशक आसानी से पता लगा सकते हैं कि पांच साल बाद मैच्योरिटी पर उन्हें कितनी रकम मिलेगी, चाहे भविष्य में ब्याज दरें कैसे भी बदलें।

- **एनएससी में 1 लाख का निवेश 5 साल बाद क्या देगा-** अगर आप एनएससी में मौजूदा 7.7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर 1 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो पांच साल बाद मैच्योरिटी पर यह निवेश बढ़कर लगभग 1,44,903 रुपये हो जाएगा। ब्याज का भुगतान मैच्योरिटी पर किया जाता है। यह सालाना कंपाउंडिंग के साथ मिलता है।
- **क्या एनएससी में निवेश पर टैक्स बेनिफिट मिलता है-** पुराने टैक्स सिस्टम को चुनने वाले टैक्सपेयर्स के लिए एनएससी में जमा की गई रकम इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80 प्रतिशत के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती के लिए योग्य है। नए टैक्स सिस्टम को चुनने वालों के लिए यह फायदा उपलब्ध नहीं है।
- **क्या अकाउंट ट्रांसफर किया जा सकता है-** अकाउंट को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर किया जा सकता है। शर्त यह है कि ट्रांसफर लेने वाला व्यक्ति एनएससी योजना के तहत योग्य हो, जैसे कि इन मामलों में : सिंगल अकाउंट के मामले में अकाउंट होल्डर की मौत होने पर या जॉइंट अकाउंट के मामले में सभी अकाउंट होल्डर्स की मौत होने पर रकम कानूनी वारिसों या नॉमिनी को ट्रांसफर कर दी जाएगी। कोर्ट के आदेश पर, गिरवी रखने की स्थिति में या जॉइंट अकाउंट के किसी खाताधारक की मृत्यु होने पर अकाउंट बचे हुए खाताधारक या खाताधारकों के नाम पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा।
- **अकाउंट को समय से पहले बंद करने के नियम-** अकाउंट को मैच्योरिटी से पहले बंद नहीं किया जा सकता, सिवाय इन मामलों के :सिंगल अकाउंट में खाताधारक की मृत्यु होने पर या जॉइंट अकाउंट में किसी भी या सभी खाताधारकों की मृत्यु होने पर।

8वें पे कमीशन से मिलेगा कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का तोहफा, खत्म होगा एनपीएस

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन की मीटिंग्स शुरू हो गई है। एक बार फिर से पुरानी पेंशन की मांग भी इसी के साथ तेज हो गई है। कर्मचारी संगठन एनपीएस को वापस लेने और ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग लगातार कर रहे हैं। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को अगर देखें तो पुरानी पेंशन अब दूर की कौड़ी

साबित हो रही है। साथ ही एनपीएस की वापसी का भी संकेत कम ही मिल रहा है। इस योजना के तहत कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद जीवन पर्यंत तय पेंशन दी जाती है। इसमें महंगाई भत्ता भी जुड़ा रहता है। यानी जब-जब महंगाई बढ़ेगा तब-तब पेंशन भी बढ़ेगी।

ओल्ड पेंशन स्कीम क्यों वापस चाहते हैं कर्मचारी- मौजूदा समय में एनपीएस और यूपीएस की व्यवस्था सरकार की तरफ से कर्मचारियों को दी जा रही है। लेकिन कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली की मांग लगातार कर रहे हैं। इसके पीछे की वजह सामाजिक सुरक्षा है। पुरानी पेंशन स्कीम में महंगाई के साथ-साथ पेंशन भी बढ़ती रहती है। इससे पेंशनधारकों को बड़ी वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है।

क्यों पुरानी पेंशन स्कीम पर जाना है कठिन- बीते 20 साल में एनपीएस में सरकार और कर्मचारियों ने 16.50 लाख करोड़ रुपये का योगदान कर दिया है। ऐसे में अगर एनपीएस को रद्द करके पुरानी पेंशन स्कीम की तरफ जाया जाता है तो इससे वित्तीय नुकसान काफी अधिक होगा। एनपीएस का फंड एलीआईसी, एसबीआई, यूटीआई और अन्य सरकारी लिंक्ड वित्तीय संस्थाओं के जरिए निवेश किया जाता है। ऐसे में एक झटके में पैसा निकाला नहीं जा सकता है।

8वें वित्त आयोग के 6 महीने बीत गए

सरकार पे कमीशन का गठन नवंबर 2025 में किया था। अब 6 महीने का समय बीत चुका है। आयोग के पास 18 महीने का समय है। इस दौरान ही उसे अपनी रिपोर्ट देनी होगी। पे कमीशन की तरफ से प्रक्रियाओं में तेजी लाई गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मीटिंग्स की जा रही है। जिससे एक समावेशी रिपोर्ट तैयार किया जा सके। कर्मचारियों की बीच इस समय फिटमेंट फैक्टर्स को लेकर खूब चर्चा है। क्योंकि फिटमेंट फैक्टर ही है जिसके जरिए सरकारी कर्मचारियों की सैलरी का निर्णय होगा। कुछ कर्मचारी संगठनों ने 4 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। अब देखना है कि पे कमीशन कितना फिटमेंट फैक्टर रखने की सलाह देता है।

पहले ही दिन 260 रुपये के पार पहुंचेगा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को लोगों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी के आईपीओ पर 127 गुना दांव लगा है।

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 37 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयरों का मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम मजबूत लिस्टिंग का इशारा कर रहा है। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 3 जून को खुला था और यह 5 जून तक ओपन रहा।

192 रुपये शेयर का दाम, 71 रुपये पहुंच गया - सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 192 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 71 रुपये के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज

जीएमपी कर रहा इशारा, 127 गुना लगा है दांव

के शेयर 263 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 8 जून को फाइनल होगा। वहीं, कंपनी के शेयर 10 जून को बाजार में लिस्ट होंगे। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगह लिस्ट होंगे।

क्या करती है सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की शुरुआत साल 2006 में हुई है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एक नॉन-फेरस मेटल रिसाइक्लर कंपनी है। एल्युमीनियम और जिंक डाई-कास्टिंग एलॉयज में कंपनी का स्पेशलाइजेशन है। कंपनी रिसाइकल्ड एल्युमीनियम एलॉय, जिंक एलॉय इंग्गट्स और स्टेनलेस स्टील, कॉपर, ब्रॉस, जिंक, लेड और एल्युमीनियम के सेग्रगेटिड फर्नेस रेडी स्क्रैप की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसके अलावा, सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एल्युमीनियम बिलेट्स का प्रॉडक्शन करती है, जो कि ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव सेक्टर्स दोनों की जरूरतों को पूरा करते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक के डेटा के मुताबिक, कंपनी में 784 परमानेंट एंप्लॉयीज और 3956 कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स हैं।

127 गुना सब्सक्राइब हुआ है कंपनी का आईपीओ

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ टोटल 127.07 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 27.08 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एंप्लॉयीज का कोटा 18.53 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 172.35 गुना दांव लगा, जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 240.46 गुना सब्सक्राइब हुआ है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 78 शेयर थे।

अडानी की कंपनी के बेचे गए 5750 करोड़ के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज निवेश कंपनी ज्ञज्ञ पार्टनर्स ने लगभग 5,750 करोड़ रुपये के ब्लॉक डील के जरिए अडानी ग्रुप की दो कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी कम की है। यह पूरी हिस्सेदारी म्यूचुअल फंड ने खरीद ली है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी हस्ध के ब्लॉक डील डेटा के अनुसार पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर बेचे। इस डील के तहत अडानी एंटरप्राइजेज के 1.64 करोड़ शेयर 2,913.4 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। इस तरह, डील की कुल वैल्यू लगभग 4,789 करोड़ रुपये रही। वहीं, ज्ञज्ञ ने

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के 63.66 लाख शेयर 1,504.8 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे, जिनकी कुल वैल्यू लगभग 958 करोड़ रुपये थी। इन दोनों डील की कुल वैल्यू लगभग 5,747 करोड़ रुपये थी।

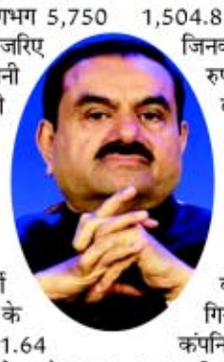

यह हिस्सेदारी बिक्री अडानी ग्रुप के शेयरों में पिछले एक साल में आई जबरदस्त तेजी के बाद हुई है। बता दें कि वर्ष 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई थी लेकिन उसके बाद कई कंपनियों ने मजबूत वापसी की है। उन शुरुआती बड़े संस्थागत निवेशकों में शामिल था जिसने हिंडनबर्ग विवाद के बाद अडानी समूह पर भरोसा जताया था।

कंपनी के बारे में

अडानी एंटरप्राइजेज की बात करें तो इस ग्रुप की मुख्य कंपनी है। यह एयरपोर्ट, सड़क, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर और माइनिंग सर्विस जैसे कई तरह के बिजनेस चलाती है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट-सेक्टर ट्रांसमिशन कंपनियों में से एक है और स्मार्ट मीटरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

नवजात शिशुओं के खून में मिल रहे हैं प्लास्टिक के माइक्रो पार्टिकल्स

बायोप्लास्टिक अपनाने का समय आ गया

नई दिल्ली, एजेंसी। यह सुनने में बेहद डरावना लगता है, लेकिन यह सच्चाई है। जी हां, प्लास्टिक का उपयोग करते करते हम इतने तल्लीन हो गए हैं कि कैसे इसके माइक्रो पार्टिकल्स हमारे शरीर में घुस गए, पता ही नहीं चला। स्थिति तो यह है कि नवजात शिशुओं के खून में भी प्लास्टिक के बहुत ही छोटे या माइक्रो पार्टिकल्स मिल रहे हैं। इसलिए समय आ गया है कि बायो-प्लास्टिक अपनाया जाए। यह कहना है देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का। अवसर था बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड और लखनऊ छावनी बोर्ड के साथ बायोयुग ग्रीन कमांड 2026 के लॉन्चिंग का।

उद्योग जगत ने बढ़ाया हाथ

जीवन के हर क्षेत्र में प्लास्टिक की बढ़ती घुसपैठ को देखते हुए बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने पहल की है। कंपनी का दावा है कि यह भारत का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है जो बायोप्लास्टिक इको-सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

इस पहल के तहत लखनऊ छावनी बोर्ड के साथ बीसीएमएल का एमओयू हुआ। इसका उद्देश्य दैनिक जीवन में प्लास्टिक के बदले बायोप्लास्टिक के उपयोग को बढ़ावा देना।

माइक्रोप्लास्टिक से हर साल लाखों मौत- वह कहते हैं 'मैं कोई डरावनी कहानी यहां पर नहीं बता रहा हूं, बल्कि यह वैज्ञानिक तथ्य है जो अब हर दिन नए-नए सामने ला रहे हैं।

बलरामपुर चीनी मिल्स शेयर का भाव

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट दिखी थी। बीएसई सेंसेक्स 116 अंक गिर कर बंद हुए थे। तब भी बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयरों में तेजी दिखी।

प्लास्टिक से बायोप्लास्टिक कैसे अलग है

प्लास्टिक बनाने के लिए जो दाना बनता है, वह क्रूड ऑयल को क्रैक करके बनाया जाता है। इसका यदि जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग किया जाए तो यह ठीक है। लेकिन इसे यूं ही फेंक दिया जाए तो सैकड़ों क्या, हजारों साल में नहीं सड़ते-गलते। इसके उलट बायोप्लास्टिक के दाने का निर्माण गन्ने, मक्के और गेहूं जैसे जैविक फसलों के उत्पाद से होते हैं। वैज्ञानिक परीक्षण में साबित हुआ है इसे फेंकने पर कुछ ही महीने में यह गलना शुरू हो जाता है। साल भर में तो यह पूरी तरह से मिट्टी में मिल जाता है। बीसीएमएल और लखनऊ छावनी बोर्ड के बीच गुरुवार को इस बारे में एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ था। उस अवसर पर राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। इसी अवसर पर उन्होंने कहा 'जब भी एक नवजात बच्चे की जांच की कराई जाए तो उसमें भी प्लास्टिक के बहुत ही माइक्रो पार्टिकल्स, बहुत ही छोटे-छोटे पार्टिकल्स मिल रहे हैं ...हम बोतल बंद पानी पीते हैं।

ताजा हुई वाष्प युग की यादें

साल 1914 में जब इसे दार्जिलिंग की वादियों में सेवा के लिए उतारा गया था, तब इसने अपने जुड़वां भाई (इंजन संख्या 807) के साथ मिलकर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के किशनगंज विस्तार खंड पर 800 टन तक की भारी-भरकम मालगाड़ियों को खींचकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया था। फिर वक्त बदला, पटरियां बदलीं।

यह दुर्लभ वाष्प चालित रेल इंजन आज से ठीक 112 साल पहले, यानी वर्ष 1914 में सात समंदर पार ग्लासगो (यूनाइटेड किंगडम) की नॉर्थ ब्रिटिश लोकोमोटिव कंपनी लिमिटेड की भट्टी में ढला होगा।

चारों तरफ वरिष्ठ रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी भीड़ जमा थी। तभी पू.सी. रेल के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने आगे बढ़कर इस ऐतिहासिक धरोहर का नए रूप में उद्घाटन किया।

पू.सी. रेल परिसर में गूंजी धरोहर इंजन की गड़गड़ाहट

अजहर आलम

रोज की तरह जब मैं गुवाहाटी के मालीगांव स्थित पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू.सी. रेल) के मुख्यालय परिसर की ओर बढ़ा, तो हवा में एक अलग ही सुगबुगाहट थी। दफ्तरों की वही चिर-परिचित भागदौड़, नत्थी दस्तावेजों की आवाजाही और कर्मचारियों की चहल-पहल के बीच अचानक मेरी नजर उस कोने पर पड़ी, जहां हमेशा से एक पुराना लोहे का ढांचा खड़ा रहता था। लेकिन आज वहां का नजारा बदला हुआ था। वहां एक बेहद खूबसूरत और जादुई बदलाव मेरा इंतजार कर रहा था। भारत की समृद्ध रेल विरासत को अपनी आंखों के सामने इस तरह अचानक जीवंत होते देखना वाकई एक ऐसा अद्भुत और रोमांचकारी अनुभव था, जिसने मेरे कदमों को वहीं थाम दिया।

तारीख थी 26 मई। दोपहर का वक्त था और सूरज की किरणें सीधे उस काले, चमकदार लोहे के बदन पर पड़ रही थीं। मुझे यहां एक बेहद ऐतिहासिक क्षण का साक्षात गवाह बनने का सौभाग्य मिला। चारों तरफ वरिष्ठ रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी भीड़ जमा थी। तभी पू.सी. रेल के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने आगे बढ़कर इस ऐतिहासिक धरोहर का नए रूप में उद्घाटन किया।

कौतूहलवश जब मैं थोड़ा और करीब गया, तो पता चला कि यह कोई साधारण रेल इंजन नहीं है। यह दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की ऐतिहासिक (4-6-2) पैसिफिक श्रेणी की छोटी लाइन का वाष्प चालित रेल इंजन, इंजन संख्या 808-सी है। इसे न्यू बंगाईगांव स्थित सवारी और माल डिब्बा कारखाना के कारीगरों ने अपने हाथों से तराशकर, बेहद कुशलता से इसका कायाकल्प किया है।

अब इसे मुख्यालय परिसर में एक उन्नत विरासत प्रदर्शनी के रूप में स्थापित कर दिया गया है, जो हम जैसे हर रेल प्रेमी के लिए किसी नायाब तोहफे से कम नहीं है। मैं मंत्रमुग्ध सा उस विरासत इंजन के ठीक सामने जाकर खड़ा हो गया। उसे करीब से देखना और उसकी धातु को महसूस करना अपने आप में अतीत की एक लंबी और सुनहरी यात्रा पर निकल जाने जैसा था। जेहन में ख्याल आया कि यह दुर्लभ वाष्प चालित रेल इंजन आज से ठीक 112 साल पहले, यानी वर्ष 1914 में सात समंदर पार ग्लासगो (यूनाइटेड किंगडम) की नॉर्थ ब्रिटिश लोकोमोटिव कंपनी लिमिटेड की भट्टी में ढला होगा।

यूं तो यह इंजन बरसों से इसी परिसर में एक मूक दर्शक की तरह खड़ा था, लेकिन आज इसकी पूर्ण मरम्मत और चमचमाती काली परत के बाद इसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। तभी अचानक एक चमत्कार हुआ। इस जीर्णोद्धार कार्य में आधुनिक तकनीक का ऐसा जादुई तालमेल बिठाया गया है कि अचानक इंजन से छुक-छुक की भारी आवाज गूंजने लगी।

अगले ही पल, उसके चिमनी वाले ऊपरी हिस्से से वास्तविक सफेद धुएं के छल्ले हवा में तैरने लगे और रंग-बिरंगी सजावटी रोशनियां जगमगा उठीं। उस पल के लिए मालीगांव का वह आधुनिक परिसर कहीं ओझल हो गया और मैं खुद को सीधे बीते दौर के वाष्प युग के किसी रेलवे स्टेशन पर खड़ा महसूस करने लगा।

इस जीवंत दृश्य को अपनी आंखों से देखना और उस भारी गड़गड़ाहट को कानों में सुनना मेरे भीतर एक अजीब सा रोमांच और सिहरन पैदा कर रहा था। वहां खड़े-खड़े जब मैंने इसके गौरवशाली सफर के पन्नों को पलटा, तो इस बूढ़े इंजन के प्रति मेरा सम्मान और ज्यादा बढ़ गया।

साल 1914 में जब इसे दार्जिलिंग की वादियों में सेवा के लिए उतारा गया था, तब इसने अपने जुड़वां भाई (इंजन संख्या 807) के साथ मिलकर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के किशनगंज विस्तार खंड पर 800 टन तक की भारी-भरकम मालगाड़ियों को खींचकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया था। फिर वक्त बदला, पटरियां बदलीं।

1948 में जब सिलीगुड़ी-किशनगंज लाइन को मझली लाइन में बदला गया, तब भी इस वफादार इंजन ने हार नहीं मानी। यह सिलीगुड़ी रेल प्रांगण में एक शंटिंग पायलट के रूप में चुपचाप अपनी सेवाएं देता रहा और आखिरकार 1960 के दशक में इसे आराम दिया गया।

शाम ढलने को थी, लेकिन मेरी नजरें मालीगांव में इस सजे-धजे, धुएं और रोशनी से नहाए इंजन संख्या 808-सी से हट नहीं रही थीं। इसे निहारते हुए भारतीय रेलवे की अभियांत्रिकी उत्कृष्टता के प्रति मेरा मन श्रद्धा और गर्व से भर गया। पूसी रेल का यह प्रयास सिर्फ एक पुराने लोहे को चमकाना नहीं है, बल्कि इतिहास की धड़कनों को सहेजने की एक अनूठी जीवंत कोशिश है, जो आने वाली पीढ़ियों को भारत की इस शानदार और गौरवशाली रेल विरासत की दास्तान सुनाती रहेगी। मैं एक गहरी सांस लेकर, धुएं की उस सोंधी महक को समेटे, अपनी डायरी में इस जीवंत यात्रा को दर्ज करते हुए आगे बढ़ गया।

लेखापानी स्टेशन की अनकही दास्तान

भारतीय रेलवे के नक्शे पर पूर्वोत्तर का एक ऐसा छोर भी रहा है, जिसकी पटरियों ने सिर्फ छुक-छुक करती ट्रेनें ही नहीं, बल्कि इतिहास के कई बड़े और क्रांतिकारी दौर देखे हैं। असम के तिनसुकिया जिले में लामडिंग-डिब्रूगढ़ रेल खंड पर स्थित लेखापानी रेलवे स्टेशन एक ऐसा ही नाम है, जो कभी भारतीय रेल का सबसे पूर्वी रेलवे स्टेशन हुआ करता था और एक समय पूरे विश्व में चर्चा का केंद्र था।

लगभग साल 1890 के आसपास जब इस स्टेशन की शुरुआत हुई, तब यह महज आम यात्रियों की आवाजाही का जरिया नहीं था, बल्कि टिपोंग कोयला खदानों के लिए कोयला लोडिंग का एक बेहद व्यस्त और प्रमुख केंद्र था। उन दिनों यहां की पटरियों पर दौड़ती मालगाड़ियां देश की औद्योगिक प्रगति को ईंधन देने का काम करती थीं।

यह रेलवे स्टेशन उन हजारों बर्मा प्रवासियों (शरणार्थियों) की पीड़ादायक यात्रा का अंत भी था, जिनका सजीव और मार्मिक वर्णन देबेंद्र नाथ आचार्य के प्रसिद्ध असमिया उपन्यास *जंगम* में किया गया है।

वक्त बदला और बदलते दौर के साथ इस ऐतिहासिक स्टेशन की व्यस्तता भी थमती चली गई। इस रेलवे स्टेशन से आखिरी ट्रेन का डिब्बा 17 फरवरी 1993 को रवाना हुआ था और उसी साल अगस्त महीने से इसे वाणिज्यिक यातायात के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया। आज भी इस शांत पड़े स्टेशन पर लगा एक सूचनापट्ट अतीत की गवाही देता है, जिस पर दर्ज है कि इस लाइन पर आखिरी बार कोई ट्रेन साल 1997 में दौड़ी थी।

इसके बाद साल 2009 में इस ऐतिहासिक स्टेशन को पुनर्जीवित करने की कोशिशों के तहत इसे कुछ हद तक बहाल भी किया गया था। लेखापानी का महत्व सिर्फ इसके बंद होने या चालू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका संबंध भारतीय रेलवे के तकनीकी बदलावों से भी गहराई से जुड़ा है।

एक समय था जब लेखापानी को भारतीय रेल का अंतिम पूर्वी छोर माना जाता था, लेकिन साल 1997 के आसपास जब रेलवे में गेज परिवर्तन यानी मीटर गेज से ब्रॉड गेज में बदलने की प्रक्रिया का काम शुरू हुआ, तब लेडो रेलवे स्टेशन भारतीय रेल का आखिरी और सबसे पूर्वी स्टेशन बन गया। इसके बाद 5 फीट 6 इंच वाली ब्रॉड गेज लाइन को रेलवे साइडिंग्स के लिए तीराप तक तो जारी रखा गया, लेकिन तीराप के आगे लेखापानी की तरफ जाने वाली पुरानी 1,000 मिमी चौड़ी मीटर गेज ट्रैक के अवशेष साल 2005 तक साफ देखे जा सकते थे, जो बदलते वक्त की कहानी बयां कर रहे थे।

इस सुदूर क्षेत्र का ऐतिहासिक कैनवास सिर्फ रेल लाइनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्व इतिहास के सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक का भी केंद्र बिंदु रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान साल 1942 से 1945 के बीच यह स्टेशन मित्र देशों के लिए जीवन का सबसे बड़ा केंद्र था।

इसी स्टेशन के पास से चीन के कुनमिंग जाने वाली प्रसिद्ध लेडो रोड की रूपरेखा तैयार की गई और उसका निर्माण किया गया, जिसे बाद में *स्टिलवेल रोड* के नाम से जाना गया। मित्र देशों की सेनाओं द्वारा बनाई गई इस सुप्रसिद्ध सड़क का शुरुआती बिंदु यही लेखापानी था, जिसने युद्ध के दिनों में रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हमारी इस अनमोल धरोहर का गौरवशाली इतिहास आज भले ही शांत है, लेकिन भविष्य की उम्मीदें अभी भी ज़िंदा हैं। तीराप से लेखापानी तक की 6 किलोमीटर लंबी रेल लाइन और फिर लेखापानी से अरुणाचल प्रदेश के खरसांग तक की 31 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के लिए सर्वे का काम चल रहा है। यह सर्वे इस बात का संकेत है कि इतिहास के पन्नों में सिमट चुका यह महत्वपूर्ण स्टेशन आने वाले समय में एक बार फिर पूर्वोत्तर की सामाजिक और आर्थिक कड़ियों को जोड़ने का एक बड़ा माध्यम बन सकता है। आशा है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित किया जाएगा और उत्तर-पूर्वी सीमा रेलवे प्राधिकरण इसके पुनरुद्धार के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करेगा।

बापू के कदमों की साक्षी धरोहर
अमीनगांव रेलवे स्टेशन की नयी करवट

गुवाहाटी में महाबाहु ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर बसा आमीनगांव रेलवे स्टेशन केवल ईंट-पत्थरों से बना एक पुराना परित्यक्त ढांचा नहीं है, बल्कि यह असम और पूरे पूर्वोत्तर के गौरवशाली इतिहास का एक ऐसा अनमोल पन्ना है, जो आज भी अपनी खामोशी में एक सदी से अधिक के उतार-चढ़ाव और अनगिनत कहानियां समेटे हुए है।

औपनिवेशिक काल के दौरान साल 1907-1908 में शुरू हुआ यह छोटा सा स्टेशन कभी यात्रियों की भारी चहल-पहल, नए व्यापारिक सपनों और जीवन की तीव्र रफ्तार का एक मुख्य केंद्र हुआ करता था। उस दौर में जब तकनीक और कनेक्टिविटी बेहद सीमित थी, तब अमीनगांव रेलवे स्टेशन ही पूर्वोत्तर को देश के अन्य राज्यों और मुख्य भूमि से जमीन के रास्ते जोड़ने का एकमात्र और सबसे महत्वपूर्ण जरिया था।

आज यह स्टेशन भले ही सूना खड़ा हो, जहां इसकी जीर्ण-शीर्ण बेंचें और खामोश दीवारें बीते वक्त को याद कर रही हैं, लेकिन इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्य आज भी उतना ही जीवंत है। यह कोई साधारण बंद पड़ी रेलवे लाइन नहीं है, बल्कि हमारी सामूहिक राष्ट्रीय विरासत का एक ऐसा ऐतिहासिक प्रवेश द्वार है, जहां कभी देश की आजादी का इतिहास खुद चलकर आया था।

इस स्टेशन का महत्व भारत के स्वतंत्रता संग्राम से बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने *असहयोग आंदोलन* के दौरान 18 अगस्त 1921 को इसी ऐतिहासिक प्लेटफॉर्म पर पहली बार असम की पावन धरती पर कदम रखा था। गांधी जी यहां अकेले नहीं आए थे, बल्कि उनके साथ कुछ अन्य प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और मनीषी भी इस यात्रा का हिस्सा थे।

इस ऐतिहासिक और अविस्मरणीय यात्रा के संस्मरणों को बाद में कृष्णा दास ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक *सेवन मंथ्स विद महात्मा गांधी* में हमेशा-हमेशा के लिए अमर कर दिया।

उस दौर में असम के कद्दावर नेता, प्रखर विद्वान और अद्वितीय व्यक्तित्व के धनवान तरुण राम फुकन देश के शीर्ष नेताओं में शुमार थे। उनकी भाषाई पकड़ और वक्तृत्व शैली का हर कोई कायल था। जब इस प्लेटफॉर्म पर उमड़े जनसैलाब के सामने महात्मा गांधी अपना संबोधन दे रहे थे, तब तरुण राम फुकन ने गांधी जी के एक-एक शब्द का जिस सहजता, स्पष्टता और राष्ट्रीय चेतना के साथ असमिया भाषा में लाइव अनुवाद किया था, उसने स्थानीय लोगों के दिलों में स्वतंत्रता की एक नई अलख जगा दी थी। उनके अनुवाद ने केवल शब्दों को नहीं बदला, बल्कि गांधी जी के विचारों को प्रेरणा के ऐसे मोतियों में बदल दिया जिसने पूरे असम को राष्ट्रीय आंदोलन में कूदने के लिए प्रेरित किया।

गांधी जी ने असम के इस हिस्से के प्रति अपने गहरे लगाव के कारण, गुवाहाटी की अपनी विभिन्न यात्राओं के दौरान कुल तीन बार इस ऐतिहासिक स्टेशन का दीदार किया था। समय के निरंतर चक्र, तकनीकी बदलाव और विकास की आधुनिक रफ्तार ने आमीनगांव रेलवे स्टेशन की इस ऐतिहासिक रौनक को धीरे-धीरे मुख्यधारा से दूर कर दिया।

साल 1962 में ब्रह्मपुत्र नदी पर देश के पहले और बेहद जटिल रेल-सह-सड़क पुल यानी सराईघाट ब्रिज का निर्माण पूरा हुआ, जो भारतीय इंजीनियरिंग का एक बेजोड़ नमूना था। सराईघाट पुल के चालू होते ही ट्रेनों का रूट सीधे गुवाहाटी से जुड़ गया, जिसके कारण आमीनगांव रेलवे स्टेशन की व्यावहारिक उपयोगिता समाप्त हो गई।

आखिरकार साल 1963 में इस स्टेशन से आखिरी ट्रेन गुजरी और इसके बाद इस पर हमेशा के लिए खामोशी की चादर ओढ़ दी गई। तब से लेकर पिछले 63 वर्षों से यह ऐतिहासिक स्टेशन प्रशासनिक उपेक्षा और मौसम की मार झेलते हुए केवल ब्रह्मपुत्र के शांत बहाव और अपने सामने से गुजरती आधुनिक दुनिया को एक मूकदर्शक बनकर देखता रहा।

आज भी जब कोई संवेदनशील व्यक्ति सराईघाट पुल की भव्य पृष्ठभूमि और ब्रह्मपुत्र की लहरों के संगीत के बीच इस स्टेशन की बची हुई पुरानी बेंच पर बैठता है, तो उसे यह अहसास होता है कि न जाने कितने स्वतंत्रता सेनानियों, आम यात्रियों, भारतीय फौजियों और महान हस्तियों ने कभी इसी प्लेटफॉर्म पर अपनी मंजिलों का इंतजार किया होगा।

अतीत की ये स्मृतियां इस जगह को आज भी एक गहरा अर्थ और गरिमा प्रदान करती हैं। राहत और खुशी की बात यह है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने और इसके पुराने दिनों को वापस लौटाने के लिए अब एक नई उम्मीद की किरण जागी है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने अपने महत्वाकांक्षी *विरासत संरक्षण* कार्यक्रम के तहत इस स्टेशन के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का काम आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया है।

दशकों से उपेक्षित पड़े इस पूरे रेलवे परिसर को हाल ही में अवैध अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त कराया गया है और इस ऐतिहासिक विरासत को बाहरी नुकसान से सुरक्षित करने के लिए चारों तरफ एक मजबूत कंक्रीट की सुरक्षा दीवार का निर्माण भी किया जा चुका है।

रेलवे प्रशासन के इस सकारात्मक रुख की पुष्टि तब और बढ़ गई जब हाल ही में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने खुद इस स्टेशन का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने वहां पहुंचकर स्टेशन की वर्तमान स्थिति का बारीकी से जायजा लिया और इसके भविष्य के संरक्षण तथा इसे एक प्रमुख दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर उच्च स्तरीय दिशा-निर्देश जारी किए।

हालांकि, आमीनगांव रेलवे स्टेशन को केवल एक रंग-रोगन की हुई पुरानी इमारत या बंद स्मारक के रूप में बचाकर रखना काफी नहीं होगा, बल्कि इसे एक अत्याधुनिक और गतिशील विरासत रेलवे संग्रहालय के रूप में पुनर्जीवित करने की तत्काल आवश्यकता है।

यदि इस स्थान को एक भव्य संग्रहालय का रूप दे दिया जाए, तो यह न केवल पूर्वोत्तर में भारतीय रेलवे के क्रमिक और तकनीकी विकास की कहानी कहेगा, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में असम के वीरों और विचारकों के अमूल्य योगदान की जीवंत गाथा को भी देश-दुनिया के सामने मजबूती से रखेगा। यह एक ऐसा जीवंत सांस्कृतिक केंद्र बन सकता है जहां आने वाली पीढ़ियां, स्थानीय नागरिक और वैश्विक पर्यटक आकर देश के इतिहास को करीब से महसूस कर सकेंगे और अपनी साझी विरासत पर गर्व कर सकेंगे।

आमीनगांव रेलवे स्टेशन को इतिहास के पन्नों में एक भूला-बिसरा अवशेष बनने देने के बजाय, इसे एक ऐसे प्रतिष्ठित और जीवंत राष्ट्रीय ऐतिहासिक स्थल के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए, जहां अतीत की गौरवशाली गूंज और आने वाले कल की प्रेरणा एक साथ दिखाई दे।

अपनी अस्मिता और पहचान को जिंदा रखने की यह एक बेहद जरूरी, प्रासंगिक और पूरी तरह से मुमकिन कोशिश है, जिसे जल्द से जल्द हकीकत का रूप मिलना ही चाहिए।

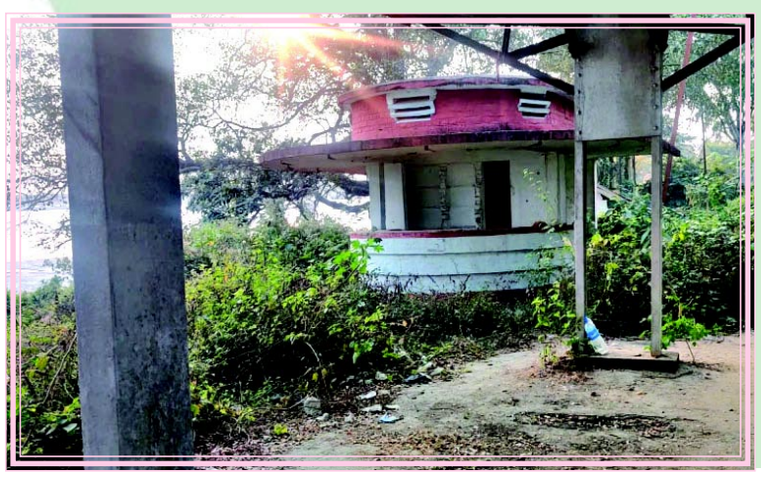

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

शनिवार, 7 जून 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	25°	18°
डिब्रुगढ़	23°	17°
तिनसुकिया	25°	18°
शिवसागर	26°	18°

जोरहाट में आज श्री पूनरासर सुंदरकांड परिवार का वार्षिकोत्सव

जोरहाट, 6 जून (ख.सं)। जोरहाट में बीते 11 वर्षों से सुन्दरकाण्ड का पाठ कर बालाजी की महिमा को गुंजायमान करने वाला श्री पूनरासर सुंदरकांड परिवार द्वारा कल अपना वार्षिक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाने जा रहा है यह धार्मिक आयोजन शहर के बरुआनी बाट स्थित श्री राम मंदिर में संपन्न होगा। कार्यक्रम के तहत सायं 4.15 बजे ज्योत प्रज्ज्वलन के साथ पाठ का शुभारंभ होगा। संगीतमय रूप में श्री सुंदरकांड पाठ कर बालाजी के दरबार में कल विशेष हाजरी लगाई जाएगी। परिवार के सदस्य बजरंग शर्मा (भिंडा) ने बताया कि शाम 7.30 बजे बालाजी की रसोई (अमृत प्रसाद) का वितरण किया जाएगा।

Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

पर्यावरण दिवस पर रोटरी क्लब ने दिया प्रकृति प्रेमी आनंद अग्रवाल को सम्मान

जोरहाट, 6 जून (ख.सं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब जोरहाट ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। रोटरी इंटरैक्ट क्लब के छात्र-छात्राओं के साथ रोटरी क्लब के सदस्यों ने प्रेरणा दिव्यांग शिशु विकास केंद्र तथा मुरमुरिया एलपी स्कूल में वृक्षारोपण किया। इसके साथ ही प्रेरणा दिव्यांग शिशु विकास केंद्र के बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण भी किया गया। मुरमुरिया एलपी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर रोटरी क्लब की अध्यक्ष डॉ. नीता लागासु ताई, करीमुल हक, डोरोथी मोमिन, इंटरैक्ट क्लब के सदस्य तथा प्रभारी शिक्षक आसिम सहाय उपस्थित रहे। शाम को रोटरी क्लब जोरहाट के भवन में अध्यक्ष डॉ. नीता की अध्यक्षता में एक सभा आयोजित की गई। क्लब की सचिव डॉ. मीनाक्षी फुकन हजारिका के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में मशहूर पर्यावरणविद आनंद अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए यादव पायेंग पुरस्कार प्राप्त आनंद अग्रवाल को रोटरी क्लब की ओर से विशेष सम्मान प्रदान किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सदर बागान एलपी स्कूल की दीवारों पर कलात्मक चित्रांकन करने वाले कलाकार नीलकमल बरठाकुर को भी सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर जुलिन अहमद और हाशिम हजारिका ने रोटरी क्लब जोरहाट की सदस्यता ग्रहण की। रोटरी के नियमों के अनुसार दोनों नए सदस्यों को पूर्व जिला गवर्नर त्रिलोक सिंह ने शपथ दिलाई।

डिब्रुगढ़ बार एसोसिएशन परिसर में अधिवक्ता पर कथित हमला, एक गिरफ्तार

डिब्रुगढ़, 6 जून (ख.सं)। डिब्रूगढ़ बार एसोसिएशन परिसर में आज शनिवार को एक अधिवक्ता पर कथित हमले की घटना सामने आने से कानूनी जगत में चिंता का माहौल पैदा हो गया। घटना के संबंध में पुलिस ने गंगा सागर पासवान उर्फ गामा पासवान को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गामा पासवान किसी कानूनी मामले के सिलसिले में अधिवक्ता राजेश केसरी से मिलने बार एसोसिएशन परिसर पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कथित रूप से विवाद हो गया, जिसके बाद अधिवक्ता राजेश केसरी पर हमला किए जाने का आरोप लगाया गया है।सूत्रों के अनुसार, यह घटना बार एसोसिएशन परिसर के भीतर हुई, जिससे वहां मौजूद अधिवक्ताओं एवं अन्य लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। बताया जाता है कि घटना में अधिवक्ता राजेश केसरी को चोटें भी आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। अधिवक्ता की शिकायत के आधार पर गंगा सागर पासवान उर्फ गामा पासवान को हिरासत में लिया गया तथा बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के पीछे के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इस बीच, अधिवक्ता समुदाय ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

हजरत मोहम्मद के कथित अपमान पर 48 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग

शिवसागर, 6 जून (ख.सं)। उजनी असम मुस्लिम कल्याण परिषद ने इस्लाम धर्म के प्रवर्तक हजरत मोहम्मद के प्रति कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में हीरेन हिंदू असम, रतुल कलिता और असमीज लाइव फेसबुक पेज के संचालक के खिलाफ शिवसागर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष मनीरुल इस्लाम बोरा ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकारों से कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और इससे राज्य की सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि ऊपरी असम के मुस्लिम समाज का विभिन्न समुदायों के साथ लंबे समय से भाईचारे का संबंध रहा है, लेकिन कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। परिषद ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और असम पुलिस के महानिदेशक से मांग की है कि आरोपितों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर परिषद के केंद्रीय सहायक सचिव दादुल अली, जिला अध्यक्ष बुबुटी बड़ा, मेरिना अहमद, जीना अहमद, हबीबा बानो कमाल, रुकसाना रूमी बड़ा, अलहाज रहीमुद्दीन अहमद, जाहिद उल्लाह, खुर्शेद अली, मेराजुल इस्लाम सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जोरहाट में जिला दिवस की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

जोरहाट, 6 जून (ख.सं)। जोरहाट में आगामी 1 जुलाई को मनाए जाने वाले 'जिला दिवस' की तैयारियों को लेकर आज जिला आयुक्त कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त पंकज बोरा ने स्वागत भाषण देते हुए उपस्थित सभी लोगों का अभिनंदन किया और बैठक की उद्देश्य व्याख्या की। इसके बाद जिला विकास आयुक्त श्यामल गोगोई की अध्यक्षता में बैठक की मुख्य समीक्षा शुरू हुई। बैठक में मुख्य रूप से पिछले वर्ष के जिला दिवस समारोह के कार्यक्रमों और उनके विवरण पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही आगामी जिला दिवस को कैसे अधिक सफल और आकर्षक बनाया जाए, इस पर संबंधित विभिन्न विभागों के प्रमुखों और अधिकारियों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इस तैयारी बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार बरुआ, जिले के सभी अतिरिक्त आयुक्त, टियोक और तिताबर के सम-जिला आयुक्त, राजस्व अधिकारी तथा जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ओबीसी कर्मचारी संघ की रंगिया मंडल समिति गठित

जोरहाट, 6 जून (ख.सं)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ओबीसी कर्मचारी संघ की रंगिया मंडल इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक रंगिया स्थित ऑफिसर्स रेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक में ओबीसी कर्मचारियों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 20 सदस्यीय नई मंडल समिति का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के महासचिव वी. पी. रामाराव ने की। अपने संबोधन में उन्होंने ओबीसी कर्मचारियों की एकजुटता की आवश्यकता तथा वर्तमान समय में संगठन की भूमिका और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के कोषाध्यक्ष रमेश पाल, कार्यालय सचिव अनिल चंद्र डेका तथा संगठन सचिव संदीप कुमार यादव उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने कर्मचारियों के अधिकारों और कल्याण के लिए संगठन को सशक्त बनाने पर जोर दिया। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से बोलेन दास को अध्यक्ष तथा विकी कुमार साह को सचिव मनोनीत करते हुए 20 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई समिति आने वाले दिनों में मंडल के कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी।

मटक व मोरान जनगोष्टी संगठनों के बंद का तिनसुकिया में दूसरे दिन असर

तिनसुकिया, 6 जून (ख.सं)। मोरान और मटक जनगोष्टी संगठनों द्वारा दिये गये 48 घंटे के तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ जिला बंद का असर आज दूसरे दिन भी वाणिज्यिक शहर तिनसुकिया में पूर्ण रूप से दिखने को मिला।दोनो जनगोष्टी के संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से यह बंद लंबित जनजातिकरण की मांग तथा दोनों समुदायों के किसी भी विधायक को राज्य मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिए जाने के विरोध में बुलाया गया था।जिसका तिनसुकिया में व्यापक प्रभाव आज दूसरे दिन भी देखने को

आदित्य नर्सिंग होम की सराहनीय पहल, पुलिसकर्मियों व उनके परिवारों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

डिब्रुगढ़, 6 जून (ख.सं)। समाज की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में दिन-रात समर्पित रहने वाले पुलिसकर्मियों तथा उनके परिवारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आज डिब्रूगढ़ स्थित आदित्य नर्सिंग होम में एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस मानवीय पहल के माध्यम से पुलिस परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गईं। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई।आदित्य नर्सिंग होम की इस पहल को पुलिस कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आयोजकों ने कहा कि पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में निरंतर व्यस्त रहते हैं, इसलिए उनके साथ-साथ उनके परिवारों के स्वास्थ्य की देखभाल भी अत्यंत आवश्यक है। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने इस सेवा के लिए आदित्य नर्सिंग होम के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने भी इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज और सुरक्षा बलों के बीच विश्वास एवं सहयोग को और अधिक मजबूत बनाते हैं। एक स्वस्थ पुलिस बल और स्वस्थ परिवार ही सुरक्षित एवं सशक्त समाज की आधारशिला हैं।

दुमदुमा के टिपुक चाय बगान में विभिन्न मांगों को लेकर श्रमिकों का विरोध प्रदर्शन

दुमदुमा, 6 जून (ख.सं)। तिनसुकिया जिला के दुमदुमा अंचल के टिपुक चाय बगान में आज विभिन्न मांगों को लेकर श्रमिकों एवं संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व असम चाय जनजाति छात्र संस्था तथा असम चाय मजदूर संघ ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शनकारियों ने चाय बागान श्रमिकों को ग्रेच्युटी राशि का समय पर भुगतान, बागान में एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार तथा श्रमिकों से जुड़े अन्य बुनियादी मुद्दों के समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि श्रमिक लंबे समय से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर उचित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यदेशीय वैश्य महासभा का पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

तिनसुकिया, 6 जून (ख.सं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यदेशीय वैश्य महासभा एवं तिनसुकिया जिला युवा समिति द्वारा एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा सदैव हरित असम के संकल्प को साकार करना था।इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधा लगाना समय की आवश्यकता

है। कार्यक्रम का आयोजन विद्या भारती इंटरनेशनल स्कूल, तिनसुकिया में किया गया,जहां उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। मध्यदेशीय वैश्य महासभा की युवा समिति ने बताया कि भविष्य में भी समाजहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

अमलापट्टी रेल क्रॉसिंग क्षेत्र से संदिग्ध ड्रग्स के साथ मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

डिब्रुगढ़, 6 जून (ख.सं)। डिब्रूगढ़ पुलिस ने कल शाम अमलापट्टी रेल क्रॉसिंग क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से कुल 13.76 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी ने नशीले पदार्थों को छिपाने के लिए बेहद चौंकाने वाला तरीका अपनाया था। बरामद मादक पदार्थ प्लास्टिक के तंबाकू डिब्बों में छिपाकर रखा गया था। इसके अलावा आरोपी ने कुछ मात्रा अपनी कलाई घड़ी के भीतर भी छिपा रखी थी, जिसे तलाशी के दौरान बरामद किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल फोन तथा नकदी भी जब्त की है। बरामद वस्तुओं को जांच के लिए कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का मानना है कि आरोपी क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी और आपूर्ति से जुड़ा हो सकता है। मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निंगाम ताइफाके गांव विकास परिषद का प्रथम वार्षिक अधिवेशन

जागुन, 6 जून (ख.सं)। निंगाम ताइफाके गांव में आयोजित गांव विकास परिषद, निंगाम ताइफाके का प्रथम वार्षिक अधिवेशन उत्साह, सामाजिक सहभागिता और शैक्षणिक जागरूकता के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। अधिवेशन का मुख्य आकर्षण शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह रहा, जिसने पूरे आयोजन को एक प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में निंगाम प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक शुभ्रज्योति गोगोई, खारांगकोंग मध्य अंग्रेजी विद्यालय के पूर्व संस्थापक प्रधानाध्यापक आई थन हाइलौंग, ताइफाके राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष साई वेइंग चाखाप तथा चेंगाबिल घरफलिया प्राथमिक विद्यालय के

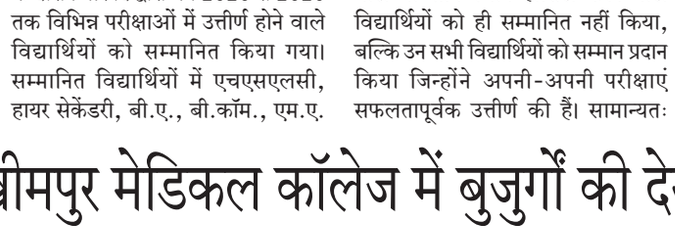

प्रधानाध्यापक डी थौन लुकमो उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त गांव के वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल हुए। अधिवेशन के दौरान परिषद द्वारा वर्ष 2020 से 2026 तक विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में एचएसएलसी, हायर सेकेंडरी, बी.ए., बी.कॉम., एम.ए. तथा एम.एससी. स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं शामिल थे। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि परिषद ने केवल उच्च अंक प्राप्त करने वाले या शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को ही सम्मानित नहीं किया, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों को सम्मान प्रदान किया जिन्होंने अपनी-अपनी परीक्षाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की हैं। सामान्यतः विभिन्न संस्थाओं और आयोजनों में केवल मेधावी या टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने की परंपरा रही है, किंतु निंगाम ताइफाके गांव विकास परिषद की यह पहल इससे अलग और प्रेरणादायक मानी जा रही है। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष जेपेंग चाखाप ने कहा कि परिषद केवल प्रतिशत और अंकों के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन करने में विश्वास नहीं रखती। उनका कहना था कि प्रत्येक सफल विद्यार्थी सम्मान और प्रोत्साहन का हकदार है। उन्होंने कहा, हमारा विश्वास है कि यदि बच्चों को सही समय पर प्रोत्साहन दिया जाए तो वे आगे चलकर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनेंगे। शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना ही हमारा उद्देश्य है। कार्यक्रम में परिषद के शैक्षिक एवं साहित्य विभाग के सचिव साईंवन टूमटैन ने भी महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने शिक्षा के महत्व और शैक्षणिक माहौल को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश और राज्य जनसंख्या विस्फोट जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन निंगाम ताइफाके गांव एक अलग दिशा में सोच रहा है। उन्होंने कहा, हमारे छोटे से गांव का लक्ष्य जनसंख्या का नहीं, बल्कि ज्ञान का विस्फोट करना है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज को आगे बढ़ा सकता है और नई पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बना सकता है। उनके इस संदेश को उपस्थित लोगों ने सराहा और विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया गया। अधिवेशन केवल सम्मान समारोह तक सीमित नहीं रहा। सामाजिक और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच प्रगति शाखा ने किया वृक्षारोपण व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

शिवसागर, 6 जून (ख.सं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, शिवसागर प्रगति शाखा द्वारा शिवसागर विद्यापीठ मीडियम इंग्लिश स्कूल में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन प्रतिभागियों को विजेता घोषित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। विद्यालय के प्राचार्य एवं शाखा अध्यक्ष मोनालिशा आशा अग्रवाल ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर

भाग लेते हुए वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मारवाड़ी युवा मंच की ओर से विद्यालय के बच्चों को खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं भी वितरित की गईं। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मोनालिशा अग्रवाल, सचिव सोनम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बुलबुल लोहिया, कविता सिकतिया, रेनू सिंघल सहित शाखा की कई सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उत्साह, उमंग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।ये जानकारी कार्यक्रम संयोजिका रेणु सिंघल द्वारा दी गई है।

लखीमपुर मेडिकल कॉलेज में बुजुर्गों की देखभाल पर क्षेत्रीय सीएमई व कार्यशाला

लखीमपुर, 6 जून (ख.सं)। नई दिल्ली स्थित नेशनल एकेडमी ऑफ़ मेडिकल साइंस के तत्वावधान में लखीमपुर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में बुजुर्गों की देखभाल विषय पर क्षेत्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई)-सह-कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अस्पताल भवन के एलएच-5 ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इस शैक्षणिक कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें चिकित्सा संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर प्रशिक्षु, वरिष्ठ रेजिडेंट, निजी चिकित्सक, नर्स, फिजियोथेरेपिस्ट, शोधकर्ता और छात्र शामिल थे। कार्यक्रम में स्वस्थ वृद्धावस्था, बुजुर्गों में सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं, मानसिक स्वास्थ्य, जेरियाट्रिक स्त्री रोग देखभाल, उपशामक एवं सहायक उपचार, बहु-दवा उपयोग (पॉलीफार्मेसी) तथा समग्र जेरियाट्रिक मूल्यांकन एवं प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। संवादात्मक चर्चाओं और विचार-विमर्श

सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपने अनुभव और ज्ञान साझा किए। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के एनएएमएस सलाहकार एवं संयोजक डॉ. एफ.यू. अहमद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन और विचारों ने कार्यक्रम को विशेष अकादमिक महत्व प्रदान किया। यह सीएमई डॉक्टर प्रांजल ताहबिलदार के संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लेकर बुजुर्ग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। सीएमई की आयोजन अध्यक्ष एवं फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. चिन्मयी देउरी ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में बढ़ती वृद्ध आबादी की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए बहु-विषयक और समग्र दृष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का समन्वयन सामुदायिक चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव डॉ. नेत्री दास ने किया। उन्होंने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में एलएमसीएच के अधीक्षक डॉ. रक्तिम बरगोहाईं, उप-प्राचार्य डॉ. हिरण्य बोरा, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ संकाय सदस्य, पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से आए विशेषज्ञ तथा एनएएमएस के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। समापन सत्र और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। आयोजकों ने बताया कि इस सीएमई ने बुजुर्ग स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, चिकित्सकीय ज्ञान को समृद्ध करने तथा विभिन्न विशेषज्ञताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रातः खबर
रविवार, 7 जून 2026

नलबाड़ी में टीकाकरण दिवस को लेकर जिला आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

नलबाड़ी, 6 जून (ख.सं)। आगामी 28 जून को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर 5 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान को सफल बनाने के लिए नलबाड़ी के जिला आयुक्त निबेदन दास पटवारी ने संबंधित सभी विभागों से सहयोग की अपील की है। एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह अपील की गयी। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य सलाहकार डॉ. नगेन शर्मा, नलबाड़ी के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. मानव कुमार चौधरी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मनोज काकती, जिला योजना प्रबंधक मीनाक्षी बरपुजारी सहित चिकित्सा अधिकारी, खंड योजना प्रबंधक, महिला एवं बाल

विकास विभाग, जिला परिवहन विभाग, एपीडीसीएल और श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला आयुक्त ने विशेष रूप से ईंट-भट्टों में कार्यरत श्रमिकों के बच्चों को पोलियो की खुराक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए श्रम विभाग को निर्देश दिये। इसके साथ ही विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं के माध्यम से 28 जून को होने वाले पोलियो अभियान के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक को आवश्यक कदम उठाने को कहा ताकि प्रत्येक परिवार के 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंच सके। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने केंद्रों के बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाना सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया। पोलियो वैक्सीन के कोल्ड चेन प्रबंधन को बनाए रखने के लिए एपीडीसीएल को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गये। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन के राज्य सलाहकार डॉ. नगेन शर्मा ने पूर्व पोलियो अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए 28 जून के अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी।

एसएसबी व कोकराझाड़ पुलिस ने शिकारी को किया गिरफ्तार

कोकराझाड़, 6 जून (ख.सं)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 6वीं वाहिनी और कोकराझाड़ पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत वन्यजीवों के शिकार की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध शिकारी को अवैध देसी हथियार के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसबी की वाह्य सीमा चौकी (बीओपी) नहरानी को एक सटीक खुफिया इनपुट मिला था। सूचना मिली थी कि सरलपाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगुड़ी गांव के वन क्षेत्र में कुछ उपद्रवी अवैध शिकार की फिराक में देसी बंदूक के साथ छिपे हुए हैं। सूचना मिलने के तुरंत बाद नहरानी बीओपी के सहायक कमांडेंट महामृत्युंजय कुमार पाठक के नेतृत्व में एसएसबी की टीम हरकत में

आयी। कोकराझाड़ की डीएसपी मीतुमा बसुमतारी और सरलपारा बीओपी के कंपनी प्रभारी के साथ मिलकर एक संयुक्त नाका सह तलाशी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आमगुड़ी गांव के लक्षित इलाके की घेराबंदी (कॉर्डन) की और सघन तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान रात लगभग 11.27 बजे सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध देसी निर्मित हथियार बरामद हुआ। सुरक्षा बलों ने हथियार को जब्त कर आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया। पकड़े गये आरोपी की शिनाख्त लखीराम मुर्मू के रूप में की गयी।

पावर टिलर की तस्करी करने वाले गिरोह का मुख्य सरगना गिरफ्तार

हैलाकांदी, 6 जून (ख.सं)। किसानों के लिए केंद्र सरकार की अनुदान आधारित योजना के अंतर्गत आवंटित पावर टिलरों को अवैध रूप से एकत्र कर बेचने वाले एक गिरोह के मुख्य सरगना को हैलाकांदी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चलाये गये एक विशेष अभियान में आरोपी नुरुल इस्लाम लस्कर को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान उसके कब्जे से सरकारी अनुदान प्राप्त चार पावर टिलर भी बरामद किये गये। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार नुरुल इस्लाम लस्कर लाला थाना क्षेत्र के दीनानाथपुर पार्ट- का निवासी है। आरोप है कि वह लंबे समय से किसानों के नाम पर आवंटित सरकारी अनुदान प्राप्त पावर टिलरों को एकत्र कर अवैध रूप से अन्य स्थानों पर बेचने के कारोबार में संलिप्त था। जानकारी के अनुसार हैलाकांदी थाने में दर्ज मामला संख्या / की जांच के दौरान पुलिस को इस गिरोह के बारे में सुराग मिला। जांच की प्रगति के आधार पर नुरुल इस्लाम लस्कर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी, जिसमें कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आयी। उसके द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से चार पावर टिलर बरामद किये। पुलिस का कहना है कि बरामद किये गये पावर टिलर कृषि विभाग के माध्यम से वास्तविक किसानों एवं लाभार्थियों के नाम पर केंद्र सरकार की कृषि यंत्रीकरण उपमिशन योजना के तहत अनुदानित दरों पर आवंटित किये गये थे।

दो दिवसीय तेजपुर लीची महोत्सव का शुभारंभ

तेजपुर, 6 जून (ख.सं)। तेजपुर जिला पुस्तकालय और उसके सामने वाले पार्क में आयोजित दो दिवसीय तेजपुर लीची महोत्सव -2026 का शुभारंभ आज हुआ। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन सत्र में शोणितपुर के सांसद रंजीत कुमार दत्त और तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा को मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथि के रूप मे मंचासीन कराया गया। उनके साथ ही जिला आयुक्त आनंद कुमार दास, तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरेंद्र दास, होर्टिकल्चर डायरेक्टर निपेन दास, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक विश्वाजीत पॉल, अपेडा के संदीप पाल, नगरपालिका अध्यक्ष रमेन तामुली आदि को भी मंचासीन कराकर फूलाम गामोछा से स्वागत किया गया। सभा के प्रारंभ में जिला आयुक्त

आनंद कुमार दास ने वहां उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस बार करीब 400 हैक्टर मे 12 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का व्यवसाय हुआ। पहले भी तेजपुर लीची का लंदन निर्यात किया गया था, जहां उसके रसभरे स्वाद को काफी पसंद किया गया। अब कल-परसों मे तेजपुर लीची का थाईलैंड के लिए निर्यात किया जायेगा। तेजपुर के विधायक पृथ्वीराज राभा ने तेजपुर लीची की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए इसके उत्पादन को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर डाला। उन्होंने हर घर लीची नामक योजना की घोषणा करते हुए बताया कि इस योजना के तहत 10,000 घरों में ये उन्नत किस्म के दो पौधे यानी 20,000 लीची के पौधे दिये जायेंगे, जिन पर करीब 52 लाख रूपये खर्च किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि तेजपुर में कोलाबाड़ी में उन्नत किस्म की लीची के एक पेड़ की कीमत करीब 2 लाख रुपये से भी ज्यादा है। शोणितपुर के सांसद रंजीत कुमार दत्त ने भी मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए लीची की खेती के विकास को ध्यान में रखकर हम कृषकों की आय में वृद्धि करकर उनके जीवन में खुशहाली ला सकते हैं। उन्होंने कृषि एवं बागवानी अधिकारियों को लीची के उत्पादन मे वृद्धि लाने के लिए लीची उत्पादकों के साथ हर सम्भव सहयोग करने की अपील की। सभा में 10 लीची उत्पादकों को सम्मानित किया गया।

नौ फीट लंबे अजगर को देखकर सनसनी वन विभाग को सौंपा

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। शिशुबीतान स्कूल के पास के इलाके में एक पेड़ से लगभग 9 फीट लंबे एक विशाल बर्मी अजगर को बचाया गया, जिससे काफी सनसनी फैल गयी। हालांकि स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गयी, लेकिन अजगर को सांप बचाव दल ने सुरक्षित रूप से बचा लिया और वन विभाग को सौंप दिया। पता चला है कि आज सुबह, सांपों को बचाने वाले त्रिकाल चक्रवर्ती को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि स्कूल के पास एक पेड़ की शाखा पर एक विशालकाय अजगर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही वह और उनकी टीम तुरंत मौके पर पहुंचे। बचाव दल ने सबसे पहले इलाके की सुरक्षा पर विचार किया।

श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर की नयी कार्यकारिणी की पहली बैठक संपन्न

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। स्थानीय श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर संचालन समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद समिति के नये अध्यक्ष हरिराम क्याल की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की पहली महत्वपूर्ण बैठक मंदिर प्रांगण में आयोजित की गयी। बैठक के शुरुआती चरण में सचिव मुकेश सिकरिया द्वारा सभा के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया, जिसके बाद पुरानी समिति ने पूरी पारदर्शिता के साथ जरूरी दस्तावेज़ और प्रभार नयी समिति को हस्तांतरित किये। इस दौरान अध्यक्ष हरिराम क्याल ने उपस्थित सभी लोगों से कार्यकारिणी के नए सदस्यों का परिचय करवाया। बैठक में समिति की मजबूती और कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए इसका विस्तार भी किया गया

नगांव में वरिष्ठ पत्रकार की हिंदी पुस्तक का लोकार्पण

नगांव, 6 जून (ख.सं)। नगांव जिला साहित्य सभा के तत्वावधान में नगांव जिला साहित्य सभा के कमलादेवी तोदी भवन में वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि अजय महतो की हिंदी पुस्तक विधवा विवाह अभिशाप नहीं वरदान का लोकार्पण किया गया। पुस्तक का लोकार्पण करते हुए नगांव जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. शरत बरकटकी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम भाषाई सह-अस्तित्व और समन्वय का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह सृजनात्मक और जनोन्मुखी साहित्यिक आंदोलन का भी एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि साहित्य की कोई भाषाई सीमा नहीं होती। असम साहित्य सभा के बारे में उल्लेख करते हुए डॉ. बरकटकी ने कहा कि साहित्य सभा का मुख्य उद्देश्य असमिया भाषा और साहित्य का विकास करना है। साथ ही यह संस्था व्यापक साहित्य

और संस्कृति के लिए भी एक मंच के रूप में कार्य कर रही है। भारत एक बहुभाषी देश है इसलिए अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का सम्मान करना सांस्कृतिक उदारता का परिचायक है।उन्होंने कहा कि साहित्य मूल रूप से मानवीय भावनाओं, विचारों और ज्ञान का वाहक है। भाषा भिन्न होने के बावजूद साहित्य के मूल्य सार्वभौमिक होते हैं। साहित्य सभा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में भी अपनी भूमिका निभा रही है। हिंदी भारत की प्रमुख संपर्क भाषाओं में से एक है। हिंदी और असमिया के बीच साहित्यिक आदान-प्रदान बढ़ने से अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने आगे कहा कि असमिया साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए अन्य भाषाओं के साहित्यकारों के साथ संबंध स्थापित करना आवश्यक है। इससे असमिया साहित्य को देशभर में अधिक पहचान और प्रसार मिलने का अवसर मिलेगा। जिला साहित्य सभा ने अतीत से ही विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और चिंतकों का स्वागत किया है और यह उसी उदार परंपरा का हिस्सा है। डॉ. बरकटकी ने कहा कि हिंदी भाषा की पुस्तक का लोकार्पण भाषाओं और साहित्य के बीच एक सेतु बनाने का अवसर है। उन्होंने 1960 के दशक में नगांव में विधवा विवाह को बढ़ावा देने वाले स्वर्गीय झुमरमल खेतावत का भी उल्लेख किया।सभा का संचालन जिला साहित्य सभा के सचिव राजीव कुमार हजारिका ने किया। लेखक अजय महतो ने अपने विचार और अनुभव व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कनक हजारिका तथा नगांव प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेन बरकटकी ने भी संबोधन दिया।कार्यक्रम में जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष थगित महंत, समाजसेवी शावरमल खेतावत, संजय गाड़ोदिया, शिक्षा अधिकारी श्रुतिमाला गायन, नगांव केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अपूर्व कुमार दास, नगांव मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष प्रमोद कोठारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिलचर में एक सौ किलो गांजा समेत दो बंदी

सिलचर, 6 जून (ख.सं)। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने आज 37 नंबर राजमार्ग पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एक इलेक्ट्रिक ऑटो को रोका गया, जिसमें 100 किलो गांजा बरामद किया गया। इसके पास से 2 मोबाइल बरामद किये गये।

निचले असम में विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न संगठनों का पौधरोपण अभियान

रंगिया, 6 जून (ख.सं)। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर रंगिया आंचलिक छात्र संघ (आसू) द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए संगठन के कार्यकर्ताओं ने रंगिया और इसके आस-पास के इलाकों में कुल 500 पौधे लगाये। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह रंगिया आंचलिक छात्र संघ के शहीद भवन परिसर में कार्यकर्ताओं द्वारा पौधे लगाने के साथ हुई। इसके बाद अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के महासचिव तौफीकुर रहमान ने मुख्य वृक्षारोपण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। आसू कार्यकर्ताओं ने रंगिया के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर पौधे रोपे। इनमें मुख्य रूप से रंगिया कॉलेज, मानवेंद्र शर्मा गर्ल्स कॉलेज, रंगिया गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल, आरिमत्त विद्यापीठ हाई स्कूल, रंगिया टाउन हायर सेकेंडरी स्कूल, रंगिया पुलिस स्टेशन और रंगिया शिव मंदिर परिसर शामिल हैं। इसके अलावा रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अंतर्गत आने वाली विभिन्न शाखाओं में भी यह अभियान चलाया गया। इस पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व रंगिया आंचलिक छात्र संघ के अध्यक्ष पिंटू डेका और कार्यवाहक संपादक रिदुल कुमार नाथ ने किया। संगठन के पदाधिकारियों ने इस मौके पर लोगों से न केवल पौधे लगाने, बल्कि उनकी सही देखरेख करने का भी आह्वान किया। वहीं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय अभियान चलाया गया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट (कचरे से कंचन) नामक इस विशेष मुहिम के तहत शाखा की महिला सदस्यों ने घर में बेकार पड़ी

और फेंकी जाने वाली प्लास्टिक व कांच की बोतलों का इस्तेमाल कर कई बेहतरीन और बेहद खूबसूरत कलाकृतियां बनायी। इस रचनात्मक गतिविधि के अंतर्गत महिलाओं ने बेकार बोतलों को सुंदर *पॉट* (पौधे लगाने के गमले और शो-पीस) का रूप दिया, ताकि उन्हें कचरे में फेंकने के बजाय दोबारा उपयोग में लाया जा सके। सदस्यों ने अपनी कला और सूझबूझ से कबाड़ हो चुकीं इन बोतलों को नया और आकर्षक लुक दिया। शाखा की अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल ने इस अभियान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य सिंगल-यूज और बेकार कचरे को दोबारा इस्तेमाल के योग्य बनाना है। अगर हम सभी मिलकर अपने घरों से निकलने वाले इस तरह के कचरे को रीसायकल करना शुरू कर दें, तो बढ़ते प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। वहीं संस्था की सचिव संगीता सिकरिया ने सभी सदस्यों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम ही भविष्य में बड़े बदलाव का जरिया बनते हैं। वहीं दूसरी ओर रंगिया की रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के तत्वावधान में स्वयंसेवी संस्था *परमार्थ* और विद्याज्योति शिशु निकेतन के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस और बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए समर्पित विशेष *कुंही* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तोरोनी स्थित निकेतन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शुक्लेश्वर कलिता, कामरूप जिला साहित्य सभा के कोषाध्यक्ष दिलीप ठाकुरिया और विद्याज्योति शिशु निकेतन के प्रधानाध्यापक भास्कर कलिता द्वारा पौधरोपण के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश चंद्र कलिता ने दीप प्रज्ज्वलित कर असम के महान मनीषियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद अगरवाला, कलागुरु बिष्णुप्रसाद राभा, सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका और लोकप्रिय कलाकार जुबिन गर्ग की तस्वीरों पर पुष्प अर्पित किये गये। इस मौके पर रूपही रंगिया के अध्यक्ष अरूप दास, रनदिया (शतदल) साहित्य सभा पूर्व सचिव उज्जवल डेका, उपाध्यक्ष सविता बर्मन मजुमदार और आजीवन सदस्या रीना कलिता महंत उपस्थित रही। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए कुंही कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता हिरण्य चौधरी ने किया। कामरूप जिला साहित्य सभा की युवा संसद के संयोजक हेमंत कलिता के संचालन और पंकज पल्लव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम *रंगमेला* में 50 से अधिक बाल कलाकारों ने गीत, नृत्य, कविता पाठ और अभिनय के जरिये पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया। सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इससे पहले 31 मई को इसी उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी इस

मंच पर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के क वर्ग (कक्षा 5 तक) में ईशा शालै, रिमली डेका, कंकन दास और श्लोक वैद्यऋषि कलिता तथा ख वर्ग (कक्षा 5 से 8) में वृष्टि कलिता, महबूब अख्तर, सिया कलिता और हियाश्री कलिता ने पहला, दूसरा, तीसरा और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कामरूप जिला साहित्य सभा के प्रभारी अध्यक्ष रमेश चंद्र मेधी, सचिव रजनी शालै, सहायक सचिव व पत्रकार तरणी चरण कलिता, सिमबायोसिस एकादमी की अध्यक्षा अशोका दत्ता, रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल (क) के अध्यक्ष जावेद जमान, अखिल असम कवि मंच के प्रधान सचिव जीतू कांचन, सेवानिवृत्त सह खंड विकास अधिकारी चंपावती दास, रनदिया की पत्रिका के संपादक तथा पत्रकार फारुख हुसैन, महेंद्र कलिता सहित कई गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। अंत में कामरूप जिला साहित्य सभा की कुंही उप-समिति की कार्यकारी अध्यक्ष भानु चौधरी ठाकुरिया, संयोजक कमल नारायण वैश्य, रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के सचिव मुस्तफा कमल अहमद और विद्याज्योति शिशु निकेतन के प्रधान शिक्षक भास्कर कलिता ने सहित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। असम के जातीय संगीत के साथ इस भव्य कार्यक्रम का समापन हुआ।

तेजपुर से हमारे संवाददाता के अनुसार पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ के संकल्प के साथ मारवाड़ी युवा मंच, तेजपुर जागृति शाखा ने विश्व पर्यावरण दिवस को सार्थक रूप से मनाया। इस पावन अवसर पर शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। घोड़ामारी स्थित महर्षि धर्मचंददेव गौशाला के प्रांगण में शाखा की अध्यक्ष रजनी डागा के नेतृत्व में 51 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस पुनीत कार्य में शाखा की पूर्व अध्यक्ष शर्मिला लोहिया, कार्यक्रम संयोजिका शीतल सराफ, कार्यकारिणी सदस्य अमिता गुप्ता एवं शाखा सचिव मिनिता शर्मा ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी पदाधिकारियों ने स्वयं अपने हाथों से पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष रजनी डागा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान है। आज लगाये गये ये 51 पौधे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और शीतल छाया प्रदान करेंगे। सभी सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल करने एवं उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबका नैतिक दायित्व है। शाखा ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने जन्मदिन, वर्षगांठ जैसे शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएं और धरती माता को हरा-भरा बनाने में अपना योगदान दें। मारवाड़ी युवा मंच, तेजपुर जागृति शाखा समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण के अपने पांच सूत्रों पर चलते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी।

विश्वनाथ से हमारे संवाददाता के अनुसार

समग्र राज्य के साथ विश्वनाथ चारिआली शहर के बौ बाजार में स्थित कालि मंदिर के प्रांगण में नेताजी शाखा गांवरक्षा वाहिनी और ओम बजरंग वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संध्या 4 बजे से हुई, जिसमें सर्वप्रथम एक मूल सभा का आयोजन किया गया। नेताजी शाखा के स्वयंसेवक संतोष कुमार महतो के नेतृत्व में संचालित सभा की अध्यक्षता प्रचारक कार्तिक गढ़ ने की। इसके बाद मुख्य अतिथि डाइट, विश्वनाथ के सेवानिवृत्त अध्यक्षा सरला देवी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेविका समिति के तेजपुर विभाग के शांता बरठाकुर, सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास, शिक्षक अभीजीत चौधरी, समाजसेवी जया शर्मा, सुष्मिता हजारिका, शताब्दी राय को मंचासीन करवाया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उपस्थित अतिथियों को फूलाम गामोछा तथा एक पेड़ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभा की उद्देश्य व्याख्या विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास ने की। सभा में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजित किया गया। दो शाखा में आयोजित प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं से बारहवीं के विद्यार्थी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा ली। तत्पश्चात मुख्य अतिथि सरला देवी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सारगर्भित व्याख्यान दिया और आगामी दिनों में पर्यावरण को किस तरह विनिष्ट होने से बचाएं, इस पर नागरिक का सजगता पर विचार रखी। विशिष्ट अतिथि शांता बरठाकुर ने भी पर्यावरण पर विचार रखते हुए जलवायु परिवर्तन और जल संरक्षण पर व्याख्यान दी। इसके बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रत्येक शाखा के विजयी दल प्रथम, दूसरा और तीसरा को प्रशस्ति पत्र, एक पेड़, पुस्तक, कलम और भारत माता का फोटो फ्रेम सहित पुरस्कृत किया गया।